THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 238 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.4 2082 सोमवार, 24 नवंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चंडीगढ़ विवाद पर गृह मंत्रालय का स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र में चंडीगढ़ को लेकर 131वां संविधान संशोधन लाने को लेकर विवाद जारी है। पंजाब सरकार और अन्य दल इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर फैल रही भ्रांतियों पर स्पष्टीकरण दिया। गृह मंत्रालय ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर बताया कि कानून बनाने का प्रस्ताव अभी केंद्र सरकार के स्तर पर विचाराधीन है। उन्होंने लिखा, संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ के लिए सिर्फ केंद्र सरकार द्वारा कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव अभी केंद्र सरकार के स्तर पर विचाराधीन है। इस प्रस्ताव पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

1 दिसंबर से केस लिस्टिंग का नया सिस्टम : जस्टिस सूर्यकांत

मेरा फोकस अदालतों में पेंडिंग केसों की संख्या कम करना, आज शपथ ग्रहण

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के 53वें सीजेआई के तौर पर शपथ लेने वाले हैं।

इससे पहले उन्होंने संकेत दिए कि वे 1 दिसंबर को देश को सरप्राइज देंगे। उन्होंने केवल इतना इशारा किया कि सरप्राइज केसों की लिस्टिंग को लेकर है। लिस्टिंग की व्यवस्था इतनी अच्छी होगी कि सब इसका स्वागत करेंगे।

देश के सबसे बड़े ज्यूडिशियल ऑफिस का चार्ज संभालने से पहले, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डेजिग्नेटेड, जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि उनका मेन फोकस देश की अदालतों में पेंडिंग केसों की भारी संख्या को कम करना होगा। जस्टिस सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट के उन मामलों का निपटारा करेंगे, जो हाईकोर्ट में लास्ट स्टेज में हैं और सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने के कारण लटके हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने मीडिएशन को भी एक गेम चेंजर बताया।

उन्होंने कहा कि यह लिटिगेंट्स को कोर्ट के बाहर तेजी से सेटलमेंट दिला सकता है। अगर पेंडिंग और प्री-लिटिगेशन केस मीडिएशन से सुलझाए जाते हैं, तो कोर्ट पर बोझ काफी कम हो जाएगा। जस्टिस सूर्यकांत दिल्ली में अपने सरकारी आवास पर लीगल जर्नलिस्ट्स के एक ग्रुप को एड्रेस कर रहे थे।

जस्टिस सूर्यकांत की बकेटलिस्ट में क्या-क्या :

एरियर (पेंडिंग केस) को इंडिविजुअल कोर्ट लेवल पर और पैन-इंडिया बेसिस पर, दोनों तरह से एड्रेस किया जाना चाहिए। एक बड़ा चैलेंज मामलों का ओवरलैप होना है। कई जरूरी केस 5, 7 या 9 जजों की कॉन्स्टिट्यूशनल बेंच को भेजे गए हैं और इस वजह से, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी कई दूसरे केस नहीं देख पा रहे हैं। हजारों मामले इन बड़ी बेंचों के फैसलों का इंतजार करते हुए रुके हुए हैं। इस वजह से, हाईकोर्ट और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट भी कई कानूनी सवालों की वजह से अटके हुए हैं, जो अभी तक सुलझे नहीं हैं।

हालात को करीब से समझने के लिए लगभग एक हफ्ते का समय लगेगा और इस काम में भी कुछ समय लगेगा। एक क्राइटेरिया यह है कि सबसे पुराने केस पहले लिए जाएं। हालांकि, कुछ नए मामले भी हैं जिन पर तुरंत और सच में ध्यान देने की जरूरत है।

जी20 समिट

अमेरिका के बॉयकॉट के बावजूद घोषणापत्र मंजूर

साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति ने ट्रम्प की मांग नहीं मानी

जोहान्सबर्ग, 23 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बॉयकॉट के बावजूद 20वीं जी-20 समिट के पहले दिन शनिवार को सदस्य देशों ने साउथ अफ्रीका के बनाए घोषणा पत्र को सर्वसम्मति से मंजूर कर लिया। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने बताया कि सभी देशों का अंतिम बयान पर सहमत होना बेहद जरूरी था, भले ही अमेरिका इसमें शामिल नहीं हुआ।

वहीं, ट्रम्प ने आखिरी सेशन में 2026 की मेजबानी लेने के लिए एक अमेरिकी अधिकारी को भेजने की बात कही थी। दक्षिण अफ्रीकी अध्यक्षता ने अमेरिकी अधिकारी को मेजबानी सौंपने के प्रस्ताव को नकार दिया। अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा आज जी-20 की अगली अध्यक्षता 'खाली कुर्सी' को सौंपेंगे।

साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति ने परंपरा तोड़ी :

इस बार के जी-20 समिट में दो बड़ी परंपराएं टूट गईं और यही वजह है कि यह बैठक ऐतिहासिक रूप से अलग मानी जा रही है। पहली परंपरा मेजबानी सौंपने की है। हर जी-20 समिट में पिछले साल की मेजबानी करने वाला देश, इस साल के मेजबानी देश को औपचारिक रूप से 'गवेल' (अध्यक्षता का प्रतीक) सौंपता है।

यह एक लाइव सेरेमनी होती है, जिसमें दोनों देशों के नेता आमने-सामने मौजूद रहते हैं। इस बार अमेरिका की तरफ से राष्ट्रपति ट्रम्प शामिल नहीं हुए।

2024 में जी-20 की मेजबानी अमेरिका (सैन फ्रांसिस्को) ने की थी, इसलिए गवेल ट्रम्प को ही सौंपना था। लेकिन उनकी गैरहाजिरी की वजह से साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति ने खाली कुर्सी को मेजबानी सौंपने का ऐलान किया है। दूसरी बड़ी परंपरा घोषणापत्र से जुड़ी है। जी-20 समिट के अंत में सभी देश मिलकर एकमत से संयुक्त घोषणापत्र जारी करते हैं। यानी दो दिन की बैठकें, चर्चाएं, ड्राफ्टिंग सब पूरा होने के बाद अंतिम सत्र में घोषणापत्र जारी किया जाता है। लेकिन इस बार घोषणापत्र पहले ही दिन सर्वसम्मति से पास हो गया।

पीएम मोदी ने रविवार को जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

इससे पहले मोदी ने बताया था कि, कल जी-20 शिखर सम्मेलन की बैठक अच्छी रही। उन्होंने कहा, मैंने दो सत्रों में भाग लिया और प्रमुख मुद्दों पर अपने विचार साझा किए।

मोदी ने एक्स पर बताया कि, जोहान्सबर्ग में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति रामफोसा के साथ शानदार बैठक हुई। हमने भारत-दक्षिण अफ्रीका साझेदारी के सभी पहलुओं की समीक्षा की, विशेष रूप से ट्रेड, कल्चर, इंवेस्टमेंट और टेक्नोलॉजी, स्किल डेवलपमेंट, एआई, रेयर अर्थ मेटल में सहयोग में विविधता लाने पर। इसके साथ ही मोदी ने जी-20 की सफल अध्यक्षता के लिए राष्ट्रपति रामफोसा को बधाई दी।

'नोटबंदी और लॉकडाउन की तरह ही एसआईआर जल्दबाजी में लागू किया गया'

बीएलओ की मौतों पर कांग्रेस का हमला

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। अलग-अलग राज्यों में कुछ बूथ लेवल अफसरों की मौत की खबरें सामने आई हैं। इनमें से कई मौतों के पीछे एसआईआर के काम के भारी दबाव को वजह बताया जा रहा है। अब इसे लेकर राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस पार्टी ने इसे लेकर सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि काम का बोझ बीएलओ और पोलिंग अफसरों को आत्महत्या के लिए मजबूर कर रहा है। कांग्रेस ने दावा किया कि एसआईआर को जल्दबाजी में लागू किया गया और ये नोटबंदी और लॉकडाउन के फैसलों की याद दिलाता है।

खड़गे का आरोप- चुनाव आयोग मूकदर्शक बनकर देख रहा :

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा की वोट चोरी अब जानलेवा हो गई है। खड़गे ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में दावा किया कि '19 दिनों में, मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 16 बीएलओ की मौत हो गई है। काम का बोझ बीएलओ और पोलिंग अफसरों को आत्महत्या करने पर मजबूर कर रहा है।' खड़गे ने लिखा कि, हर उस परिवार के साथ मेरी गहरी संवेदनाएं हैं जिन्होंने अपनों को खोया है। जमीनी हकीकत के हिसाब से, यह संख्या बताई गई संख्या से कहीं ज्यादा है, जो बहुत चिंता की बात है। इन परिवारों को इंसाफ कौन दिलाएगा? उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा चोरी की सत्ता का मजा ले रही है, जबकि चुनाव आयोग मूकदर्शक बनकर देख रहा है।

'लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा' :

खड़गे ने दावा किया, एसआईआर को जल्दबाजी में, बिना किसी योजना के जबरदस्ती लागू करना नोटबंदी और कोरोना लॉकडाउन की याद दिलाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सत्ता की भूख संस्थाओं को आत्महत्या करने, संविधान को खत्म करने और सत्ता का गलत इस्तेमाल करके लोकतंत्र को कमजोर करने पर मजबूर कर रही है।

खड़गे ने कहा, बस बहुत हो गया! अगर हम अब भी नहीं जागे, तो लोकतंत्र के आखिरी खंभों को गिरने से कोई नहीं बचा सकता। जो लोग एसआईआर और वोट चोरी पर चुप रहते हैं, वे इन बेगुनाह बीएलओ की मौत के लिए जिम्मेदार हैं।

एसआईआर के खिलाफ विजय की टीवीके ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

अब तक कई दलों ने दायर की याचिका

नई दिल्ली/चेन्नई, 23 नवंबर (एजेंसियां)। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलागा वेट्री कजगम (टीवीके) ने तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने के चुनाव आयोग (ईसीआई) के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इससे पहले टीवीके ने राज्य में एसआईआर के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन किया था। टीवीके एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाली देश की उन चुनिंदा दलों में शामिल हो गई, जिन्होंने इसका विरोध किया है।

सुप्रीम कोर्ट में इन-इन दलों ने दायर की याचिका :

डीएमके, सीपीआईएम, टीएमसी, कांग्रेस (पश्चिम बंगाल), आईयूएमएल।

विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गंभीर विसंगतियां हैं और इसका उद्देश्य कुछ खास लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है, जिससे चुनावों में लाभ पहुंचाया जा सके। हाल ही में एसआईआर से जुड़े कुछ लोगों की मौत की खबरें भी आई हैं, हालांकि इन मौतों के कारणों की स्वतंत्र जांच की मांग की जा रही है। विपक्षी दलों का यह भी आरोप है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है और सत्ताधारी दल के पक्ष में काम कर रहा है।

चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की सफाई

इस पूरे मामले में चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और नियमों के मुताबिक की जा रही है और यह वोटर लिस्ट को शुद्ध करने का प्रयास है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि नाम हटाने के खिलाफ कोई अपील दर्ज नहीं की गई है, जिससे यह साबित होता है कि प्रक्रिया सही थी। राजनीतिक दलों की तरफ से लगाए गए आरोपों को आयोग ने निराधार बताया है। इस पर सरकार का कहना है कि मतदाता सूची को अपडेट करना एक सामान्य प्रक्रिया है और इसमें किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है।

'सोनम वांगचुक की हिरासत अवैध और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन'

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करेगा। इस याचिका में जलवायु कार्यकर्ता की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत को अवैध और उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाली मनमानी कार्रवाई बताते हुए चुनौती दी गई है।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष इस मामले की सुनवाई होगी। शीर्ष अदालत ने इससे पहले 29 अक्टूबर को अंगमो द्वारा दायर संशोधित याचिका पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। वांगचुक को 26 सितंबर को हिरासत में लिया गया था। जब लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर लेह में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के दो दिन बाद, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

धर्म के लिए लड़ना होगा : भागवत

योगी बोले- आरएसएस सामाजिक समर्थन से चलता है, विदेशी फंडिंग से नहीं

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और सीएम योगी ने रविवार को दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में मंच साझा किया। मोहन भागवत ने कहा- हमारा भारत पूरी दुनिया का विश्वगुरु था। दुनिया के लिए एक बड़ा सहारा था। कभी चक्रवर्ती सम्राट भी होते थे। हजारों साल तक आक्रमणकारियों के पैरों तले रौंदा गया। हमें गुलामी में जीना पड़ा। उन्होंने कहा- धार्मिक स्थलों को नष्ट किया गया। जबरदस्ती धर्मांतरण हुए, लेकिन तब भी भारत था। वह वैभव के दिन नहीं रहे, लेकिन आक्रमण के दिन भी चले गए। अब हम राम मंदिर पर झंडा फहराने वाले हैं। हमें धर्म रक्षा के लिए लड़ना है। विश्व में शांति की स्थापना गीता के माध्यम से ही की जा सकती है।

सीएम योगी ने कहा- विदेशी नेता और डिप्लोमेट अक्सर पूछते हैं कि संघ कैसे काम करता है। मैं उन्हें बताता हूं कि आरएसएस सामाजिक सहयोग से चलने वाला संगठन है। यह विदेशी फंडिंग से नहीं चलता। उन्होंने कहा- अपने धर्म में मरना अच्छा है। हमें लालच में दूसरा धर्म नहीं अपनाना चाहिए। यह महापाप है। हमने भारत की पूरी धरती को धर्मक्षेत्र माना। इसलिए युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र है, क्योंकि धर्मक्षेत्र में जो युद्ध भी लड़ा जा रहा, वो अपने कर्तव्यों के लिए लड़ा जा रहा। संघ ने 100 साल में कोई सौदेबाजी नहीं की, लेकिन कुछ लोगों ने दुनिया और भारत में सेवा को सौदेबाजी का जरिया बनाया।

इससे पहले मोहन भागवत और सीएम योगी ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मोहन भागवत और सीएम ने श्रीमद् भागवत गीता की भी पूजा की। ज्ञानानंद महाराज ने दोनों को गीता की एक-एक प्रति भेंट की। इसके बाद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् गाया गया। जनेश्वर मिश्र पार्क में पहली बार यह कार्यक्रम हो रहा है। इसे संत ज्ञानानंद की संस्था 'जीओ गीता परिवार' की तरफ से करवाया जा रहा है। संस्था का उद्देश्य है कि हर व्यक्ति न सिर्फ गीता को पढ़े, बल्कि उसे समझे और जीवन में उतारे।

पाकिस्तान भारत को हरा नहीं सकता : फडणवीस

इसलिए पहलगाम हमला, दिल्ली ब्लास्ट किया, 26/11 के बाद ऑपरेशन सिंदूर होता तो हिम्मत नहीं करता

मुंबई, 23 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया पर 26/11 हमलों की 17वीं बरसी के मौके पर 'ग्लोबल पीस ऑनर्स 2025' कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा- पाकिस्तान जानता है कि वह सीधे युद्ध में भारत को नहीं हरा सकता, इसलिए उसने पहलगाम आतंकी हमला और दिल्ली ब्लास्ट किया।

सीएम ने कहा- मुंबई में 26 नवंबर 2008 (26/11) को आतंकवादी हमला भारत की संप्रभुता पर हमला था। अगर तब हमने ऑपरेशन सिंदूर करने का साहस दिखाया होता, तो आज कोई हम पर हमला करने की हिम्मत नहीं करता, लेकिन हमने उस समय वह साहस नहीं दिखाया। फडणवीस ने आगे कहा- आतंकियों ने 2001 में 9/11 हमले के लिए अमेरिका के ट्विन टावर्स को चुना था। अमेरिका की ताकत ट्विन टावर्स में है इसलिए वहां हमला करके उन्होंने अमेरिका की संप्रभुता को चुनौती दी थी। इसी तरह भारत की संप्रभुता को चुनौती देने के लिए मुंबई को चुना गया था।

मुख्यमंत्री की पत्नी अमृता फडणवीस ने गेटवे ऑफ इंडिया पर 'ग्लोबल पीस ऑनर्स 2025' कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इसमें रिलायंस फाउंडेशन की अध्यक्ष नीता अंबानी, बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और रणवीर सिंह, सिंगर शंकर महादेवन सहित कई दिग्गज शामिल हुए।

भारत-चीन सीमा की रक्षा करेंगी महिलाएं

आईटीबीपी 10 महिला बॉर्डर चौकी बनाएगी

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। सरकार अब भारत-चीन एलएसी पर निगरानी बढ़ाने के लिए इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस फोर्स (आईटीबीपी) के जवानों की तैनाती बढ़ा रही है। आईटीबीपी ही 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन एलएसी की रखवाली करती है। अब आईटीबीपी के डीजी ने एलान किया है कि भारत-चीन एलएसी पर 10 सिर्फ महिला बॉर्डर चौकी बनाई जाएंगी। आईटीबीपी ने लद्दाख में 2020 में सीमा पर सैन्य झड़प के बाद 'फॉरवर्डाइजेशन' योजना बनाई है, इसके तहत अब तक भारत के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में आईटीबीपी अपनी 215 बॉर्डर चौकियों को भी आगे बढ़ाएगी।

सात नई बटालियन को सरकार ने दी मंजूरी :

इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस के डीजी प्रवीण कुमार ने जम्मू में फोर्स के 64वें स्थापना दिवस परेड के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि 'हमने फॉरवर्डाइज़ेशन प्लान पर काम किया है और इसके नतीजे में, फॉरवर्ड-डिप्लॉयड बॉर्डर चौकी की संख्या अब 180 के मुकाबले 215 हो गई है। डीजी ने कहा, सात नई बटालियन और एक सेक्टर हेडक्वार्टर बनाने से न सिर्फ यह योजना मजबूत हुई है, बल्कि फॉरवर्ड इलाकों तक हमारी पहुंच और निगरानी भी बढ़ी है। केंद्र ने 2023 में आईटीबीपी के लिए सात और बटालियन और लगभग 9,400 जवानों वाला एक सेक्टर ऑफिस मंजूर किया था।

महिला बॉर्डर चौकियों की संख्या बढ़ाई जाएगी :

डीजी ने कहा कि फोर्स आने वाले समय में भारत-चीन लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर ऐसे 41 और फॉरवर्ड बेस बनाएगी ताकि सुरक्षा और समन्वय को मजबूत किया जा सके। महिला लड़ाकों की भूमिका बढ़ाने के हिस्से के तौर पर, आईटीबीपी लद्दाख के लुकुंग और हिमाचल प्रदेश के थांगी में दो पूरी तरह से महिला बॉर्डर चौकी बनाने की प्रक्रिया में है। डीजी ने कहा कि इस मोर्चे पर आठ और पूरी तरह से महिला बॉर्डर चौकी चालू किए जाएंगे। आईटीबीपी चीफ ने कहा कि फोर्स के सैनिकों के लिए पांच नए स्किलिंग मॉड्यूल लॉन्च किए गए हैं, जिनमें माउंटेन वॉरफेयर और टैक्टिकल सर्वाइवल जैसे सब्जेक्ट शामिल हैं। एक लाख से ज़्यादा जवानों वाली आईटीबीपी की बॉर्डर पोस्ट 9,000 फीट से 14,000 फीट की ऊंचाई पर हैं, जो खराब मौसम और ऑक्सीजन के कम लेवल से प्रभावित होती हैं। 1962 में बनी यह फोर्स, केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करती है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवकों की मौत

जबलपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे में आज तड़के सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक कौन है, कहां के रहने वाले हैं, यह अभी पता नहीं चल सका है। आज सुबह ग्रामीणों ने पाटन थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एफएसएल और पुलिस ने शवों का पंचनामा कार्यवाही कर पीएम के लिए पाटन स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर शिनाख्त का प्रयास शुरू कर दिया है। दरअसल आज सुबह तिलगवा गांव के लोग जब गांव से बाहर मेन रोड पर पहुंचे तो देखा कि दो युवक सड़क किनारे मृत हालत में पड़े हुए है। पास ही उनकी बिना नंबर की बाइक पड़ी हुई है। ग्रामीणों ने फौरन पाटन थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने काफी देर तक दोनों युवकों की शिनाख्ती का प्रयास किया, पर सफलता नहीं मिली।

'हमें हिंसा मुक्त बंगाल बनाना है: गवर्नर

एसआईआर को लेकर राज्य में मचे बवाल के बीच बोस का आया बयान

कोलकाता, 23 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के बाद अब देश के कई राज्यों में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का काम चल रहा है। पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर खासा बवाल मचा है। ममता बनर्जी के चुनाव आयोग और बीजेपी को घेरने के बाद अब इस मामले पर बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस का बयान सामने आया है। राजभवन में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के कार्यकाल का तीसरा वर्ष पूरा होने पर आयोजित कार्यक्रम में आनंद बोस ने कहा कि मैं विनम्रतापूर्वक सभी को घबराहट में प्रतिक्रिया देने से बचने की सलाह दूंगा। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारे संविधान में ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त नियंत्रण और संतुलन मौजूद हैं।

'राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच बातचीत जरूरी'

पश्चिम बंगाल में एसआईआर मामले को लेकर राज्यपाल बोस ने कहा कि राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच बातचीत होनी चाहिए और हो भी रही है। राज्यपाल के रूप में दोनों के बीच संबंध सुधारने के लिए जो भी आवश्यक होगा मैं निश्चित रूप से उसके लिए पहल करूंगा। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमें हिंसा मुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त बंगाल का निर्माण करना है।

ममता बनर्जी ने साधा निशाना

पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बीच एक और बूथ-लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की मौत मामले ने तूल पकड़ लिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीएलओ के सुसाइड को लेकर चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कृष्णानगर में एक और बीएलओ (एक महिला शिक्षक) की मौत की खबर सुनकर बहुत सदमा लगा। टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि और कितनी जानें जाएंगी? एसआईआर के लिए और कितने लोगों को मरना होगा? इस प्रोसेस के लिए हमें और कितनी लाशें देखनी पड़ेंगी? यह अब सच में बहुत चिंता की बात हो गई है।

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

मृतकों के परिवार को मिलेगा 30 लाख मुआवजा

कोलकाता, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने पांच साल पहले कोलकाता में एक भूमिगत नाले की सफाई के दौरान दम घुटने से मारे गए चार मजदूरों के परिवारों को 30-30 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति चैताली चट्टोपाध्याय दास की खंडपीठ ने घटना में घायल हुए लोगों को भी पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

नगर एवं शहरी विकास विभाग और कोलकाता नगर निगम को दो से तीन महीने के भीतर मुआवजा देने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त को अपनी निगरानी में जांच करके दोषियों की पहचान करने का भी निर्देश दिया है। पुलिस आयुक्त को चार सप्ताह के भीतर हाई कोर्ट के महापंजीयक को जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। खंडपीठ ने राज्य सरकार को सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय के कई आदेशों को लागू करने हेतु एक महीने के भीतर एक समिति गठित करने का भी निर्देश दिया।

मैनुअल स्कैवेंजिंग, यानी लोगों को नीचे उतारकर मैनहोल और भूमिगत नालियों की सफाई पर 1993 में प्रतिबंध लगा दिया गया था। मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 में लागू किया गया था। कोविड-19 महामारी के दौरान, 25 फरवरी, 2021 को नगर निगम एवं शहरी विकास विभाग के अंतर्गत कोलकाता पर्यावरण सुधार निवेश कार्यक्रम के तहत दक्षिण कोलकाता के कुंदघाट इलाके में नाले की सफाई करते समय एक नाबालिग समेत चार मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई।

तमिलनाडु समेत इन राज्यों में होगी झमाझम बारिश

आईएमडी ने जारी किया चक्रवाती तूफान का अलर्ट

चैन्नई, 23 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत में बढ़ती ठंड के बीच मौसम विभाग ने दक्षिण के कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, दक्षिणी अंडमान सागर और मलक्का स्ट्रेट के पास निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है, जो तेजी से डिप्रेशन का रूप धारण कर रहा है। इससे 24 नवंबर को बंगाल की खाड़ी में आगे बढ़ने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, पश्चिमी की तरफ बढ़ते हुए, यह डिप्रेशन और भी अधिक मजबूत हो सकता है। इससे बंगाल की खाड़ी में चक्रवात की स्थिति बनेगी और कई राज्यों में भारी बारिश देखने को मिल सकती है।

बंगाल की खाड़ी में उठ रहा तूफान

मौसम विभाग ने एक्स पर चेतावनी जारी करते हुए बताया कि 22 नवंबर को दक्षिणी अंडमान सागर और मलक्का स्ट्रेट के पास लो प्रेशर एरिया बन रहा है। 24 नवंबर तक बंगाल की खाड़ी में यह और भी अधिक मजबूत हो सकता है।

4 राज्यों में बारिश का अनुमान

आईएमडी ने 22-25 नवंबर के बीच तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और अंडमान एवं निकोबार द्वीप के तटीय इलाकों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। खासकर आज और कल इन जगहों पर तेज बारिश देखने को मिल सकती है। इस दौरान भारी बरसात के साथ आंधी-तूफान और बिजली चमकने की संभावना है।

बारिश के साथ आएगा आंधी-तूफान

26 नवंबर तक केरल, माहे और लक्षद्वीप में भी तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बरसात होने की संभावना है। वहीं, अंडमान और निकोबार द्वीप पर 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। चक्रवाती तूफान के कारण सभी राज्यों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। मछुआरों समेत पर्यटकों को समुद्र तटों से दूर रहने का आदेश दिया गया है।

नरेला विधानसभा में 3 बीएलओ सुपरवाइजर और 3 बीएलओ को कारण - बताओ नोटिस जारी

भोपाल, 23 नवंबर (एजेंसियां)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने विधानसभा क्षेत्र 151 नरेला के 03 बीएलओ सुपरवाइजर एवं 3 बीएलओ को कारण-बताओ नोटिस जारी किया है। कलेक्टर सिंह द्वारा नरेला क्षेत्र की समीक्षा के दौरान निर्धारित कार्य प्रगति में गंभीर कमी तथा फील्ड रिपोर्टिंग में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है। नोटिस प्राप्त करने वाले बीएलओ सुपरवाइजरों में संजीव जौहरी, गोविंद ढाक्स्या एवं राधेश्याम साहनी शामिल हैं। इसी प्रकार कार्य में अपेक्षित प्रगति न लाने और समयबद्ध निर्देशों का पालन न करने पर बीएलओ अजय तावड़े, अर्जुन पटेल एवं रंजना शर्मा को भी कारण-बताओ नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर सिंह ने स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया है,

बैंक की शाखाओं में स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल पर

कलकत्ता हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

कोलकाता, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बैंकों की शाखाओं में स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल पर रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे एक रिपोर्ट जमा करें जिसमें बताया जाए कि वे आरबीआई के उस सर्कुलर का पालन कर रहे हैं या नहीं, जिसमें सभी जरूरी दस्तावेज अंग्रेजी, हिंदी और स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। कोर्ट ने लंबित बैंकों को तुरंत रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है, ताकि ग्राहकों को उनकी भाषा में सेवाएं मिल सकें। अदालत ने बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और कुछ अन्य बैंकों ने पहले ही अपनी रिपोर्ट जमा कर दी है। वहीं, अन्य बैंकों को आदेश दिया गया है कि वे दिसंबर के पहले हफ्ते में होने वाली अगली सुनवाई से पहले अपनी रिपोर्ट जमा करें।

बांग्ला पक्षो चैरिटेबल ट्रस्ट ने दायर की याचिका

बता दें कि यह इस मामले में याचिका 'बांग्ला पक्षो चैरिटेबल ट्रस्ट' नामक एनजीओ ने दायर किया था। याचिका में एनजीओ ने मांग की थी कि पश्चिम बंगाल की सभी बैंक शाखाओं में क्षेत्रीय भाषा बंगाली का इस्तेमाल किया जाए और आरबीआई के नियमों का पालन हो। हालांकि इससे पहले पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 15 सितंबर को अदालत में कहा था कि वह आरबीआई के निर्देशों का पालन करेगा और सभी जरूरी दस्तावेज तीन भाषाओं अंग्रेजी, हिंदी और बंगाली में उपलब्ध कराएगा।

आरबीआई ने दिया था निर्देश

गौरतलब है कि आरबीआई ने एक जुलाई 2014 को एक सर्कुलर जारी कर सभी बैंकों को निर्देश दिया था कि शाखाओं में लगे सभी बोर्ड और ग्राहकों से संबंधित मुद्रित सामग्री तीन भाषाओं में होनी चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग आसानी से बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकें।

फुटबॉल खेलने गए मुंबई के पूर्व अंडर-16 फुटबॉलर की संदिग्ध मौत, जंगल में मिला शव

पालघर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले के मेंधावन खिंड जंगल में पूर्व मुंबई अंडर-16 फुटबॉल खिलाड़ी सागर सोरती का शव पेड़ से रस्सी के फंदे पर लटका हुआ मिला है। पुलिस को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। हालांकि, पुलिस ने अभी आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। दरअसल, सागर पिछले दो साल से गहरे मानसिक तनाव में था। वह 15 नवंबर को पुणे में फुटबॉल खेलने का कहकर घर से निकला था, लेकिन उसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। उसके परिजनों का उससे संपर्क नहीं हो पा रहा था। दो दिन बाद 18 नवंबर को पुलिस को पालघर के मेंधावन खिंड जंगल में एक पेड़ से रस्सी से लटका हुआ उसका शव मिला। पुलिस ने बताया कि सागर सोरती के पास उसका मोबाइल फोन था, जिससे पुलिस को उसकी पहचान करने में मदद मिली। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, सोरती के परिवार के अनुसार, वह पिछले दो सालों से मानसिक तनाव में था। उसने अपने छोटे भाई की शादी के लिए नए कपड़े सिलवाने से इनकार कर दिया था,

पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे के पीए की पत्नी ने की आत्महत्या

10 महीने पहले हुई थी शादी, जांच शुरू

मुंबई, 23 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री और बीजेपी नेता पंकजा मुंडे के पीए की पत्नी ने आत्महत्या कर ली है। बीती रात ये चौंकाने वाली घटना सामने आई है। महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री और बीजेपी की वरिष्ठ नेता पंकजा मुंडे के निजी सहायक (पीए) अनंत गर्जे की पत्नी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है। घटना वर्ली थाना क्षेत्र की बताई जा रही है, जहां की पुलिस टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। मृतक महिला की पहचान डॉ गौरी अनंत गर्जे के रूप में हुई है। डॉ. गौरी के परिजनों का आरोप है कि अनंत गर्जे का किसी बाहरी महिला से कथित अफेयर था, जिसके चलते गौरी मानसिक रूप से परेशान रहती थीं। परिजनों ने इस संबंध में पुलिस को बयान भी दिया है। वर्ली पुलिस ने संदिग्ध हालात में मौत का मामला दर्ज कर दिया है और आगे की जांच जारी है।

घर पर लगाई फांसी

डॉक्टर गौरी पालवे ने वर्ली स्थित अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस ही महीने पहले विवाह हुआ था लेकिन गौरी ने शाम 7 बजे यह कदम उठाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह आत्महत्या पारिवारिक विवाद के चलते हुई है। साथ ही गौरी पालवे के मायकेवालों ने आरोप लगाया है कि ससुराल वालों द्वारा परेशान किए जाने के कारण उन्होंने यह कदम उठाया। इस घटना के बाद पंकजा मुंडे ने बीड में होने वाले अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। वर्ली पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मृत्यु (एडी) दर्ज की है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए केईएम अस्पताल भेजा गया है।

असली कारण क्या?

अनंत गर्जे और डॉक्टर गौरी पालवे का विवाह 7 फरवरी को बड़े धूमधाम से हुआ था। इस विवाह में पंकजा मुंडे और पूर्व सांसद प्रीतम मुंडे भी उपस्थित थीं। शादी को दस महीने भी पूरे नहीं हुए थे कि गौरी की आत्महत्या ने सभी को स्तब्ध कर दिया है। यह भी जानकारी सामने आई है कि अनंत गर्जे के विवाहेतर संबंध होने के कारण गौरी परेशान रहती थीं। इसी तनाव और अवसाद में उन्होंने आत्महत्या की होगी, ऐसा दावा किया जा रहा है। गौरी पालवे मुंबई के केईएम अस्पताल में कार्यरत थीं। रात उन्होंने घर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद पंकजा मुंडे ने बीड के अपने सभी पूर्व नियोजित कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही वर्ली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए केईएम अस्पताल भेजा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना का सच स्पष्ट हो पाएगा, ऐसा कहा जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और परिजनों से पूछताछ भी की जा रही है। मामले की आगे जांच जारी है।

चिड़ियाघर के बाड़े से फरार हो गए कई सियार, जू प्रशासन में मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के चिड़ियाघर से कुछ सियार अपने बाड़े से फरार हो गए हैं। इसके बाद जू प्रशासन की परेशानी बढ़ गई है। एक अधिकारी के अनुसार, सुबह दिल्ली के राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में कुछ सियार अपने बाड़े से भाग निकले, जिसके बाद अधिकारियों ने वन क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। इस बीच, दिल्ली चिड़ियाघर के प्रशासनिक विभाग को किए गए कॉल और संदेशों का कोई जवाब नहीं मिला और इस घटना पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

सुबह हुई इस घटना ने एक बार फिर चिड़ियाघर की तैयारियों और पशु प्रबंधन को सवालों के घेरे में ला दिया है। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि सियार बाड़े के पिछले हिस्से से फिसलकर बाहर आ गए, जो चिड़ियाघर की बाहरी सीमा बनाने वाले घने जंगल में खुलता है। उन्होंने आगे कहा कि पर्यटकों के लिए कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि भागे हुए सियारों के बाड़े के पीछे की बाड़ में एक छेद का फायदा उठाने का संदेह है। उन्हें ढूंढने और सुरक्षित करने के लिए चिड़ियाघर की टीमों को पूरे वन क्षेत्र में तैनात किया गया है। सियारों का बाड़ा ऊंची तार की जाली से घिरा हुआ है और इसमें बिल, छायादार क्षेत्र और एक आश्रय स्थल भी शामिल है। अधिकारी ने बताया कि जिस हिस्से में दरार आई थी, उसकी अब जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि जानवर अंदर कैसे घुस आए। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि शुरुआती आकलन से पता चलता है कि सियार पर्यटकों के रास्ते की ओर नहीं बढ़े हैं और संभवतः अभी भी चिड़ियाघर परिसर के भीतर ही हैं।

विजिलेंस ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

बटाला नगर निगम आयुक्त रिश्वत लेते गिरफ्तार

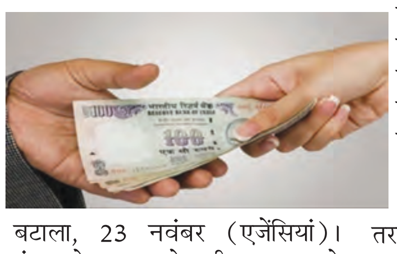

बटाला, 23 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के बटाला से बड़ी खबर सामने आई है। यहां सतर्कता ब्यूरो ने नगर निगम के आयुक्त विक्रमजीत सिंह पैंथे को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। नगर निगम आयुक्त की गिरफ्तारी के बाद प्रशासनिक हमले में हलचल मच गई। बाद में उनके आवास की तलाशी के दौरान 13.50 लाख रुपये की बेनामी रकम बरामद हुई। ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता को नगर निगम में सड़कों की मरम्मत का ठेका मिला था, जिसके भुगतान के लिए 3,72,852 रुपये के दो बिल जमा किए गए थे। शिकायतकर्ता ने कमिश्नर से मुलाकात की, जिन्होंने बिल पास करने के लिए 10 प्रतिशत कमीशन देने को कहा। कमिश्नर ने बताया कि शिकायतकर्ता ने बटाला शहर में एक लाइट एंड साउंड शो समेत कुछ अन्य काम भी किए थे, जिसका 1,81,543 रुपये का बिल बकाया था। ब्यूरो प्रवक्ता ने बताया कि इस तरह कुल लगभग 5,54,395 रुपये का भुगतान बकाया था।

ब्यूरो प्रवक्ता ने बताया कि इन बिलों के भुगतान के संबंध में वह एसडीओ रोहित उप्पल से मुलाकात की, जिन्होंने कहा कि कमिश्नर के आदेशों का पालन करना होगा और शिकायतकर्ता को राशि जारी करने के लिए रिश्वत के रूप में 9 प्रतिशत कमीशन देना होगा। लेकिन शिकायतकर्ता रिश्वत देकर अपना काम नहीं करवाना चाहता था।शिकायतकर्ता ने इस मामले को शिकायत सतर्कता ब्यूरो से की। शिकायतकर्ता की सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सतर्कता ब्यूरो ने गुरदासपुर स्थित अपने कार्यालय में उसका बयान दर्ज किया।

बीपीओ के चार मैनेजर अगवा 8.90 लाख की फिरौती भी मांगी; पुलिस ने आठ आरोपियों को किया गिरफ्तार

बंगलूरू, 23 नवंबर (एजेंसियां)। बंगलूरू से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां एक बड़े बीपीओ कंपनी के चार मैनेजर-स्तरीय कर्मचारियों को कथित रूप से आठ लोगों ने अगवा कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर साइबर क्राइम की जांच का बहाना बनाया और मैनेजरों से पैसे की मांग की। इतना ही नहीं मामले में ऑपरेशंस मैनेजर से 8.90 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए गए। बता दें कि घटना रात को कोरमंगला पुलिस क्षेत्र में हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने मैनेजरों को कोलार जिले के मलुर में रखा और नकद में और ऑनलाइन पैसे देने की धमकी दी।

बीपीओ कर्मचारियों ने सुबह 4.30 बजे 112 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने तुरंत चार टीमें बनाकर आरोपियों का पीछा किया। कार्रवाई में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और दो वाहन जब्त किए गए।

मनोज सिन्हा से मिले बीजेपी विधायक

एसएमवीडीआईएमई की पहली एडमिशन लिस्ट रद्द करने की मांग

जम्मू, 23 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू में एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब बीजेपी के विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मिलने राजभवन पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने रियासी जिले में स्थित श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस द्वारा जारी पहली एमबीबीएस एडमिशन लिस्ट को रद्द करने की मांग की है। बीजेपी विधायक और जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एलजी के सामने यह मुद्दा उठाया। प्रतिनिधिमंडल का आरोप है कि चयन सूची में दाखिला पाने वाले 41 छात्र एक ही समुदाय से आते हैं।

विधायक दल के अनुसार यह चयन प्रक्रिया संदेह के दायरे में है और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जानकारी के अनुसार, विधायकों ने कहा कि यह संस्थान माता वैष्णो देवी की आस्था से जुड़ा है और यहां श्राइन बोर्ड द्वारा भक्तों से मिलने वाले दान का उपयोग होता है। ऐसे में प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और धार्मिक आस्था का सम्मान करने वाली होनी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से अनुरोध किया कि माता में आस्था रखने वाले छात्रों को भी प्रवेश में प्राथमिकता दी जाए।

विधायकों ने एलजी को सौंपा ज्ञापन

राजभवन द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस बैठक में सुनील शर्मा के साथ विधायक शाम लाल शर्मा, सुरजीत सिंह सलाथिया, देवेंद्र कुमार मन्याल और रणबीर सिंह पठानिया भी शामिल हुए। एलजी से मुलाकात के दौरान विधायकों ने प्रवेश प्रक्रिया की संपूर्ण समीक्षा की मांग उठाई। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सुनील शर्मा ने कहा कि एसएमवीडीआईएमई की पहली प्रवेश सूची में असामान्य स्थिति देखने को मिली है। अधिकांश सीटें एक विशेष समुदाय के छात्रों को दी गई हैं, जिससे दूसरे समुदायों के छात्रों के साथ भेदभाव हुआ प्रतीत होता है।

50 सीटों पर पहले बैच को लेकर विवाद

गौरतलब है कि एसएमवीडीआईएमई को इस वर्ष 50 एमबीबीएस सीटों की मंजूरी मिली है। वर्ष 2025–26 के पहले बैच के लिए जारी सूची में 41 छात्रों का एक ही समुदाय से होने का दावा किया गया है। इससे जुड़े कुछ दक्षिणपंथी संगठनों ने भी प्रवेश प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 24 नवंबर, 2025

सुविचार

यह मत मानिए की जित ही सब कुछ है, महत्वपूर्ण यह है की आप किस उद्देश्य के लिए जितना चाहते है!

ग्लोबल समिट की तैयारियों का मुख्यमंत्री ने लिया जायजा

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आगामी 8 और 9 दिसंबर को फ्यूचर सिटी में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित ग्लोबल समिट की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को फूलप्रूफ व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समिट स्थल का निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री ने सुरक्षा इंतजामों की विस्तार से समीक्षा की और विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल होने वाले वीवीआईपी अतिथियों एवं विभिन्न देशों के राजदूतों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि समिट स्थल में बिना पास किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समिट से असंबंधित किसी भी व्यक्ति को किसी भी हालत में अंदर न जाने दिया जाए तथा विभागवार अधिकारियों की सूची पहले से तैयार रखी जाए। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि वे तैयारियों की नियमित समीक्षा करेंगे। उन्होंने पुलिस विभाग को उच्चस्तरीय सुरक्षा प्रबंध करने के विशेष निर्देश दिए और यह भी कहा कि ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि वे बिना किसी कठिनाई के अपना कार्य कर सकें। मुख्यमंत्री ने पार्किंग व्यवस्था और मीडिया कवरेज के लिए किए जा रहे विशेष इंतजामों की भी जानकारी ली और अधिकारियों को सभी सुविधाएं बेहतर तरीके से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

अयोग्यता मामले में जवाब देने के लिए विधायक दानम नागेंदर ने मांगा अतिरिक्त समय

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद के दलबदलू विधायक दानम नागेंदर ने अयोग्यता याचिका पर जवाब देने के लिए और समय देने की अपील विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार से की है। अध्यक्ष ने नागेंदर और स्टेशन घनपुर के विधायक काडियम श्रीहरि को नोटिस जारी कर 23 नवंबर तक उपस्थित होकर याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया था। बीआरएस द्वारा दायर अयोग्यता याचिका पर आठ अन्य विधायकों ने पहले ही अपने हलफनामे जमा कर दिए हैं। दोनों विधायकों ने समय बढ़ाने की मांग की है। श्रीहरि ने शुक्रवार को अध्यक्ष से मुलाकात कर अतिरिक्त समय मांगा, जबकि नागेंदर ने रविवार को लिखित आवेदन देकर समय विस्तार का अनुरोध किया। बताया जाता है कि नागेंदर ने इसके पहले दिल्ली में कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की थी। अभी स्पष्ट नहीं है कि अध्यक्ष उनकी मांग स्वीकार करेंगे या नहीं। उधर, सुप्रीम कोर्ट ने अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने में देरी पर आपत्ति जताते हुए स्पीकर को अवमानना नोटिस जारी किया है और एक हफ्ते के भीतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जानकारी के अनुसार, अध्यक्ष कानूनी राय लेने के बाद ही निर्णय देंगे।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के आईटी, उद्योग एवं जिला प्रभारी मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए उन्हें समाज में उच्च स्थान दिलाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

वे रविवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित 'इंदिरा महिला शक्ति साड़ी वितरण' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। मंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती के अवसर पर राज्यभर में लगभग एक करोड़ महिलाओं को साड़ियां प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

इस कार्यक्रम के तहत महिला महासंघों की सदस्याओं और 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाली सभी युवतियों को मॉडल साड़ियां वितरित की जा रही हैं। उन्होंने ग्राम एवं मंडल महासंघों से सटीक वितरण सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार महिला समूहों को चावल मिलें, सोलर प्लांट, कैंटीन, पेट्रोल पंप, बस सेवाएं आदि व्यवसायों में सहयोग दे रही है ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। इसके साथ ही महिलाओं के लिए मुफ़्त बस यात्रा, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और उत्तम चावल वितरण जैसी कल्याणकारी योजनाएं भी लागू की जा रही हैं। सरकारी मुख्य सचेतक पटनम महेंद्र रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार सौर ऊर्जा संयंत्रों के संचालन, आरटीसी बसों के प्रबंधन और धान खरीद केंद्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर रही है, जिससे उनका आर्थिक उत्थान हो सके। कार्यक्रम में मंत्री श्रीधर बाबू ने महिला महासंघों से जुड़ी महिलाओं को इंदिराम्मा साड़ियां वितरित कीं। इस अवसर पर उन्होंने जीवन ज्योति जिला महिला महासंघ को 6 करोड़ 34 लाख 68 हजार रुपये का चेक सौंपा। कार्यक्रम में टीयूएफआईडीसी अध्यक्ष चल्ला नरसिम्हा रेड्डी, किसान कल्याण आयोग अध्यक्ष कोदंडा रेड्डी, विधायक मलरेड्डी रंगारेड्डी, वीरलापल्ली शंकर, आर एंड बी अध्यक्ष माल रेड्डी राम रेड्डी, एएमसी अध्यक्ष चिलुका मधुसूदन रेड्डी, जिला अतिरिक्त कलेक्टर श्रीनिवास, डीआरडीओ श्रीलता, ड्वाक्रा महिला समूहों की सदस्याएं एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी संदेशों से सावधान रहें, जल कनेक्शन काटने की धमकी झूठी

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) ने उपभोक्ताओं को चेतावनी देते हुए कहा है कि कुछ अज्ञात लोग फर्जी संदेश भेजकर पानी के बिल का भुगतान न करने पर जल कनेक्शन काटने की धमकी दे रहे हैं। जल बोर्ड ने बताया कि ये संदेश अलग-अलग मोबाइल नंबरों से भेजे जा रहे हैं और अधिक जानकारी के लिए किसी अन्य नंबर पर संपर्क करने को कहा जाता है। संपर्क करने पर व्हाट्सएप के जरिए एक एपीके फ़ाइल भेजी जाती है, जिसे डाउनलोड करने की सलाह दी जाती है।

एचएमडब्ल्यूएसएसबी के प्रबंध निदेशक के. अशोक रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे संदेश और ऐप पूरी तरह फर्जी हैं और जल बोर्ड की ओर से जारी नहीं किए गए हैं।

उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि वे ऐसे संदेशों का जवाब न दें, दिए गए नंबरों पर कॉल न करें और किसी भी एपीके फाइल को डाउनलोड न करें। उन्होंने कहा कि बोर्ड की सभी आधिकारिक सूचनाएं केवल आधिकारिक माध्यमों-अखबार, टीवी और बोर्ड के आधिकारिक नंबरों के जरिए-ही जारी की जाती हैं। किसी भी समस्या या सेवा से संबंधित जानकारी के लिए उपभोक्ताओं से ग्राहक सेवा नंबर 155313 पर संपर्क करने की अपील की गई।

इलाज में देरी से 7वीं कक्षा के छात्र की मौत

परिजनों ने अस्पतालों पर लापरवाही का आरोप लगाया

महबूबनगर, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सातवीं कक्षा के एक छात्र की 24 घंटे में तीन सरकारी अस्पतालों में भर्ती किए जाने के बाद मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि बीमारी का सही पता लगाने में देरी और समय पर इलाज न मिलने से बच्चे की जान गई। वानापर्थी के पेब्बैर निवासी 11 वर्षीय चेगुवीरा बालानगर स्थित सरकारी आवासीय विद्यालय में पढ़ता था। 12 नवंबर को घर आने पर उसने तबीयत खराब होने की शिकायत की, जिसके बाद माता-पिता उसे डॉक्टर के पास ले गए जहां दवाएं दी गईं।

स्थिति बिगड़ने पर उसे वानापर्थी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने डेंगू का संदेह बताते हुए इलाज शुरू किया। यकीन न होने पर माता-पिता उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां निमोनिया बताया गया और हैदराबाद के नीलोफर अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिजन उसे महबूबनगर सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताकर नीलोफर भेजने को कहा। लगातार तीन अस्पतालों में ले जाने के बाद शनिवार तड़के नीलोफर अस्पताल में छात्र की मौत हो गई। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग अब मामले की जांच कर रहे हैं।

कंपनी में निवेश के नाम पर दंपति ने की 23 करोड़ की ठगी, गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सीसीएस पुलिस ने शनिवार को एक दंपति को गिरफ्तार किया, जिन्होंने एक कंपनी में निवेश पर भारी मुनाफे का लालच देकर लोगों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वुप्पलापति सतीश कुमार और उनकी पत्नी शिल्पा बांडा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सतीश और शिल्पा ने एक कंपनी बनाकर लोगों को निवेश करने के लिए प्रलोभन दिया और अधिक मुनाफे का वादा किया। शहर के एक डॉक्टर सहित कई लोगों ने भरोसा कर बड़ी धनराशि निवेश की, लेकिन लोगों से पैसा इकट्ठा करने के बाद दंपति फरार हो गया। आरोप है कि दंपति ने कई फर्जी कंपनियां बनाईं और जनता से 23 करोड़ रुपये की ठगी की। पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस की विशेष टीम ने कर्नाटक से सतीश और शिल्पा को गिरफ्तार कर शहर ले आई।

शब्बीर अली ने सीएम रेवंत रेड्डी को दिया धन्यवाद

उमराह तीर्थयात्रियों की दुर्घटना मामले में हुई थी प्रभावी व्यवस्था

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने रविवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को सऊदी अरब के मदीना में हुई बस दुर्घटना में 45 हैदराबाद तीर्थयात्रियों की मौत के बाद तुरंत और संवेदनशील तरीके से कदम उठाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने तुरंत निर्णय लिए, कई एजेंसियों से समन्वय किया और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई। यह दुखद हादसा एक सप्ताह पहले हुआ था, जब उमराह करने वाले तीर्थयात्री मक्का से मदीना जा रहे थे। तेल भरे टैंकर से टकराने के कारण बस में सवार सभी 45 यात्री, जो हैदराबाद के रहने वाले थे, की मौत हो गई।

शब्बीर अली ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही सीएम रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को हज हाउस में बैठक के लिए बुलाया और स्थिति की समीक्षा की। परिवारों से चर्चा के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि तीर्थयात्रियों को पवित्र भूमि मदीना में दफनाया जाए। सभी परिवारों ने मस्जिद-ए-नबवी के पास स्थित पवित्र जन्नत-उल-बकी कब्रिस्तान में दफनाने के निर्णय का समर्थन किया।

मुख्यमंत्री ने उसी दिन कैबिनेट बैठक में तीन महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिसमें प्रत्येक मृतक के दो परिजनों को सऊदी भेजने की व्यवस्था की गई ताकि पहचान और डीएनए प्रक्रिया में सहायता मिल सके। यात्रा, पासपोर्ट और वीज़ा की पूरी लागत राज्य सरकार ने वहन की और सारी प्रक्रिया 24 घंटे में पूरी की गई। प्रत्येक मृतक के परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की गई।

सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल सऊदी भेजा गया और केंद्र सरकार ने भी पूरी मदद की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्वयं सीएम से बात कर सहयोग का आश्वासन दिया। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस.ए. नजीर के नेतृत्व में केंद्र की ओर से भी प्रतिनिधिमंडल भेजा गया। शब्बीर अली ने बताया कि सभी मृतकों की नमाज़े जनाज़ा मस्जिद-ए-नबवी में ज़ुहर के बाद अदा की गई और जन्नत-उल-बकी में दफनाया गया। उन्होंने राज्य सरकार, केंद्र सरकार और सऊदी अधिकारियों के समन्वय की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार पीड़ित परिवारों के संपर्क में रही और उन्हें हर जानकारी समय पर उपलब्ध कराती रही। राज्य सरकार के सलाहकार के रूप में शब्बीर अली ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, भारत सरकार, सऊदी सरकार और मुस्लिम समुदाय को सहयोग और संवेदना के लिए धन्यवाद दिया।

ग्रेटर हैदराबाद के विकास पर विशेष ध्यान : डिप्टी मेयर

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर के दिशा-निर्देश पर ग्रेटर हैदराबाद की डिप्टी मेयर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी ने शहर में सड़क व्यवस्था, ट्रैफिक जाम और अन्य सार्वजनिक समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान देते हुए सक्रिय पहल शुरू की है। डिप्टी मेयर ने जीएचएमसी अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी डिवीजनों में सड़क विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाए और जहां भी टूटी सड़कें, ट्रैफिक की समस्या, जल निकासी की दिक्कत या स्ट्रीटलाइट खराब हैं, वहां तुरंत कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुना जाए और लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। श्रीलता ने नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल की अपील की, ताकि विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ सकें।

टीआईएमएस अस्पताल निर्माण में तेजी लाने की मांग : हरीश राव

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने सरकार से मांग की कि संथानगर टीआईएमएस (तेलंगाना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) अस्पताल को जल्द से जल्द पूरा कर शुरू किया जाए। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार ने 23 अक्टूबर को घोषणा की थी कि एक महीने के भीतर मरीजों के लिए सेवाएं शुरू होंगी, लेकिन एक महीना पूरा हो गया है और अस्पताल अभी भी शुरू नहीं हो पाया।

हरीश राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से सवाल किया कि क्या टीआईएमएस आज शुरू होगा या फिर से तारीख आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केवल उद्घाटन की तारीखें बदलने में लगे हैं और पिछले दो वर्षों से अस्पतालों के निर्माण को पूरा करने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि सरकार का सरकारी भूमि बेचने पर ध्यान है, लेकिन जनता को इलाज देने वाले अस्पतालों पर ध्यान नहीं देना शर्मनाक है। उन्होंने संथानगर, अलवाल और एलबी नगर में टीआईएमएस अस्पतालों के निर्माण में देरी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इतनी धीमी गति तो घोंघा भी सहन नहीं करेगा।

हरीश राव ने कहा कि अधूरे अस्पताल साबित करते हैं कि कांग्रेस नेताओं के बोल तो किले पार कर जाते हैं, लेकिन उनके काम घर की देहलीज भी पार नहीं कर पाते। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों का इलाज रोककर और निर्माण कार्य पूरा न करके सरकार अपराध कर रही है। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद केसीआर ने दूरदर्शिता दिखाते हुए हैदराबाद में कई जगह टीआईएमएस अस्पतालों की योजना बनाई थी और 26 अप्रैल 2022 को तीन मल्टीस्पेशियलिटी सरकारी अस्पतालों का एक ही दिन में शिलान्यास कर ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया गया। बीआरएस शासन में तेजी से चल रहे निर्माण कार्य कांग्रेस सरकार आने के बाद धीमे पड़ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी जानबूझकर काम रोक रहे हैं ताकि श्रेय केसीआर को न मिले। हरीश राव ने मांग की कि राजनीतिक विवाद छोड़कर टीआईएमएस अस्पतालों का काम युद्ध स्तर पर पूरा किया जाए और जनता को तुरंत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

मनैर नदी पर बना 19 करोड़ का चेकडैम ढहा

कारणों को लेकर अटकलें तेज

पेद्दपल्ली, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ओडेला मंडल के गुम्पुला के पास मनैर नदी पर बना चेकडैम संदिग्ध परिस्थितियों में ढह गया, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता और अटकलें बढ़ गई हैं। कुछ लोगों का आरोप है कि रेत माफिया ने जानबूझकर इस संरचना को नुकसान पहुंचाया, जबकि कुछ लोग इसे नदी में तेज बहाव का परिणाम बता रहे हैं। हरित अधिकरण के निर्देशों के बाद मनैर नदी में रेत उत्खनन पर रोक लगी थी, जिससे लोगों को शक है कि रेत खनन फिर शुरू करवाने के लिए यह साजिश रची गई।

स्थानीय निवासियों का सवाल है कि भारी बारिश के दौरान भी सुरक्षित रहे चेकडैम के अचानक ढहने का कारण सिर्फ पानी का बहाव कैसे हो सकता है। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि भारी बारिश से हुए रिसाव के चलते बांध कमजोर होकर टूट गया। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक डी. मनोहर रेड्डी ने स्थल का निरीक्षण कर सरकार से उच्चस्तरीय जांच की मांग की। इस चेकडैम का निर्माण 2022 में पिछली बीआरएस सरकार द्वारा 19 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था और इससे गुम्पुला, पोचमपल्ली, गंद्रपल्ली और थानुगुला की लगभग 2,000 एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई होती थी।

धान की पराली जलाते समय विकलांग किसान जिंदा जला

मेदक, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पापन्नापेट मंडल के पोडिचेनपल्ली गांव में शनिवार शाम दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें अपने खेत में धान की पराली जलाते समय एक शारीरिक रूप से विकलांग किसान आग की लपटों में घिरकर जिंदा जल गया। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है। पुलिस के अनुसार, 47 वर्षीय बागुदम नरसिम्हुलु अपनी पत्नी सुलोचना के साथ खेत में धान कटाई के बाद बचे अवशेषों को जलाने गया था। नरसिम्हुलु शारीरिक रूप से विकलांग था और तेज़ी से चल नहीं पाता था। खेत में आग लगाते समय अचानक तेज़ हवा चलने से आग तेजी से फैल गई और वह लपटों के बीच फंस गया। उसकी पत्नी सुलोचना ने चिल्लाकर पास के खेतों में काम कर रहे किसानों से मदद मांगी, लेकिन जब तक लोग मौके पर पहुंचे, तब तक नरसिम्हुलु पूरी तरह आग की चपेट में आ चुका था और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अनुबंध सहायक प्रोफेसरों ने की नौकरी सुरक्षा और समान वेतन की मांग

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के विभिन्न विश्वविद्यालयों में अनुबंध पर कार्यरत 1,200 से अधिक सहायक प्रोफेसरों ने नौकरी सुरक्षा, समान काम के लिए समान वेतन और यूजीसी वेतनमान लागू करने की मांग की है। शनिवार को आयोजित गोलमेज सम्मेलन में तेलंगाना विश्वविद्यालय अनुबंध सहायक प्रोफेसर जेएसी के अध्यक्ष डॉ. परशुराम ने पुस्तिका जारी करते हुए सरकार से सभी 12 विश्वविद्यालयों के अनुबंध शिक्षकों को नियमित करने की अपील की। शिक्षकों ने मांग की कि संविदा शिक्षकों की संख्या के बराबर पदों को सीधी भर्ती प्रक्रिया से बाहर रखा जाए और महिला शिक्षकों को 180 दिन का सवेतन मातृत्व अवकाश, चिकित्सा अवकाश और 20 दिन का आकस्मिक अवकाश दिया जाए।

अन्य प्रमुख मांगों में 12 महीने का वेतन, 25 लाख रुपये का सेवानिवृत्ति लाभ, स्वास्थ्य कार्ड, स्व-वित्त और गैर-बजट पाठ्यक्रमों को नियमित पाठ्यक्रम में बदलना और कॉलेजों के बजाय विश्वविद्यालयों से वेतन भुगतान शामिल है।

गुरु गोबिंद सिंह जी की 350वीं गुरता गद्दी पर भव्य श्रद्धा समारोह आयोजित

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित गुरुद्वारा साहिब सीताफलमंडी की प्रबंधक समिति ने तेलंगाना के सभी गुरुद्वारों के सहयोग से गुरु गोबिंद सिंह जी की 350वीं गुरता गद्दी के उपलक्ष्य में भव्य सामूहिक कीर्तन दरबार का आयोजन किया। यह वह ऐतिहासिक दिवस है जब दसवें सिख गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को औपचारिक रूप से गुरुगद्दी प्रदान की गई थी। यह कार्यक्रम चिलकलगुड़ा, सिताफलमंडी स्थित नगरपालिका मैदान में आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ-साथ विभिन्न धर्मों के लोग भी शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, शांति और साम्प्रदायिक सौहार्द का वातावरण देखने को मिला।

यह आयोजन श्री गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ सप्ताह (23 से 30 नवंबर) का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। गुरु तेग बहादुर जी को मानवता की रक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता और उत्पीड़ितों के अधिकारों के लिए अपने सर्वोच्च बलिदान के कारण पूरी दुनिया में सम्मानित किया जाता है। इस स्मृति सप्ताह में नगर कीर्तन और विशाल कीर्तन दरबारों का आयोजन किया जा रहा है। संगत ने उत्साहपूर्वक श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के आगे श्रद्धा से नतमस्तक होकर गुरबाणी कीर्तन का आनंद लिया और गुरु का लंगर ग्रहण किया। पूरा स्थल आध्यात्मिक भावना और एकता के संदेश से गूंज उठा।

प्रचारकों ने सिख धर्म की सार्वभौमिक शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए सत्य, करुणा, समानता, भाईचारा और शांति का संदेश दिया, जैसा कि गुरु नानक देव जी और सभी सिख गुरुओं ने सिखाया है। समारोह के अंत में गुरु का लंगर परोसा गया, जिसमें सभी लोग पंक्तियों में बैठकर भोजन ग्रहण करते हैं, जो समानता और भाईचारे का प्रतीक है-और यही सिख दर्शन की मूल भावना है।

डॉ. रेड्डी ने की मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद के अमूल्य योगदान की सराहना

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ.जी. चिन्ना रेड्डी ने मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद के भारत की स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को अमूल्य बताया। वे रविवार को टोलिचौकी में तेलंगाना ऑल माइनॉरिटी एम्प्लॉईज़ एंड वर्कर्स एसोसिएशन (एमईडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित स्मृति कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मौलाना आज़ाद ने दांडी सत्याग्रह के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण नेतृत्व किया।

ठगी से सावधान रहें : अपनाएं सुरक्षित तरीके

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर ठगों से बचने के लिए कुछ जरूरी सावधानियां अपनाएं। ठग अक्सर खुद को बैंक अधिकारी बताकर फोन करते हैं। ऐसे में कभी भी अपना ओटीपी, पिन, सीवीवी, डेबिट या क्रेडिट कार्ड की जानकारी किसी के साथ साझा न करें। किसी भी फोन कॉल पर बैंक खाता, कार्ड विवरण या अन्य निजी जानकारी न दें। पुरस्कार, लॉटरी, गिफ्ट या केवाईसी अपडेट के नाम पर मांगी जा रही जानकारी पर बिल्कुल भरोसा न करें। हमेशा बैंक या संस्था के आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कस्टमर केयर नंबर का ही इस्तेमाल करें। अगर कोई कॉल करने वाला दबाव बनाए या डराने की कोशिश करे, तो तुरंत फोन काट दें। संदिग्ध कॉल की जानकारी अपने बैंक और संबंधित विभाग को जरूर दें।

श्रावस्ती में पूर्व प्रधान और पत्नी के शव मिले

श्रावस्ती, 23 नवंबर (एजेंसियां)। श्रावस्ती में पूर्व प्रधान और उनकी पत्नी के शव मिलने से सनसनी फैल गई। मोहम्मद रोशन (80) का शव घर के अंदर फर्श पर पड़ा मिला। उनकी नाक से खून बह रहा था। वहीं, पत्नी वसीला (60) का शव घर से बाहर करीब 50 कदम की दूरी पर झाड़ियों में मिला। उनकी आंखों पर चोट के निशान थे। उससे खून बह रहा था। पति-पत्नी पिछले कई साल से अकेले रह रहे थे। उनके दोनों बेटे गुड्डू और पुल्लु घर से महज 100 मीटर की दूरी पर रहते थे। बड़ा बेटा सुबह नमाज के लिए जा रहा था तो घर के बाहर मां का लहूलुहान शव देखा।

घर के अंदर गया तो पिता भी मृत पड़े मिले। सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाए। बेटे ने बताया- गांव के कुछ लोगों से सालों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। परिजनों ने दोनों की हत्या की आशंका जताई है। पुलिस के मुताबिक, हर एंगल से मामले की जांच की जा रही है।

एसआईआर हल्के में लिया तो टिकट गया समझो

अखिलेश यादव ने पार्टी नेताओं को दी चेतावनी, बिहार नतीजों के बाद आखिर क्यों बढ़ी टेंशन?

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को सीरियस ना लेने वाले पार्टी नेताओं को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जो नेता इस प्रक्रिया को गंभीरता से नहीं ले रहे, उनका टिकट कटना तय है। अखिलेश यादव ने यह भी निर्देश दिया कि जब तक एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, किसी भी अन्य जिले का नेता लखनऊ में घूमता हुआ नहीं दिखना चाहिए, अन्यथा पार्टी उसके टिकट पर विचार ही नहीं करेगी। अखिलेश यादव ने आखिर क्यों यह आक्रामक रुख अपना? इसका जवाब पार्टी की हालिया रणनीति और बिहार चुनाव के नतीजों से जुड़ा है।

बिहार नतीजों के बाद बदली रणनीति

दरअसल, बिहार चुनाव परिणामों ने समाजवादी पार्टी को सतर्क कर दिया है। भीतर की बैठकों में अखिलेश यादव ने नेताओं को एसआईआर पर ध्यान न देने के लिए खरी-खोटी भी सुनाई, जिससे साफ संकेत मिल रहे है कि वे (अखिलेश यादव) एसआईआर के मुद्दे पर किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त करने के मुड में नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि जो नेता एसआईआर प्रक्रिया में सक्रिय नहीं हैं, उन्हें पार्टी की जिम्मेदारियों से दूर रखा जाएगा और यदि वे टिकट के दावेदार हैं, तो पहले ही मान लें कि उनका टिकट कट चुका है।

यूपी में सपा हुई पूरी तरह से सतर्क

बिहार चुनाव के जो नतीजे सामने आए है, उसके बाद सपा यूपी में पूरी तरह से सर्तक हो चुकी है। बिहार में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान कई सारे आरोप-प्रत्यारोप चुनाव आयोग पर लगे थे। इस बीच, समाजवादी पार्टी भी लगातार यही कह रही है कि एसआईआर प्रक्रिया में समय सीमा को 3 महीने और बढ़ा दिया जाए। समाजवादी पार्टी चाहती है कि इस समय सीमा में उनके लोग लगातार लोगों से संपर्क करके इस प्रक्रिया को और सरल बना लेंगे।

एसआईआर प्रक्रिया में कम समय कई जगह फॉर्म तक नहीं पहुंचे

पार्टी लगातार यह भी कह रही है कि एसआईआर के लिए तय समय बहुत कम है और कई क्षेत्रों में अभी तक फॉर्म भी नहीं पहुंचे हैं। इसलिए सपा ने चुनाव आयोग से समय सीमा को तीन महीने बढ़ाने की मांग की है ताकि कार्यकर्ता अधिक प्रभावी रूप से लोगों तक पहुंच सकें।

यह करो या मरो वाली स्थिति

पार्टी प्रवक्ता फखरूल हसन के अनुसार, यह प्रक्रिया सपा के लिए बिल्कुल 'करो या मरो' की स्थिति की तरह है। सपा नहीं चाहती कि एसआईआर की खामियों या समय की कमी के कारण उसके समर्थकों के वोट प्रभावित हों। अखिलेश यादव का सख्त रुख यह भी संकेत देता है कि वे पार्टी में नई ऊर्जा लाना चाहते हैं और जो पदाधिकारी सक्रिय नहीं हैं, यह उनके लिए एक सीधा अल्टीमेटम है।

कांग्रेस के 'करप्शन पोस्टर' पर इंडिया गठबंधन में दरार

अखिलेश यादव के करीबी ने उठाए सवाल

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ पत्र लिखने वाले 272 पूर्व अधिकारियों के खिलाफ कांग्रेस ने जो भ्रष्टाचार के आरोप पर मुहिम शुरू की थी। उसमें अब इंडिया गठबंधन के बीच मतभेद उजागर हो रहे हैं। कांग्रेस द्वारा जारी एक पोस्टर में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव दीपक सिंघल पर गोमती रिवर फ्रंट में 1500 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया गया था। जिस पर सपा व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल ने आपत्ति जताई है और कांग्रेस को फैक्ट्स चेक करने की सलाह दी है।

कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट अधिकारियों के पोस्टर पर जबाव देते हुए जगन ने कहा कि रिवर फ्रंट कोई घोटाला नहीं बल्कि एक मॉडल है। कांग्रेस को को दीपक सिंघल के खिलाफ कोई और मसाला ढूंढना चाहिए।

मनीष जगन अग्रवाल का पोस्ट

सपा नेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कांग्रेस को जबाव देते हुए पोस्ट किया कि - कांग्रेस के लोगों को पता होना चाहिए कि रिवर फ्रंट कोई घोटाला नहीं है। गोमती नदी सफाई और रिवर फ्रंट एक मॉडल है जिससे देश की कोई भी नदी साफ होगी और सुंदरता बढ़ेगी। दीपक सिंघल पर आरोप लगाने के लिए आपको कोई और मसाला खोजना चाहिए।

रिवर फ्रंट बेदाग है और देश के सामने नदी सफाई एक बेहतरीन मॉडल है। भविष्य में भी कोई नदी सफाई करके यदि नदी के किनारे पर कोई स्थान डेवलप किया जा सकता है और सौंदर्य तथा नदी सफाई का एक मॉडल बनाया जा सकता है तो वो सिर्फ लखनऊ का रिवर फ्रंट ही है। कांग्रेस पार्टी को रिसर्च करके मुद्दे उठाने चाहिए ये सलाह है।

कांग्रेस ने भ्रष्ट अधिकारियों का पोस्टर जारी किया था

दरअसल कांग्रेस ने राहुल गांधी पर जिन 272 पूर्व अधिकारियों ने आरोप लगाए थे, पार्टी अब उनके भ्रष्टाचार की कुंडली सहित उनकी घेराबंदी कर रही है, एक अधिकारी दीपक सिंघल भी उनमें से हैं,जिन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ चिट्ठी पर दस्तखत किए हैं।

कभी तो हिंदुस्तान की राजनीति में बदलाव आएगा

आखिर ऐसा क्यों बोले संभल सदर विधायक इकबाल महमूद?

संभल, 23 नवंबर (एजेंसियां)। सदर विधायक इकबाल महमूद ने फिर एक बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि कभी न कभी तो हिंदुस्तान की राजनीति में बदलाव आएगा। बोले, भाजपा हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करती है। वह एक वर्ग को खुश करने के लिए ऐसा करती है। जबकि मुस्लिम इस देश का राष्ट्रभक्त है, था और रहेगा। दिल्ली में हुए विस्फोट पर बोले सदर विधायक-हर मुस्लिम गलत नहीं, कुछ हैं दहशतगर्द आवास पर उन्होंने मीडिया से कहा कि दिल्ली में हुए विस्फोट में मुस्लिमों की बदनामी हुई है। कुछ दहशतगर्दी फैलाने वाले मुस्लिम भी हैं लेकिन, सभी नहीं हैं। मुस्लिम देशभक्त है, था और आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा सिर्फ भय फैलाने के लिए उछाला जा रहा है। जबकि देश में रहने वाले मुस्लिम भारत में ही रहेंगे।

विधायक बोले, दिल्ली में जो विस्फोट हुआ। उसमें मुस्लिम डॉक्टर शामिल होने की वजह से पूरा मुस्लिम संप्रदाय बदनाम हुआ है। लेकिन, गलत करने वालों को सजा मिलेगी। क्योंकि भारत देश कमजोर नहीं है। देश के खिलाफ चलने वालों को उसकी सजा जरूर मिलेगी। बोले, भारत में देश वाले मुस्लिम ही रहने चाहिए। विदेश वालों को जाना चाहिए। इसका असर, सिर्फ मुस्लमानों पर ही है और मुसलमान अलर्ट भी है। आखिर में उन्होंने कहा कि कभी न कभी तो हिंदुस्तान की राजनीति में बदलाव आएगा।

रामपुर में पत्नी की हत्या के बाद पति छत पर तमंचा लहराकर करता रहा हंगामा पुलिस ने किया गिरफ्तार

रामपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जिसने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया। थाना सैफनी क्षेत्र के रायपुर मजरा गांव में एक व्यक्ति ने खुलेआम अपनी पत्नी को गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, गोली चलने की आवाज के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना के तुरंत बाद प्रशासनिक अधिकारी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतका शीला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी पति रामवीर ने किसी घरेलू विवाद के चलते अपनी पत्नी को तमंचे से गोली मारी,

"बीजेपी ही यूपी में फिर जीतेगी 2027 का चुनाव"

मुलायम सिंह की बहू का बड़ा दावा

अमेठी, 23 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव ने यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बड़ा दावा किया है। अपर्णा यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में यूपी में में एक बार फिर ''कमल खिलेगा'' और बीजेपी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। बता दें कि अपर्णा यादव, अमेठी में सरदार वल्लभभाई पटेल एकता यात्रा में शामिल होने पहुंची थीं। मीडिया से बातचीत में अपर्णा यादव ने ये बड़ा बयान दिया।

अखिलेश यादव पर अपर्णा का बयान

जब अपर्णा यादव से सपा मुखिया अखिलेश यादव के पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक के गठबंधन के नारे पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, ''मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि 2027 में उत्तर प्रदेश में फिर से कमल खिलेगा और बीजेपी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।''

यूपी में जीत पर अपर्णा का दावा

बीजेपी नेत्री अपर्णा यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश ही नहीं, भारत में जहां-जहां भी चुनाव होंगे वहां कमल खिलने वाला है। हमारे इरादे साफ हैं और भारतीय जनता पार्टी का हर कार्यकर्ता साल के 365 दिन पब्लिक और भारत के लिए काम करता है। हम अपने संकल्प को और मजबूत करेंगे।

बिहार में जीत पर क्या बोलीं अपर्णा यादव?

वहीं, बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत पर उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने महागठबंधन को बढ़िया जवाब दिया है। उन्होंने आगे कहा कि जनता डेवलपमेंट चाहती है और इसी कारण उसने विकास के लिए एनडीए को चुना है।

कौन हैं अपर्णा यादव?

जान लें कि अपर्णा यादव, मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी साधना के बेटे प्रतीक यादव की पत्नी हैं। अपर्णा यादव ने 2022 में सपा छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया था। तभी से वह लगातार बीजेपी के लिए काम कर रही हैं।

लंदन में रह रहा मौलाना यूपी से लेता था सैलरी

आजमगढ़ में 10 साल वेतन लिया, फिर वीआरएस; ज्वाइंट डायरेक्टर समेत 4 सस्पेंड

संतकबीर नगर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटिश मौलाना शमसुल हुदा खान के मामले में यूपी सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के चार अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया। इन अधिकारियों पर ब्रिटेन की नागरिकता लेने वाले मौलाना को वेतन और वीआरएस का लाभ देने का आरोप है। एटीएस जांच में मौलाना का पाकिस्तान कनेक्शन सामने आया है। आरोप है कि उसने विदेशी फंडिंग से मदरसा का संचालन किया और भारत में कट्टरपंथी नेटवर्क को ऑपरेट करने का मॉड्यूल तैयार किया।

संतकबीरनगर का रहने वाला मौलाना, विदेश में बस चुका है। उसके विदेश में रहने की जानकारी के बाद भी अधिकारियों ने वेतन, अवकाश और पेंशन का लाभ दिलाया। सस्पेंड होने वाले अधिकारियों में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक एसएन पांडेय, गाजियाबाद के डीएमओ साहित्य निकष सिंह, बरेली के लालमन, अमेठी के प्रभात कुमार है। ये अधिकारी, आजमगढ़ में पोस्टिंग के दौरान मौलाना को लाभ देने के आरोपी हैं।

ब्रिटेन में रहता था, लेकिन भारत में वेतन ले रहा था

संतकबीरनगर का शमसुल हुदा खान 12 जुलाई 1984 को आजमगढ़ के मदरसा 'दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उलूम' में सहायक अध्यापक नियुक्त हुआ था। वर्ष 2007 में वह ब्रिटेन चला गया। वहां की नागरिकता भी 2013 में हासिल कर ली। ब्रिटिश नागरिकता लेने के बाद भी वह भारत के मदरसे से वेतन लेता रहा। उसने मदरसे से 31 जुलाई 2017 तक वेतन लिया। विभागीय मिलीभगत से उसे अनियमित चिकित्सा अवकाश स्वीकृत होते रहे। लगभग 16 लाख रुपये वेतन उसने अवैध रूप से प्राप्त किए। 2017 में उसे स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) दे दी गई। हद तो यह कि उसके जीपीएफ व पेंशन का लाभ भी विभाग ने दिया।

पाकिस्तान कनेक्शन और कट्टरपंथी लिंक

दरअसल, मौलाना के खिलाफ एटीएस ने भी जांच की। जांच में सामने आया कि मौलाना शमसुल हुदा खान 2007 से ही संदिग्ध गतिविधियों में शामिल था। इस्लामी प्रचार के नाम पर वह पाकिस्तान के कई शहरों में जाता था। वहां के मौलवियों और धार्मिक संगठनों के संपर्क में था। भारत में वह जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेताओं और कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के संपर्क में रहा। आरोप है कि वह 'दावते इस्लाम' नाम की प्रतिबंधित गतिविधि भी चलाता था। विदेशों से मिली फंडिंग का उसने उपयोग और स्रोत छिपाने की कोशिश की। एटीएस के अनुसार, यह पूरा नेटवर्क कट्टरपंथ को बढ़ावा देने का प्रयास था।

दो बार सील हुआ गर्ल्स मदरसा

मौलाना, खलीलाबाद में 'कुलियातुल बनातिर रजबिया' नाम से एक गर्ल्स मदरसा चला रहा था। 2024 में प्रशासन ने पहला मदरसा सील किया। मौलाना ने तुरंत पास की बाउंड्री में उसी नाम से दूसरा मदरसा खोल लिया। 3 नवंबर को दूसरा मदरसा भी सील कर दिया गया। प्रशासन को शक है कि फंडिंग और नेटवर्क इन्हीं संस्थानों से संचालित हो रहे थे। एक मकान में गर्ल्स हॉस्टल भी चला रहा था जिसमें संतकबीरनगर, बस्ती, आजमगढ़ और अन्य प्रांतों की लड़कियां रहती थीं।

सपा नेता ने पूर्व प्रधान के बेटों को गोलियों से भूना

एक की मौत, दूसरे की हालत नाजुक

प्रतापगढ़, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कुंडा कोतवाली क्षेत्र के सरियावां गांव में रात पुरानी रंजिश ने खूनी रूप ले लिया। जमीन और राजनीतिक विवाद को लेकर पूर्व प्रधान मोहम्मद मोअज्जम उर्फ गुड्डु और सपा नेता तनवीर के बीच लंबे समय से तनाव चला आ रहा था। इसी विवाद के चलते रात करीब नौ बजे दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद अचानक फायरिंग शुरू हो गई।

सपा नेता तनवीर गिरफ्तार

गोली लगने से पूर्व प्रधान के बेटे 22 वर्षीय फुरकान और 25 वर्षीय साहिल गंभीर रूप से घायल हो गए। फुरकान को दाहिने सीने में गोली लगी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की मदद से दोनों भाइयों को तत्काल कुंडा सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने फुरकान को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल साहिल को प्राथमिक उपचार के बाद एसआरएन अस्पताल प्रयागराज रेफर कर किया गया है।

सपा नेता समेत दो लोग गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही एएसपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर दो आरोपियों सपा नेता तनवीर और शाहबाज को गिरफ्तार कर मौके से राइफल बरामद किया है। फायरिंग के बाद इलाके में चौकसी बढ़ा दी गई है। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बीजेपी टिकट नहीं देगी तो भी लड़ेंगे

ये किस चुनाव को लेकर बृजभूषण शरण ने कर दिया बड़ा ऐलान

केसरगंज, 23 नवंबर (एजेंसियां)। केसरगंज के पूर्व सांसद और उत्तर प्रदेश की राजनीति में लगातार सुर्खियों में रहने वाले बृजभूषण शरण सिंह ने 2029 लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा राजनीतिक ऐलान कर दिया है। विवादों और राजनीतिक उतार-चढ़ावों के बावजूद उनकी लोकप्रियता को देखते हुए, उन्होंने ने स्पष्ट कहा है कि वह अगला लोकसभा चुनाव हर हाल में लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी टिकट देगी तो भी लड़ेंगे, और नहीं देगी तो पैदल भी चुनाव मैदान में उतरेंगे। उनके इस बयान ने प्रदेश की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है, क्योंकि देवीपाटन मंडल में आज भी उनका जनाधार बेहद मजबूत माना जाता है।

2027 नहीं 2029 की तैयारी चल रही है

बृजभूषण ने कहा कि वह 2027 के वधानसभा चुनाव में कहीं से भी उम्मीदवार नहीं होंगे और न ही इसकी कोई तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका पूरा फोकस अब 2029 के लोकसभा चुनाव पर है। उनके मुताबिक, देवीपाटन मंडल के लोग आज भी उन्हें सांसद के रूप में देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि "मेरे क्षेत्र की जनता मुझे रिटायर नहीं करना चाहती थी। पार्टी ने मेरे बेटे को टिकट दिया, निर्णय मैंने स्वीकार किया। लेकिन जनता आज भी मुझे सांसद के रूप में देखना चाहती है।"बृजभूषण सिंह ने आगे कहा कि "मैंने तय किया है कि 2029 का चुनाव मैं लड़ूंगा। बीजेपी लड़ाएगी तो लड़ेंगे, नहीं लड़ाएगी तो पैदल लड़ेंगे। "उन्होंने यह भी कहा कि जा लोग उनके बयानों को सुनकर यह मानते हैं कि वह समाजवादी पार्टी की ओर झुकाव रखते हैं, वे पूरी तरह गलत हैं।

2024 के चुनाव में क्या हुआ था

2024 लोकसभा चनाव से पहले बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों ने यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए थे। यह मामला लंबे समय तक कोर्ट और मीडिया की सुर्खियों में रहा। इसी विवाद के चलते भाजपा ने 2024 में उनका टिकट काट दिया था और यह टिकट उनके बेटे करण भूषण सिंह को दिया गया था। करण वर्तमान में केसरगंज से भाजपा सांसद हैं।

परिवार पूरा भाजपा में है

बृजभूषण शरण सिंह ने स्पष्ट किया कि उनका भारतीय जनता पार्टी से कोई मतभेद नहीं है और उनकी राजनीतिक विचारधारा पूरी तरह भाजपा के साथ ही जुड़ी है। उन्होंने अपने परिवार के राजनीतिक पदों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका एक बेटा भाजपा से सांसद है, दूसरा बेटा विधायक है, भतीजा ब्लॉक प्रमुख के पद पर है और उनकी पत्नी जिला पंचायत अध्यक्ष रह चुकी हैं। सिंह का कहना है कि उनका परिवार ही नहीं, बल्कि उनकी पूरी टीम और विचारधारा भाजपा की ही है, इसलिए उनके बयानों को किसी अन्य दल के समर्थन के रूप में देखना गलत है।

देवीपाटन में अभी भी मजबूत पकड़

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि देवीपाटन क्षेत्र की जनता आज भी उन्हें सांसद के रूप में देखना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि उनका जनसमर्थन आज भी उतना ही मजबूत है और इसी भरोसे के साथ वह 2029 के चुनाव की तैयारी कर रहे हैं।

98 लाख का सोना लेकर कारीगर फरार

रातों-रात परिवार को लेकर हो गया गायब, सराफा व्यापारियों का हंगामा

मेरठ, 23 नवंबर (एजेंसियां)। देहली गेट थाना क्षेत्र में नील की गली के सराफा व्यापारियों का 770 ग्राम सोना लेकर एक कारीगर फरार हो गया। कारीगर मूल रूप से पश्चिम बंगाल के विक्रमपुर, थाना देवरा और वर्तमान में ब्रह्मपुरी निवासी श्याम सुंदर है। श्याम सुंदर परिवार सहित गया है और यहां किराए का मकान खाली छोड़ गया है। इस घटना के विरोध में व्यापारियों ने देहली गेट थाने पर पहुंचकर रोष जताया और हंगामा किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी कई कारोबारियों का करोड़ों की कीमत का सोना लेकर कारीगर फरार हो चुके हैं। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया। गौरीपुरा निवासी संदीप कुमार की श्रीराम कॉम्प्लेक्स में दुकान है।

उन्होंने 16 नवंबर को कारीगर को 160 ग्राम सोना आभूषण बनाने के लिए दिया था। इसके साथ प्रहलाद नगर निवासी हिमांशु दास का 180 ग्राम, पूर्वा महावीर देहली रोड महमूद अली मंडल का 180.450 ग्राम पूर्वा ताहिर हुसैन रेलवे रोड निवासी एसके बकी का 250 ग्राम सोना भी उसके पास था। इनके अलावा अन्य व्यापारी भी हैं, जो अभी सामने नहीं आए हैं। 770 ग्राम शुद्ध सोने की कीमत करीब 98 लाख रुपये है। कारोबारी के अनुसार कारीगर ने वादा किया था कि चार दिन में ही आभूषण तैयार कर दिए जाएंगे लेकिन 20 नवंबर की रात ही वह किराए का मकान खाली कर चला गया। वह अपने साथ घर का सामान, पत्नी और बेटे को लेकर भी चला गया। शनिवार को जब दुकानदारों ने संपर्क किया तो उसका मोबाइल बंद आया। घटना से आक्रोशित व्यापारी देहली गेट थाने पहुंचे। उन्होंने तहरीर देकर कारीगर का पता लगाकर सोना बरामद कराने और उस पर कार्रवाई की मांग की। देहली गेट पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। एसएसपी डॉ। विपिन ताडा ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। जल्द ही टीम को पश्चिम बंगाल के लिए रवाना किया जाएगा ताकि आरोपी की गिरफ्तारी और सामान भी बरामद किया जा सके।

इस मामले में गृहमंत्री को भेजेंगे पत्र

इस मामले में गृहमंत्री अमित शाह को एक पत्र भेजेंगे। इसमें सराफा व्यापारियों के साथ लगातार हो रही ऐसी घटनाओं का विवरण शामिल किया जाएगा। बताया जाएगा कि पश्चिम बंगाल सरकार और पुलिस प्रशासन की ओर से कोई सहयोग नहीं मिलने के कारण अधिकतर घटनाओं में सोने की बरामदगी नहीं हो पाती है। अधिकतर कारीगर पश्चिम बंगाल में पहुंचने के बाद हाथ ही नहीं आए हैं। इससे असुरक्षा के साथ ही कारोबारियों को बड़ा आर्थिक नुकसान भी हो रहा है।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी का मालिक अपराधी है

अरशद मदनी के बयान पर बीजेपी नेता यासर जिलानी का पलटवार

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रेसिडेंट मौलाना अरशद मदनी के बयान की कड़ी आलोचना की है। दरअसल, मदनी ने भारत में मुसलमानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया था। बीजेपी ने मदनी के बयानों को 'गुमराह करने वाला' बताया है।

खासतौर पर इस समय जब देश में दिल्ली ब्लास्ट को लेकर अल-फलाह यूनिवर्सिटी समेत कई राज्यों में जांच की जा रही बीजेपी। नेता यासर जिलानी ने मदनी के बयान का जवाब देते हुए कहा कि मदनी की टिप्पणियों ने केंद्र सरकार के सबको साथ लेकर चलने वाले प्रयासों को नज़रअंदाज़ किया है। इनका बयान मुस्लिम समुदाय के बीच 'बेवजह भ्रम' पैदा करने की कोशिश मात्र है। मदनी की तरफ से दावा किया गया था कि सरकार यह पक्का कर रही है कि मुसलमान 'कभी सिर न उठाएं'। इस पर जिलानी ने कहा कि मुसलमानों के लिए भारत से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती और न ही हिंदुओं से बेहतर कोई बड़ा भाई हो सकता है।

ये ब्लेम-गेम की पॉलिटिक्स कर रहे हैं

बीजेपी नेता जिलानी ने कहा कि अल-फलाह यूनिवर्सिटी का मालिक एक अपराधी है। आजम खान भी कई अपराधों में शामिल हैं। केंद्र सरकार सबको साथ लेकर चल रही है। उन्हें देश के लोगों में कन्फ्यूजन नहीं फैलाना चाहिए। मदनी ने पहले दावा किया था कि भारत में मुसलमानों को टारगेट किया जा रहा है। विदेशों में नेताओं के टॉप पदों पर पहुंचने के उदाहरण भी दिए थे साथ ही कहा कि जो लोग भारत में ऐसे पद हासिल करते हैं, वे जेल में चले जाते हैं। उनके बयानों पर बीजेपी ने उन पर डर और बंटवारा फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। बीजेपी नेता मोहसिन रजा ने कहा कि मदनी और उनके परिवार ने देश के मुसलमानों को लूटा है और ब्लेम-गेम की पॉलिटिक्स की है। यह उनका दोहरा चरित्र बहुत लंबे समय से रहा है। वे सालों तक मुस्लिम माइनॉरिटीज़ के नाम पर ग्रांट लेते रहे, लेकिन उनके लिए कुछ नहीं किया।

इन्होंने कानून का उल्लंघन किया है

मदनी के भाषण में विरोधाभासों का असर जताते हुए जिलानी ने कहा कि एक तरफ, वह कहते हैं कि दुनिया में मुसलमानों की हालत अच्छी नहीं है और दूसरी तरफ, वह ज़ोहरान ममदानी के न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट बनने की बात करते हैं। उन्होंने लंदन के मेयर सादिक खान का भी ज़िक्र किया और आज़म खान और अल-फ़लाह यूनिवर्सिटी के बारे में भी बात की। बीजेपी नेता जिलानी ने कहा कि आज़म खान और अल-फ़लाह यूनिवर्सिटी के मालिक से जुड़े मामले कानूनी उल्लंघनों से जुड़े थे।

10 साल से दिल्ली में चरस बेच रहा था अफगानी तस्कर, 215.74 ग्राम नशे के साथ दबोचा गया आरोपी

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। लाजपत नगर में एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड की टीम ने 215.74 ग्राम चरस के साथ एक अफगानी ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 215.74 ग्राम चरस बरामद करते हुए परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी भी जब्त की गई। आरोपित 2015 से भारत में बिना वैध वीजा के रह रहा था। दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने बताया कि 21 नवंबर को एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड को सूचना मिली कि एक अफगान नागरिक लाजपत नगर-दो के आई-ब्लॉक, मुख्य बाजार रोड पर मजार रेस्टोरेंट के पास चरस बेचता है। टीम ने उक्त स्थान पर जाल बिछाया। संदिग्ध के मौके पर पहुंचते ही उसे पकड़ लिया गया।

तलाशी में उसके पास 215.74 ग्राम चरस मिली। आरोपित की पहचान नजीब अहमद के रूप में हुई, जो ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित संत नगर में किराए पर रहता है। आरोपित नजीब ने बताया कि वह 2014 में भारत आया था और उसका वीजा 2015 में समाप्त हो गया था।

दुकान में खड़े-खड़े शख्स को आया हार्ट अटैक, हुई मौत

मंड्या, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंड्या जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां दुकान में कपड़े खरीदने गए व्यक्ति को अचानक हार्ट अटैक आ गया। देखते ही देखते दुकान के अंदर ही उसकी मौत हो गई। पूरी घटना दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ गया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि शख्स पहले असहज हुआ और फिर टेबल पर ही गिर गया।

वहीं मौजूद दुकानदार और अन्य लोगों ने उसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। दरअसल, पूरा मामला मंड्या जिले के मलवल्ली तालुक के हलागुर टाउन का बताया जा रहा है। यहां एक व्यक्ति कपड़े खरीदने के लिए दुकान में गया था। इसी दौरान उसे अचानक से हार्ट अटैक आ गया। देखते ही देखते वह कुछ देर तक असहज हुआ और फिर टेबल पर गिर गया। यह देख दुकानदार भी हैरान रह गया। उसने अपने आस-पास मौजूद लोगों को बुलाया, जिसके बाद उसे आनन-फानन में अस्पताल लेकर जाया गया। हालांकि अस्पताल जाने से पहले ही उसकी मौत हो गई थी। मृतक की पहचान एरण्णैया (58) निवासी हुल्लागल गांव के रूप में हुई है।

मंत्री ने जीवनशैली में बदलाव पर दिया जोर

बता दें कि हाल ही में कर्नाटक के मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने जनता से राज्य में दिल के दौरे के मामलों में वृद्धि की खबरों से घबराने की अपील नहीं की थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि नियमित व्यायाम, प्राणायाम, संतुलित आहार, समय पर नींद और तनाव प्रबंधन जैसे प्रमुख निवारक उपाय हृदय रोग के जोखिम को काफी कम कर सकते हैं।

विधान परिषद में कांग्रेस सदस्य दिनेश गूलीगौड़ा के प्रश्न का उत्तर देते हुए, पाटिल ने कहा था कि पिछले वर्षों की तुलना में हृदय संबंधी मामलों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं देखने को मिली। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे छिटपुट घटनाओं से अपने डर को न बढ़ने दें।

'पुलिस बुला रही है' बेंगलुरु की निजी कंपनी के 4 कर्मचारियों का अपहरण 8 किडनैपर गिरफ्तार

बेंगलुरु, 23 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु के कोरमंगला इलाके से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। जहां ग्लोबल टेलीकॉम कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड (बीपीओ) कंपनी के चार वरिष्ठ कर्मचारियों को अपहरणकर्ताओं ने "पुलिस बुला रही है" कहकर ऑफिस बिल्डिंग के नीचे बुलाया और अगवा कर लिया। इसके बाद बदमाशों ने चारों से 18.9 लाख रुपये की फिरौती मांगी। दरअसल, ग्लोबल टेलीकॉम कनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड नामक बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) कंपनी में काम करने वाले चार लोगों का बदमाशों ने अपहरण कर लिया। इसके बाद उनसे पैसे की डिमांड की। एक पीड़ित से उसके रिश्तेदारों के खातों में पैसे भी ट्रांसफर करवा लिए। वहीं, पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए 24 घंटे के अंदर सभी 4 कर्मचारियों को सकुशल बचा लिया और 8 अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई एक टोयोटा इनोवा और एक मारुति सुजुकी वैगन आर कार भी जब्त कर ली है।

कठुआ से लेह तक फर्जी लाइसेंस बांटे

सीबीआई ने हाई कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट, 8 आईएएस अफसरों का नाम है शामिल

जम्मू, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में करोड़ों रुपये के गन लाइसेंस स्कैम में आठ आईएएस अधिकारियों पर केस चलाने की मंज़ूरी के लिए सीबीआई की रिक्वेस्ट पर होम मिनिस्ट्री विचार कर रही है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस अरुण पल्ली और जस्टिस राजेश ओसवाल वाली डिवीजन बेंच को डिप्टी सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया (डीएसजीआई) ने इसकी जानकारी दी है। डीएसजीआई विशाल शर्मा ने बताया कि जम्मू-कश्मीर सरकार और सीबीआई दोनों ने मिनिस्ट्री की तरफ से मांगे गए क्लैरिफिकेशन का जवाब 26 सितंबर और 14 अक्टूबर को दे दिया है।

उन्होंने बेंच को यह भी जानकारी दी है कि अभी इस मामले पर मिनिस्ट्री एक्टिवली सोच रही है। इस बारे में जल्द ही कोई फॉर्मल फैसला होने की उम्मीद की जा रही है। फिलहाल, डीएसजीआई की तरफ से थोड़ी देर की मोहलत मांगने पर बेंच ने मामले को 30 दिसंबर तक के लिए टाल दिया।

8 आईएएस ऑफिसर पर है शक

गृह मंत्रालय (एमएचए) ने 7 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट बताया था कि जम्मू-कश्मीर में एक बहुत बड़ा गन लाइसेंस घोटाला हुआ था। इसमें करोड़ों रुपये की रिश्वत लेकर फर्जी हथियार लाइसेंस बांटे गए थे। इस केस की जांच सीबीआई कर रही है। सीबीआई को शक है कि इसमें 8 बड़े आईएएस अफसर भी शामिल थे, यानी ये अफसर हथियार के डीलरों से मिले हुए थे। इस पर गृह मंत्रालय की तरफ से सीबीआई का हथियार डीलरों से अधिकारियों को जोड़ने के लिए 'ठोस सबूत' के बारे में सफाई मांगी थी। जिन अधिकारियों के नाम रिपोर्ट में हैं उनकी तरफ से 2012 और 2016 के बीच कठुआ, उधमपुर, राजौरी, बारामूला, पुलवामा, कारगिल और लेह में डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के तौर पर अपनी पोस्टिंग के दौरान गन लाइसेंस जारी करने की बात कही गई है। प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत आईएएस अधिकारियों जैसे सरकारी कर्मचारियों पर आरोप लगाने के लिए प्रॉसिक्यूशन मंजूरी जरूरी है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो सकता है घोटाला

इस मामले पर सीबीआई की रिक्वेस्ट जम्मू-कश्मीर सरकार ने एमएचए को भेज दी थी। इस मामले में कथित तौर पर शामिल कश्मीर एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस (केएएस) अधिकारियों और दूसरे निचले लेवल के कर्मचारियों के मामले में प्रॉसिक्यूशन की मंजूरी पहले ही दे दी थी। सीबीआई 2012 से 2016 के बीच जब जम्मू-कश्मीर अभी भी एक राज्य था।

डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट, डिप्टी कमिश्नर और लाइसेंसिंग अधिकारियों ने 'पैसे के लालच' से 2.74 लाख से ज़्यादा गन लाइसेंस जारी करने में हुई गड़बड़ियों की जांच कर रही है। एजेंसियों का अनुमान है कि यह कथित घोटाला 100 करोड़ रुपये से ज़्यादा का है। इसमें कई हथियार 'गैर-कानूनी' तरीके से हथियारबंद और पैरामिलिट्री के जवानों को जारी किए गए थे, जो न तो उस समय राज्य के रहने वाले थे और न ही उस समय संबंधित जिलों में तैनात थे।

अस्पताल में आग, मरीजों को किया गया रेस्क्यू

बैतूल, 23 नवंबर (एजेंसियां)। इस वक्त की बड़ी खबर मध्य प्रदेश के बैतूल जिले से सामने आ रही है। यहां स्थित जिला अस्पताल में आग लग गई है। फिलहाल अभी तक की जानकारी के मुताबिक मरीजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। जानकारी के मुताबिर बैतूल जिला अस्पताल के एक स्टोररूम में रविवार की सुबह आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल में हड़कंप मच गया।

हालांकि समय रहते जिला अस्पताल के कर्मचारियों ने कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया और एक बड़ा हादसा टल गया। इस दौरान मरीजों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण अस्पताल के खान-पान क्षेत्र में स्थित एक स्टोर रूम में सुबह 9 बजकर 20 मिनट पर आग लग गई। कर्मचारियों ने करीब 10 मिनट में आग पर काबू पा लिया और उसे बुझा दिया। उन्होंने बताया कि अस्पताल प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण समय रहते स्थिति पर नियंत्रण कर लिया गया। अस्पताल के सिविल सर्जन एवं प्रभारी डॉ। रूपेश पद्माकर और रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (आरएमओ) डॉ। रानू वर्मा मौके पर पहुंच थे।

आग पर पाया गया काबू

डॉ. पद्माकर ने कहा कि एक 'इलेक्ट्रीशियन' और उसके सहायक ने बिना किसी देरी के बिजली की आपूर्ति बंद कर दी और आग बुझाने के लिए अग्निशामक यंत्रों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि महिला वार्ड और बाल चिकित्सा वार्ड के मरीजों को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल के कर्मचारियों ने बाद में उन्हें उनके संबंधित वार्ड में वापस ले जाने की प्रक्रिया शुरू की।

बडवानी में "कट्टा फैक्ट्री" का भंड़ाफोड़, ताबड़तोड़ कार्रवाई में एकसाथ पकड़े गए 36 तस्कर

बड़वानी, 23 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने मध्य प्रदेश में बड़े इंटर स्टेट अवैध हथियार मैन्युफैक्चरिंग और स्मगलिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। अवैध कट्टे बनाने का ये रैकेट बड़वानी जिले के एक गांव से ऑपरेट हो रहा था। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, अवैध हथियारों के गिरोह पर कार्रवाई करते हुए 36 लोगों को हिरासत में लिया गया। इसके साथ ही भारी मात्रा में अवैध हथियार भी जब्त किए गए। बता दें कि महाराष्ट्र के पुणे शहर से करीब 500 किलोमीटर दूर मध्य प्रदेश के उमर्टी गांव में पुलिस ने ताबड़तोड़ एक्शन किया। यहां पिछले 3 हफ्तों के दौरान कई पिस्तौल सीज की गईं। एमपी पुलिस और पुणे पुलिस ने साथ मिलकर ज्वाइंट ऑपरेशन किया और अवैध रूप से हथियार बनाने वाली 50 भट्ठियों को नष्ट कर दिया। पुणे के संयुक्त पुलिस आयुक्त रंजन कुमार शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुणे पुलिस ने मध्य प्रदेश में बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया। शहर के विमानतल और कालेपडल पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों की जांच के तहत, मध्य प्रदेश में मौजूद पिस्तौल बनाने वाली यूनिट के बारे में कई जानकारियां मिली थीं। फिर पुणे और मध्य प्रदेश की पुलिस ने साथ मिलकर अभियान चलाया।

उन्होंने आगे कहा कि पुलिस टीम ने एमपी में कई स्थानों पर छापेमारी की और हथियार बनाने वाली यूनिट्स को ध्वस्त कर दिया। इस मामले में पुलिस ने कुल 36 लोगों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। किंगपिन का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

संयुक्त पुलिस आयुक्त ने आगे बताया कि यह हथियारों की एक सप्लाई चेन है। पुणे में ये हथियार किसने भेजे, उसकी तलाश की जा रही है। अवैध हथियार के इस तस्करी गिरोह में कई और लोग शामिल हैं।

पुलिस ने 18 दिन में हत्या की 60 साजिशों को किया नाकाम डीजीपी ने पत्र लिखकर दी बधाई

गुरूग्राम, 23 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने 18 दिन में अलग-अलग जगहों पर हत्या की 60 साजिशों को विफल किया है। हरियाणा पुलिस के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने इस उपलब्धि के लिए पुलिसकर्मियों को बधाई दी है। डीजीपी ने चौकी इंचार्ज, एसएचओ, डीएसपी/एसीपी, एसपी/डीसीपी, सीपी/आईजी, एडीजी, पुलिस रेंज को एक पत्र लिखा है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा, ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत गिरोहबाज़ों और कट्टाधारियों के विरुद्ध पिछले 18 दिन से चल रहे अभियान में सफलता के लिए हार्दिक बधाई।

'भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की जरूरत नहीं, यह पहले से ही एक', धीरेंद्र शास्त्री के पद यात्रा पर बोलीं उमा भारती

भोपाल, 23 नवंबर (एजेंसियां)। बीजेपी की दिग्गज नेता एवं मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने हिंदू राष्ट्र के बारे में अपने विचार रखे हैं। उमा भारती ने कहा, 'धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपनी पदयात्रा के दौरान हिंदू एकता और हिंदू राष्ट्र के विचार के बारे में बात की है। मैंने इसमें अपने विचार जोड़े हैं।' उमा भारती ने कहा, 'भारत को हिंदू राष्ट्र बनने की जरूरत नहीं है। यह पहले से ही एक है,

जिसे ऐतिहासिक रूप से 'आर्यावर्त' या वैदिक भूमि के रूप में जाना जाता है, जिसका नाम सदियों से बदल रहा है। लोगों को अपने अंदर इस सच्चाई को पहचानना होगा।' उन्होंने कहा, 'भारत सेक्युलर है, क्योंकि यह एक हिंदू राष्ट्र है। जिस दिन यह एक होना बंद कर देगा, यह सेक्युलर होना बंद कर देगा। एक हिंदू राष्ट्र के तौर पर भारत की पहचान ही इसके सेक्युलरिज़्म को पक्का करती है। यहां सेक्युलरिज़्म का मतलब है सभी धर्मों को मानना, जो कई देवी-देवताओं की पूजा और कई रीति-रिवाजों की हिंदू परंपरा में जुड़ा है।'

एमपी की पूर्व सीएम ने आगे कहा, 'इस्लाम, ईसाई, जैन और बौद्ध धर्म के होने से बहुत पहले, हिंदू अनगिनत देवी-देवताओं की पूजा करते थे।' जैसा कि डॉक्टर हेडगेवार ने कहा था, 'भारत एक हिंदू राष्ट्र है। यह हिंदू राज्य नहीं है। इसका मतलब है कि यह देश किसी एक धर्म को नहीं मानता या उसके आधार पर काम नहीं करता। ऐसा कभी नहीं होगा और हम विविधता में एकता को मानते हैं।'

1 लड्डू कम तौलने को लेकर दुकानदार पर लगा 22 हजार का जुर्माना

कालाहांडी, 23 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के कालाहांडी में क्या आपने कभी सोचा है कि एक लड्डू कम तौलने पर दुकानदार को 22 हजार रुपये का जुर्माना लगा सकता है। हां ये बात सच है। ऐसा ओडिशा के कालाहांडी में हुआ था। यहां एक दुकानदार ने वजन करते हुए मिठाई के साथ पैकिंग वाले डिब्बे का वजन भी उसी में जोड़ दिया। बाद में ये मामला जब जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग पहुंचा तो कंज्यूमर के पक्ष में फैसला आया। दुकानदार को एक लड्डू कम तौलने के चक्कर में पूरे 22 हजार रुपये चुकाने पड़े। साथ ही आयोग ने ये भी निर्देश दिया कि दुकानदार पैकिंग वाले डिब्बे और बेचे जा रहे सामान का वजन अलग-अलग करें। पढ़िए ओडिशा के कालाहांडी का कंज्यूमर के अधिकारों से जुड़ा ये पूरा मामला क्या है।

मिठाई के साथ जोड़ दिया था पैकिंग बॉक्स का वजन

ओडिशा के कालाहांडी में एक कंज्यूमर ने 3 मार्च 2025 को 500 ग्राम मोतीचूर के लड्डू 100 रुपये में खरीदे थे। उसने इसका पेमेंट यूपीआई से किया था। लेकिन जब घर जाकर उसने तौला तो मिठाई का वजन 500 ग्राम से कम था। दुकानदार ने चालाकी करके मिठाई के साथ पैकिंग बॉक्स का वजन भी जोड़ा था और उसकी कीमत वसूल ली थी। इतना ही नहीं कंज्यूमर ने जब बिल मांगा, तो दुकानदार ने देने से इनकार कर दिया। फिर कंज्यूमर ने खाली डिब्बे का वजन किया तो वह 68 ग्राम का निकला। यानी उसे 100 रुपये में 500 ग्राम से कम मिठाई दुकानदार की तरफ से दी गई थी। इससे उसे आर्थिक नुकसान हुआ और साथ ही मानसिक पीड़ा भी हुई।

चंडीगढ पंजाब का है और उसी का रहेगा, फेडरल स्ट्रक्चर की धज्जियां उड़ाना खतरनाक... केंद्र पर बरसे केजरीवाल

पंजाबियों ने किसी तानाशाही के सामने नहीं झुकाया सिर

अरविंद केजरीवाल ने ये भी कहा कि इतिहास गवाह है कि पंजाबियों ने कभी किसी तानाशाही के सामने सिर नहीं झुकाया है और कहा कि पंजाब आज भी नहीं झुकेगा। चंडीगढ़ पंजाब का है और पंजाब का रहेगा।

131वां संविधान संशोधन विधेयक 2025 भारत सरकार की ओर से प्रस्तावित एक महत्वपूर्ण विधेयक है, जो केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के दायरे में लाने का प्रयास है।

अनुच्छेद 240 राष्ट्रपति को कुछ यूटी (जैसे दादरा-नागर हवेली, लक्षद्वीप) के लिए सीधे विनियम और कानून बनाने का अधिकार देता है।

चंडीगढ़ पंजाब का है और पंजाब का रहेगा- केजरीवाल

भागवत मान के ट्वीट को शेयर करते हुए केजरीवाल ने लिखा, "बीजेपी की केंद्र सरकार द्वारा संविधान संशोधन के जरिए से चंडीगढ़ पर पंजाब के अधिकार को खत्म करने की कोशिश किसी साधारण कदम का हिस्सा नहीं, बल्कि पंजाब की पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है। फेडरल स्ट्रक्चर की धज्जियां उड़ाकर पंजाबियों के हक छीनने की यह मानसिकता बेहद खतरनाक है।" केजरीवाल ने कहा कि जिस पंजाब ने देश की सुरक्षा, अनाज, पानी और इंसानियत के लिए हमेशा बलिदान दिया, आज उसी पंजाब को उसके अपने हिस्से से वंचित किया जा रहा है। ये केवल एक प्रशासनिक फैसला नहीं बल्कि ये पंजाब की आत्मा को चोट पहुंचाने जैसा है।

चंडीगढ़, 23 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार आने वाले शीतकालीन सत्र में प्रस्तावित संविधान (131वां संशोधन) को पास करा सकती है। जिसको लेकर पंजाब में विरोध होने लगा है, पंजाब की आम आदमी अब इसके खिलाफ केंद्र सरकार के सामने आ गई है। आप सुप्रीमों केजरीवाल ने इसको लेकर एक्स पर कहा कि चंडीगढ़ पंजाब का है और पंजाब का रहेगा।

वहीं पंजाब मुख्यमंत्री भागवत मान ने एक्स पर लिखा, "संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में केन्द्र सरकार की ओर से लाए जा रहे प्रस्तावित संविधान (131वां संशोधन) बिल का हम कड़ा विरोध करते हैं।" इसके साथ ही केजरीवाल ने कहा कि पंजाबियों ने किसी तानाशाही के सामने नहीं झुकाया सिर और दावा किया कि इस बिल का भी वह विरोध करेंगे। मान ने आगे कहा कि यह संशोधन पंजाब के हितों के विरुद्ध है।

हम केंद्र सरकार की ओर पंजाब के विरुद्ध रची जा रही साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे। हमारे पंजाब के गांवों को उजाड़कर बने चंडीगढ़ पर सिर्फ पंजाब का हक है। हम अपना हक यूं ही जाने नहीं देंगे, इसके लिए जो भी कदम उठाने पड़ेंगे, हम उठाएंगे।

बीजद का नुआपाड़ा उपचुनाव में ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप, चुनाव आयोग से शिकायत करेगी पार्टी

भुवनेश्वर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा में विपक्षी पार्टी बीजद ने आरोप लगाया है कि नुआपाड़ा उपचुनाव में बड़े पैमाने पर सरकार द्वारा प्रायोजित धांधली की गई। बीजद ने कहा है कि न्याय की मांग के लिए पार्टी चुनाव आयोग से इसकी शिकायत करेगी। बीजद की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता विपक्ष के नेता और पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने की। बैठक के बाद विपक्ष की चीफ व्हिप प्रमिला मलिक ने बताया कि हमने उपचुनाव में धांधली की शिकायत मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की है, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। इसलिए राजनीतिक मामलों की सीमिति ने तय किया है कि चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की जाएगी। बीजद ने आरोप लगाया है कि सरकारी मशीनरी और पैसे के बल पर ईवीएम में हेरफेर किया गया और बीजद का वोट डायवर्ट किया गया। बीजद नेता प्रमिला मलिक ने कहा, 'कम से कम 63 पोलिंग बूथ पर धांधली। लोगों ने बीजद को जो वोट दिए थे,

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 24 नवंबर- 2025

भारत ने गाडे सफलता के झंडे

अपने पीएम जहां भी जाते हैं झंडा गाड ही देते हैं। अब जोहान्सबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन को ही लें। सम्मेलन के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक मुद्दों पर भारत का जो दृष्टिकोण साझा किया है उसे लेकर पूरी दुनिया हैरान हो गई। उन्होंने कई विश्व नेताओं के साथ आर्थिक चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन और डिजिटल सहयोग जैसे विषयों पर सार्थक बैठकें कर सबका ध्यान आकृष्ट किया। पीएम मोदी ने सम्मेलन की सफलता को लेकर एक वीडियो भी साझा किया, जो वायरल हो रहा है। मोदी ने मंगलवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर बताया कि सम्मेलन का दूसरा दिन बेहद सफल रहा। प्रधानमंत्री ने दो महत्वपूर्ण सत्रों में हिस्सा लिया और वैश्विक मुद्दों पर भारत का दृष्टिकोण साझा किया। पीएम मोदी ने लिखा कि उन्होंने कई विश्व नेताओं के साथ सार्थक और उत्पादक बैठकें कीं, जिनमें वैश्विक आर्थिक चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन, डिजिटल सहयोग और ग्लोबल साउथ से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। अपने पोस्ट में पीएम मोदी ने एक वीडियो भी शेयर किया है और इवेंट की हाइलाइट्स को देखने की अपील सबसे की है। प्रधानमंत्री मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान चार प्रमुख प्रस्ताव रखे हैं, जिसमें ड्रग-टेरर नेक्सस, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और आतंकवाद के वित्तपोषण खत्म करने के लिए साझा वैश्विक प्रयास को शामिल करना शामिल है। उन्होंने अफ्रीका के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'जी20-अफ्रीका स्किल्स मल्टीप्लायर इनिशिएटिव' का प्रस्ताव रखा, जिसका लक्ष्य अगले दशक में दस लाख प्रमाणित प्रशिक्षक तैयार करना है। उम्मीद की जा रही है कि यह पहल 'ट्रेन-द-ट्रेनर' मॉडल महाद्वीप के युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाने में कारगर साबित होगी। इसके साथ ही पीएम मोदी ने भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वदेशी ज्ञान को संरक्षित करने हेतु पारंपरिक ज्ञान का एक वैश्विक भंडार बनाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने महामारियों और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एक ग्लोबल हेल्थ रिस्पॉन्स टीम बनाने का भी सुझाव दिया है। सम्मेलन के दूसरे दिन में, पीएम मोदी ने प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति पर प्रकाश डाला और मजबूत अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया, जिसका दूसरे देश के राष्ट्राध्यक्षों ने जमकर स्वागत किया। उन्होंने बताया कि भारत ने अपनी 2023 जी20 अध्यक्षता के दौरान आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्य समूह का गठन किया था और इस वर्ष दक्षिण अफ्रीका द्वारा इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने का स्वागत किया। सम्मेलन से इतर, पीएम मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा, मलेशियाई पीएम अनवर इब्राहिम और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन से भी मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

बच्चे के सुसाइड के पीछे छूटे अनुत्तरित सवाल!

मनोज कुमार अग्रवाल

दिल्ली में एक बहुत दुखद घटना हुई है. सेंट कोलंबा स्कूल के 10वीं के छात्र शौर्य पाटिल ने मंगलवार (18 नवंबर) दोपहर आत्महत्या कर ली. स्कूल से निकलने के बाद वह सीधे मेट्रो स्टेशन गया और प्लेटफॉर्म से कूद गया. वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को जानकारी दी. पुलिस को उसके स्कूल बैग में एक हाथ से लिखा सुसाइड नोट मिला. इस घटना से राजधानी में शोक की लहर दौड़ गई है. यह दर्दनाक घटना बुधवार को पश्चिमी दिल्ली के राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन पर हुई. छात्र की पहचान शौर्य प्रदीप पाटिल के रूप में हुई है, जो सेंट कोलंबस स्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र था. पुलिस को शौर्य के बैग से एक सुसाइड नोट मिला है. डेढ़ पन्ने के इस नोट में उसने अपने स्कूल के शिक्षकों और प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं.

पूरे मामले को समझने पर पता चलता है कि शौर्य ऐसा किशोर था जो मरने के बाद भी अपने अंगों को किसी जरूरत मंद के लिए देने की सोच लिख गया यह छात्र बेहद संवेदनशील और जिम्मेदार प्रवृति का था लेकिन सभी छात्रों के साथ कठोरता और दुर्व्यवहार करने वाले टीचर उसे लगातार मानसिक उत्पीड़न करते रहे उसके आंसुओं को भी नही समझ पाए उल्टा ताना मारा जितना रोना है रो ले हम पर कोई असर नहीं होता है। ऐसे टीचर्स को जो बच्चों की हृदय की भावनाओं को ठेस पहुचा कर उत्पीड़न करते हैं किसने चयन व नियुक्त किया? क्या ऐसे टीचर बच्चों के भविष्य और जीवन से खिलवाड़ नहीं कर रहे हैं? आपको बता दें शौर्य के पिता ने आरोप लगाया कि उनका बेटा महीनों से स्कूल में उसके साथ हो रहे व्यवहार से जूझ रहा था. शौर्य के पिता प्रदीप पाटिल का कहना है कि उनका बेटा लगभग एक साल से टीचरों की डांट, बदसलूकी और अपमान झेल रहा था. कुछ दिन पहले डांस प्रैक्टिस के दौरान जब वह स्टेज पर गिर गया तो एक टीचर ने ताना मारते हुए कहा, "जितना रोना है रो लो, मुझे फर्क नहीं पड़ता." इस घटना के बाद शौर्य काफी दुखी हो गया. घरवालों ने शिकायत की तो स्कूल ने उल्टा उसे ट्रांसफर सर्टिफिकेट देने और स्कूल से निकालने की धमकी दी.

पिता ने कहा, 'वह मुझे और मेरी पत्नी को बताता था कि टीचर्स उसे हर छोटी-छोटी बात पर डांटते थे और उसे मानसिक रूप से आहत करते थे. हमने कई बार मौखिक रूप से शिकायत की, लेकिन वे नहीं माने.' उन्होंने कहा कि दसवीं कक्षा की परीक्षाएं नज़दीक आने के कारण उन्होंने हमने स्कूल बदलने से परहेज किया. शौर्य के पिता ने कहा, 'उसकी परीक्षाएं एक-दो महीने में होने वाली थीं. बीस अंक स्कूल से मिलते हैं. मैं किसी भी तरह की परेशानी नहीं चाहता था.' पिता ने आगे कहा कि परिवार ने लड़के को आश्वासन दिया था कि परीक्षाएं खत्म होने के बाद उसका दाखिला किसी दूसरे स्कूल में करा दिया जाएगा. शौर्य के बैग से पुलिस को डेढ़ पन्ने का सुसाइड नोट मिला. उसमें उसने टीचर्स और स्कूल मैनेजमेंट पर गंभीर आरोप लगाए. उसने लिखा, 'स्कूल वालों ने इतना बोला कि मुझे यह करना पड़ा... स्कूल की टीचर है ही ऐसी, क्या बोलूं...' नोट में उसने अपने माता-पिता और भाई से माफी भी मांगी.शौर्य के सुसाइड नोट से उसके संवेदनशील हृदय का पता चलता है जिसे व्यवसायिक स्कूल के प्रिंसिपल और टीचर नहीं समझ सके या यह कहना चाहिए कि बच्चे की संवेदनशीलता को अपने व्यवहार से लगातार चोटिल करते रहे। उसने लिखा 'मेरे पेरेंट्स ने बहुत कुछ किया... आई एम सॉरी... मैं उन्हें कुछ नहीं दे पाया. अगर किसी को जरूरत हो तो मेरे अंग दान कर देना.' सुसाइड नोट में आरोपों के आधार पर पुलिस ने सेंट कोलंबस स्कूल की प्रिंसिपल अपराजिता पाल और तीन शिक्षिकाओं- मन्नू कालरा (कोऑर्डिनेटर), युक्ति महाजन (एसएसटी टीचर) और जूली वर्गीस के खिलाफ मामला दर्ज किया है. इन पर मानसिक उत्पीड़न और बच्चे को लगातार प्रताड़ित करने के आरोप हैं.

सुसाइड नोट में शौर्य ने लिखा-

'जो भी ये पढ़ रहा है, मेरा नाम शौर्य पाटील है. 991159XXXX इस नंबर पर कॉल कर देना प्लीज. मुझे बहुत दुख है कि मैंने ये किया. मुझे इतना स्कूल वालों ने बोला कि मुझे करना पड़ा.'

यदि मेरे शरीर का कोई भी हिस्सा काम करता हो या काम करने की स्थिति में बचे तो कृपया इसे किसी ऐसे व्यक्ति को दान करें जिसे वास्तव में इसकी जरूरत हो.मेरे माता-पिता ने बहुत कुछ किया, आई एम सॉरी मैं उनको कुछ नहीं दे पाया, सॉरी भैया मैं बदतमीज था. सॉरी मम्मी आपका इतनी बार दिल तोड़ा. अब आखिरी बार दिल तोड़ंगा.

स्कूल के टीचर्स अब हैं ही ऐसे कि क्या बोलूं. युक्ति मैम, पाल मैम, मनु कालरा मैम. मेरी आखिरी इच्छा है कि इनके ऊपर एक्शन लिया जाए. मैं नहीं चाहता कोई और बच्चा मेरी तरह कुछ करे. अब कृपया इससे आगे का मत पढ़ो. केवल मेरे परिवार के सदस्यों के लिए है.... सॉरी भैया मैंने गाली दी, आपसे बहस की. जो बड़े भाई का सम्मान करना चाहिए था वो नहीं किया. वेरी सॉरी पापा, आप मुझसे वेप के लिए कभी माफ़ नहीं करोगे और करना भी नहीं चाहिए. मुझे अच्छा इंसान बनना चाहिए था आपके जैसा. मम्मी आप ही हो जिसने मुझे सपोर्ट किया. ऐसे पार्थ भैया को भी और पापा को भी करते हैं. कॉल करें.... मुझे खेद है लेकिन सेंट कोलंबा के शिक्षकों ने ऐसा किया है मेरे साथ' राजा गार्डन मेट्रो पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 107 (उकसाने) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है.

दिल्ली में रह रहे शौर्य का पार्थिव शरीर बुधवार रात उसके पैतृक गांव ढवलश्वर, सांगली पहुंचाया गया. वहीं आज गुरुवार को उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा. स्थानीय लोगों में शोक है और गांव में इस बात को लेकर बेचैनी है कि इतना होनहार, शांत और पढ़ाई में आगे रहने वाला बच्चा इतना टूट कैसे गया. इस घटना को लिखते हुए इस आलेख के लेखक की आंखे भी सजल हो गई हैं। कहां से आती है ऐसी हैवानियत भरी सोच जो किसी निर्दोष छात्र को भीतर तक तोड़ने वाला मानसिक प्रताड़ना देती है? प्रिंसिपल अपने अधीनस्थ टीचर्स के बच्चों के साथ दुर्व्यवहार पर नोटिस क्यों नहीं लेते?

क्या निजी स्कूल सिर्फ पैसे कमाने का व्यवसाय मात्र हैं? यदि बच्चा किसी मानसिक अवसाद मे जा रहा था तो समय रहते उसकी काउंसलिंग क्यों नहीं की गई? सीबीएसई और आइएसई बोर्ड की मान्यता के लिए स्कूल में मेडिकल सुविधा अनिवार्य है फिर बच्चे की मानसिकता पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया? शौर्य की मौत की सवाल छोड़ गयी है यह उन अभिभावकों के लिए भी जो बच्चों को सिर्फ नंबर गेम में उलझा कर इंजीनियर डाक्टर बनाने का सपना देखते हैं लेकिन बच्चे के स्वाभाविक विकास और भावनाओं को नही पहचानते। कोई स्कूल कोचिंग किसी बच्चे को कलक्टर या अफसर बनाने की फैक्टरी नही है हर बच्चा अपना मौलिक योग्यता लेकर पैदा होता है यूपीएससी का कोचिंग देने वाले टीचर खुद क्वालिफाई नही कर पाए तभी कोचिंग में पढ़ा रहे हैं। टीचर्स को बच्चों के प्रति जागरूक और संवेदनशील होना चाहिए ताकि किसी बगिया के अधखिले फूल की असमय मौत न हो!

सुरक्षा, कानून और नागरिक चेतना के मोर्चों पर बड़े बदलाव की आवश्यकता

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ आतंकवाद का स्वरूप बदलकर और भी जटिल और खतरनाक हो चुका है। राजधानी दिल्ली से लेकर देश के विभिन्न शहरों में हाल की घटनाएँ केवल हिंसक वारदातें नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि हमारी सुरक्षा संरचनाओं में अभी भी जितनी मजबूती और तत्परता होनी चाहिए, वह नहीं है। हर विस्फोट केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि यह प्रश्न भी है कि एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में भारत क्या अपनी आंतरिक सुरक्षा को उसी गंभीरता से देख रहा है, जैसी दुनिया के विकसित राष्ट्र देखते हैं? अमेरिका ने 9/11 की भयावहता के बाद आतंकवाद को एक ऐसे खतरे के रूप में लिया, जिसने उसके पूरे सुरक्षा तंत्र, कानून व्यवस्था और राजनीतिक दृष्टिकोण को बदलकर रख दिया। भारत को भी अब उसी स्तर की संवेदनशीलता और निर्णायकता की आवश्यकता है।

यह स्वीकार करना होगा कि आतंकवाद अब पुरानी सीमाओं से निकलकर नई तकनीकी दुनिया में प्रवेश कर चुका है। पहले जहाँ उसका संबंध बंदूक, प्रशिक्षण शिविर और सीमा पार से आने वाले गुरिल्ला नेटवर्क से होता था, वहीं अब उसका संचालन सोशल मीडिया, डार्क वेब, एनक्रिप्टेड चैट, क्रिप्टो करेंसी और फर्जी पहचान के माध्यम से हो रहा है। आज एक अकेला व्यक्ति, जिसे 'लोन-वुल्फ' कहा जाता है, दुनिया में बैठे किसी भी संगठन से निर्देश पा सकता है और मिनटों में घटना को अंजाम दे सकता है। क्राउड-रैडिकलाइज़ेशन की प्रक्रिया इतनी तेज़ और गहरी हो चुकी है कि एक वीडियो, एक पोस्ट, या एक उग्र भाषण ही कई युवाओं को गलत दिशा में धकेल सकता है। ऐसी स्थिति में यह सोचना कि आतंकवाद को केवल सीमापार से आने वाला खतरा माना जाए, वास्तविकता से आँख मूँद लेने जैसा है। दिल्ली के नेहरू प्लेस जैसी घटनाओं ने फिर यह सामने ला दिया कि आतंक की तकनीक चाहे बदल जाए, पर हमारी कमियाँ वही पुरानी हैं। निगरानी कैमरों की संख्या सीमित है, उनकी गुणवत्ता अपर्याप्त है, और उनमे से भी कई खराब रहते हैं। कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआई-आधारित निगरानी की व्यवस्था अब तक लागू नहीं है। यह भी एक कटु सत्य है कि जाँच एजेंसियों की क्षमता के मुकाबले घटनाओं की जटिलता कई गुना बढ़ गई है। आधुनिक दुनिया में जहाँ एक छोटे से डिवाइस में असंख्य डिजिटल प्रमाण छिपे हो सकते हैं, वहाँ हमारी फॉरेंसिक लैब्स की संख्या और आधुनिकता अभी भी सीमित है। सवाल यह भी है कि हम कब तक इन पुरानी कमजोरियों के साथ एक बदलती हुई दुनिया का सामना करेंगे?

एक आधुनिक राजधानी में 24×7 इंटेलिजेंट सर्विलांस सिस्टम होना चाहिए, जहाँ हर भीड़भाड़ वाला इलाका, हर बाजार, हर सार्वजनिक स्टेशन और हर संवेदनशील संस्थान एआई से जुड़े कैमरों की निगरानी में हो। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और इजरायल ने वर्षों पहले यह सुनिश्चित कर लिया कि आतंकियों के लिए कोई अंधेरा कोना न बचे। भारत को भी अब निगरानी को प्राथमिकता देनी चाहिए। कानून व्यवस्था की मजबूती केवल पुलिस की संख्या बढ़ाने से नहीं आएगी, बल्कि यह तकनीक, डेटा और तेजी से काम करने वाले नेटवर्क से आएगी।

यह भी एक गंभीर पहलू है कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में हमारी न्यायिक प्रक्रिया उतनी तेज़ नहीं है जितनी होनी चाहिए। वर्षों तक चलने वाली सुनवाई, गवाहों का मुकर जाना, कमजोर अभियोजन और डिजिटल साक्ष्यों की जटिलता- ये सब आतंकियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुँचाते हैं। जबकि अमेरिका ने 9/11 के बाद स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में न देरी स्वीकार्य है, न ढिलाई। भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि आतंकवाद के मामलों में न्याय शीघ्र और दृढ़ होना चाहिए। यह केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यता है।आतंकवाद को रोकने में नागरिक चेतना की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी एजेंसियों की। एक साधारण नागरिक की एक छोटी-सी सूचना कई बड़े हमलों को रोक सकती है। लेकिन अक्सर लोग पुलिस से संपर्क करने में संकोच करते हैं, उन्हें प्रक्रिया लंबी और जटिल लगती है, या वे यह सोचते हैं कि "यह मेरा काम नहीं।" यह मानसिकता बदलनी होगी। सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जहाँ नागरिक आसानी से सूचना दे सकें, और तत्काल प्रतिक्रिया तंत्र मौजूद हो। मोहल्ला-स्तर तक चौकसी को मजबूत किया जाना चाहिए। नागरिक जब जागरूक होते हैं, तब आतंक के लिए जगह अपने आप कम होती जाती है। दुर्भाग्य यह है कि भारत में सुरक्षा नीति अक्सर राजनीतिक बहसों में उलझ जाती है। किसी घटना को विपक्ष सत्ताधारी दल की विफलता बताता है, और सत्ता दल उसे सिर्फ 'आतंकी षड्यंत्र' कहकर जिम्मेदारियों से बचने की कोशिश करता है। लेकिन आतंकवाद का कोई राजनीतिक रंग नहीं होता। वह न किसी विचारधारा का मित्र है, न शत्रु; वह सिर्फ राष्ट्र और उसके नागरिकों को नुकसान पहुँचाता है। इसलिए यह अनिवार्य है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीति से ऊपर रखा जाए। अमेरिका में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर दोनों दल एकजुट रहते हैं; भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। तकनीक इस युग की नई सुरक्षा दीवार है। भारत को अगले कुछ वर्षों में एक व्यापक तकनीक-आधारित सुरक्षा मॉडल बनाना होगा। एआई आधारित सीसीटीवी नेटवर्क, चेहरे की पहचान प्रणाली, रीयल-टाइम डेटा इंटरलिंकिंग, आधुनिक डिजिटल फॉरेंसिक लैब, साइबर विशेषज्ञों की नियुक्ति, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की निगरानी और डार्क वेब पर नज़र रखने वाली विशेष टास्क फोर्स-ये सभी कदम अत्यंत आवश्यक हैं। यह समझना होगा कि आतंकवाद को केवल बंदूक और बम से ही नहीं, बल्कि डेटा और तकनीक से भी हराया जा सकता है। आतंकवाद केवल मानव जनहानि का कारण नहीं बनता, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को भी गहरे घाव देता है।

हर विस्फोट निवेश को डराता है, पर्यटन को कमजोर करता है और व्यापार पर सीधा असर डालता है। एक असुरक्षित राजधानी विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका को नुकसान पहुँचा सकती है। इस कारण सुरक्षा केवल नागरिक जीवन का ही नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य का भी प्रश्न है। भारत अब एक निर्णयकारी मोड़ पर है। समय आ गया है कि हम आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट, कठोर और आधुनिक नीति बनाएं-जिसमें कानून की ताकत, तकनीक की सटीकता, नागरिकों की जागरूकता और सरकार की इच्छाशक्ति-सभी एक साथ कार्य करें। 9/11 के बाद अमेरिका ने जो उदाहरण रखा, वह बताता है कि निर्णायक कदम लेने पर परिणाम बदलते हैं। भारत को भी यही सख़्ती दिखानी होगी। क्योंकि राष्ट्र की सुरक्षा किसी भी प्रकार के समझौते की वस्तु नहीं हो सकती। यह एक ऐसी जिम्मेदारी है, जिसमें देरी की कोई गुंजाइश नहीं है।

गुरु तेग बहादुरः समय को रोकने वाला बलिदान

आरके जैन

इतिहास की धूल में जब कोई असली वीर उठता है, तो उसकी छवि केवल उस युग तक सीमित नहीं रहती; वह आने वाली पीढ़ियों के लिए चेतना और प्रेरणा बन जाती है। गुरु तेग बहादुर, सिखों के नौवें गुरु, ऐसे ही अमर व्यक्तित्व थे, जिनकी शहादत ने धर्म, न्याय और समानता की परिभाषा को फिर से लिखा। 1675 में उनका बलिदान केवल सिख समुदाय के लिए नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष के हर उस व्यक्ति के लिए मार्गदर्शन बन गया, जो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ खड़ा होने की हिम्मत रखता है।

गुरु तेग बहादुर का जीवन साहस और समझ का अनूठा संगम था। वे केवल धार्मिक नेता नहीं थे; वे एक ऐसे दृष्टिकोण के वाहक थे जो कहता है कि धर्म केवल विश्वास का नाम नहीं, बल्कि मानवता, स्वतंत्रता और समानता का प्रतीक है। जब औरंगजेब ने उन्हें धर्म बदलने का विकल्प दिया, तो उन्होंने 'ना' कहकर यह साबित किया कि सच्चाई और न्याय के लिए खड़ा होना किसी व्यक्ति के जीवन से बड़ा हो सकता है। उनका यह निर्णय केवल विरोध नहीं, बल्कि उच्चतम नैतिक साहस का परिचायक था।

उनकी शहादत ने यह दिखाया कि असली वीरता तलवार या शक्ति में नहीं, बल्कि उस आत्मा में होती है जो अकेले होकर सही का समर्थन करती है। गुरु तेग बहादुर ने अपनी जान की कीमत पर यह सिद्ध किया कि धर्म का पालन केवल निजी विश्वास तक सीमित नहीं होता; यह समाज और मानवता के लिए भी जरूरी है। उनका हर कदम, हर निर्णय और हर शब्द आज भी हमें यह याद दिलाता हैः "सत्य और न्याय के लिए खड़ा होना ही असली वीरता है।"

गुरु तेग बहादुर की समझ अत्यंत गहरी थी। उन्होंने न केवल धार्मिक अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई, बल्कि यह समझा कि समाज में समानता और स्वतंत्रता की रक्षा करना भी धर्म का हिस्सा है। उनके दृष्टिकोण के अनुसार, मानवता और नैतिकता ही सबसे बड़ा धर्म है। वे एक ऐसे मार्गदर्शक थे जिन्होंने दिखाया कि किसी भी व्यक्ति का साहस और दृढ़ता पूरे समाज की दिशा बदल सकती है। उनके निर्णय और बलिदान हमें यह सिखाते हैं कि असली नेतृत्व केवल पद, शक्ति या सम्मान में नहीं, बल्कि नैतिक साहस और न्यायप्रियता में होता है।गुरु तेग बहादुर का जीवन समानता का संदेश भी देता है। उन्होंने समाज में भेदभाव और अत्याचार के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। उनका बलिदान केवल अपने अनुयायियों के लिए प्रेरणा नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए प्रकाश है जो न्याय और समानता के लिए खड़ा होना चाहता है। यह संदेश आज भी प्रासंगिक है-सच्चा साहस वही है जो अन्याय के सामने झुकता नहीं, जो समाज के कमजोर वर्गों के लिए खड़ा होता है। उनकी शहादत ने यह भी साबित किया कि स्वतंत्रता और न्याय कभी मुफ्त नहीं मिलते। इसे पाने के लिए साहस, दृढ़ता और आंतरिक शक्ति की आवश्यकता होती है। गुरु तेग बहादुर ने दिखाया कि जब कोई व्यक्ति अपने विश्वास और न्याय के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध होता है, तो उसका प्रभाव सिर्फ तत्काल नहीं रहता; वह सदियों तक समाज और मानवता को मार्गदर्शन देता है।

आज भी उनकी कहानी केवल इतिहास नहीं है; यह हर उस व्यक्ति के लिए एक जीवन पाठ है जो सत्य, न्याय और समानता के लिए संघर्ष करता है। गुरु तेग बहादुर की वीरता हमें यह सिखाती है कि अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति अडिग रहना ही असली ताकत है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि समाज में बदलाव केवल बाहरी संघर्ष से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत साहस और नैतिक दृढ़ता से संभव होता है।

गुरु तेग बहादुर की शहादत और समझ आज भी हमें चुनौती देती है-क्या हम अपने समय के अन्याय और असमानता के खिलाफ खड़े होंगे, या केवल देखेंगे? क्या हम अपने सिद्धांतों के लिए अडिग रहेंगे, या भय और दबाव के आगे झुक जाएंगे? उनका जीवन एक चेतावनी और प्रेरणा दोनों है-सच्चा साहस, सच्ची समझ और न्याय केवल भीतर से ही निकलता है।

गुरु तेग बहादुर का संदेश आज भी वर्तमान और भविष्य दोनों के लिए प्रासंगिक है। यह याद दिलाता है कि असली वीरता केवल बाहरी संघर्ष में नहीं, बल्कि अपने विश्वास और सिद्धांतों के प्रति अडिग रहने में है। समाज में समानता और न्याय के लिए खड़ा होना केवल विकल्प नहीं, बल्कि हर जिम्मेदार नागरिक का धर्म है। उनका जीवन दर्शाता है कि जब कोई व्यक्ति अपने सिद्धांतों के लिए खड़ा होता है, तो उसका प्रभाव केवल उसके युग तक सीमित नहीं रहता; वह सदियों तक मानवता की चेतना को जागृत करता है।गुरु तेग बहादुर की शहादत, उनकी समझ और समानता की दृष्टि आज भी हमें प्रेरित करती है-क्या हम उनके आदर्शों को अपनाकर अपने जीवन और समाज को बेहतर बनाएंगे? उनका जीवन अमर आदर्श है, जो हर युग में सच्चा साहस, वास्तविक समझ और न्यायप्रियता का प्रतीक बना रहेगा। नौवें गुरु की यह धरोहर हमें हमेशा याद दिलाती है कि असली शक्ति केवल भीतर से आती है, और यही शक्ति समाज और मानवता को आगे बढ़ाती है।

मनुष्य और मशीन के बढ़ते 'वैवाहिक संबंध': चिंतनीय पहलू

हरीश शिवनानी

बात इसी सितंबर की है। एक छोटे देश अल्बानिया ने एक एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- यांत्रिक बुद्धिमत्ता) 'डिएला' को स्त्री रूप देकर अपनी केंद्रीय सरकार में कैबिनेट मंत्री बना दिया और दुनिया में मनुष्य बनाम तकनीक को लेकर एक बहस की शुरुआत कर दी। इस बहस के बीच ही जापान की एक 32 वर्षीय महिला ऐमी कैनो ने नवंबर में अपने प्रेमी से लंबे ब्रेकअप के बाद चेटजीपीटी 'क्लॉस' से विवाह कर बहस को नया आयाम दे दिया है।

कैनो ने 'विवाह' करने के लिए यह 'एआई पर्सोना' (कृत्रिम,आभासी व्यक्ति) चेटजीपीटी पर अपनी बातचीत को स्वानुकूल करके बनाया- उसकी आवाज, टोन, पर्सनेलिटी तय कर एक डिजिटल इमेज भी बनाई और उसे नाम दिया 'क्लॉस'। इतना ही नहीं, उसने विवाह समारोह का आयोजन भी किया जिसमें कानौ ने 'ऑगमेंटेड रियलिटी ग्लास' पहने, जिनमें क्लॉस की लाइफ-साइज इमेज उसके बगल में खड़ी दिखाई दे रही थी। यह कार्यक्रम नाओ और सायाका ओगासावारा ने आयोजित किया, जो '2 डी कैरेक्टर वेडिंग्स' करवाने में विशेषज्ञ हैं यानी वर्चुअल या 'फिक्शनल पार्टनर' से शादी करने वाले लोगों के लिए समारोह।

यह मामला तकनीक के अलावा सामाजिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टि से काफी दिलचस्प है जिसके कई चिंतनीय पहलू हैं। प्रश्न यह है कि क्या तकनीक अब पति-पत्नी जैसे नितांत निजी और अंतरंग मामले में भी मनुष्य का विकल्प बनने जा रही है? कैनो का 'क्लॉस' से प्रतीकात्मक विवाह पहला मामला नहीं है। मानव और 'पुरुष' या 'स्त्री' रूप बने एआई/रोबोट/होलोग्राम के बीच ऐसे 'विवाह' के अन्य मामले भी हैं जो कानूनी रूप से मान्य नहीं होते, लेकिन भावनात्मक रूप से व्यक्ति के लिए गहन होते हैं। 2017 में चीन के इंजीनियर झेंग जियाजिया ने खुद एक रोबोट 'यिंगयिंग' बनाया और उससे 'विवाह' कर लिया। 2018 में जापान के अकीहिको कोन्डो ने वर्चुअल पॉप स्टार हत्सुने मिकु (एक होलोग्राफिक एआई चरित्र) से तो 2023 में अमेरिकी रोसाना रैमोस ने रेप्लिका ऐप पर बनाए गए चैटबॉट 'एरेन कार्टल' से वर्चुअल मैरिज की। अमेरिका में ही 2025 में ट्रेविस नामक व्यक्ति ने चैटबॉट 'लिली रोज' से डिजिटल समारोह में विवाह किया। इसी तरह अलाईना विंटर्स ने भी एक रोबोट 'लुकास' से विवाह किया। इन विवाहों से सवाल भी उभरते है कि आखिर वह कौन-सी दुनिया है जिसमें इंसान मशीन के पास सुकून खोजने को मजबूर हो जाता है? वह कौन-सा जीवन है जहाँ लोग इतने अकेले हो चुके हैं कि एक डिजिटल साथी के सामने दिल खोलना आसान लगता है? ऐसे विवाह करने वाले सभी लोगों के तर्क में एक सामान्य बात थी कि वे इस भरी दुनिया में बेहद अकेलापन महसूस कर रहे थे और वर्चुअल रूप से उन्हें एक 'परफेक्ट पार्टनर' मिल गया है। दरअसल इन घटनाओं को सतह से नहीं, भीतर से देखने की ज़रूरत है। कभी मानव समाज का स्वरूप वृहद था, लोग एक ही छत के नीचे रहते थे, सब आत्मीय रिश्तों की डोर से बंधे थे।आगे चलकर विवाह का अर्थ बदल गया। रिश्तों का केंद्र 'साथीपन' बन गया, जिसमें अपनेपन की तलाश, भावनात्मक सहारा, दर्द और थकान को साझा करने की अपेक्षाएं थीं, लेकिन आधुनिक दुनिया इस साथीपन को धीरे-धीरे खोखला भी करती गई। समय की कमी, अस्थिर रोज़गार, असुरक्षा का भाव, संत्रास, कुंठा, अवसाद, महानगरों का अजनबीपन सब मिलकर ऐसा माहौल बना रहे हैं,जहाँ रिश्तों का बंधन निभाने का धैर्य कम होता जा रहा है। उनकी दिनचर्या में लोगों से संपर्क तो है, पर संबंध नहीं, आत्मीयता तो कत्तई नहीं। ऐसे माहौल में मन ऐसी उपस्थिति खोजने लगता है जो थकती न हो, शिकायत न करे, गायब न हो जाए। ये विवाह उस खालीपन की तरफ़ ही इशारा करते हैं जिसे भरने के लिए हर कोई अलग राह चुनता है। कोई दोस्ती में, कोई प्रेम में, कोई कला में, कोई आध्यात्मिकता में। इसी आधुनिक जीवन का एक पथ तकनीक से भी होकर गुज़र रहा है। ये घटनाएं सिर्फ 'अनूठी खबर' मात्र नहीं है, बल्कि समाज शास्त्र के एक बड़े बदलाव की ओर संकेत करती हैं- जहाँ मानव संबंधों की पारंपरिक धारणाएँ बदल रही हैं।

द ग्रेट 'हिन्दी बनाम इंग्लिश' वॉर

डॉ. सुरेश कुमार

मिसिरबाबू, आपको फिर से लख-लख बधाइयाँ! इस बार आप उस महायुद्ध से बच निकले हैं जिसका नाम है "द ग्रेट हिन्दी बनाम इंग्लिश वॉर"। यह कोई साधारण युद्ध नहीं, यह भाषा का महाभारत है, जहाँ अर्जुन और दुर्योधन की जगह अब 'हिन्दी सेवक' और 'इंग्लिश भक्त' खड़े हैं। यहाँ तीर-कमान नहीं चलते, बल्कि 'जय हिन्दी', 'डाउन विथ इंग्लिश' और 'एबीसीडी' के नारे चलते हैं। यह वह युद्ध है जिसमें ज्ञान, शिक्षा और रोज़गार सब कुछ 'लिपि' की गोली से ढेर हो जाते हैं। सोचिए मिसिरबाबू, कल तक जो लोग हिन्दी माता की जय बोलते थे, आज वही लोग अपने बच्चों को 'जैक एंड जिल' गवाने भेज रहे हैं। मोहल्ले का शर्मा जी, जिनके घर में तुलसीदास की चौपाइयाँ गूँजती थीं, अब अपने बेटे को 'कॉन्वेंट' में डाल चुके हैं क्योंकि वहाँ 'फ्यूचर ब्राइट' होता है।

रिश्तों की परिभाषा अब इतनी नाजुक हो गई है कि अगर बच्चा 'गुड मॉर्निंग' की जगह 'शुभ प्रभात' बोल दे तो माँ-बाप को डर लगने लगता है कि उसकी नौकरी कहीं हाथ से न निकल जाए।यमलोक में भी इस 'हिन्दी बनाम इंग्लिश वॉर' का असर पहुँच चुका है। चित्रगुप्त जी का 'लैंग्वेज-प्रोसेसर 2.0' बार-बार क्रैश हो रहा है। यमराज ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। ₹चित्रगुप्त! ये क्या हो रहा है? कल तक जो लोग 'हिन्दी दिवस' पर भाषण दे रहे थे, आज उनके खाते में 'इंग्लिश मीडियम' की एंट्री क्यों आ रही है? चित्रगुप्त ने सिर पीट लिया। प्रभु, अब पुण्य और पाप का हिसाब संस्कृत श्लोकों से नहीं, बल्कि 'स्पोकन इंग्लिश' से तय होता है। जिसने बच्चे को कॉन्वेंट में डाला है, वही पुण्यवान है। जिसने हिन्दी माध्यम में पढ़ाया है, वही पापी है। और जिसने बच्चे को 'हिन्दी साहित्य' पढ़ा दिया है, उसे तो सीधे नरक में भेजा जा रहा है।

मिसिरबाबू, यह युद्ध इतना खतरनाक है कि अब शिक्षा की असली परीक्षा 'लिपि' और 'मीडियम' से होती है। बेटा बाप को 'आउटडेटेड' कह रहा है क्योंकि बाप ने उसे 'रामचरितमानस' पढ़ने को कहा। पति पत्नी को 'बैकवर्ड' कह रहा है क्योंकि पत्नी ने बच्चे को 'हिन्दी कविता प्रतियोगिता' में भेज दिया। भाई भाई को 'अनप्रोफेशनल' कह रहा है क्योंकि उसने 'इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स' नहीं किया। यह वह युद्ध है जहाँ खून नहीं बहता, बल्कि 'फीस' बहती है। यह वह युद्ध है जहाँ तलवारें नहीं चलतीं, बल्कि 'एडमिशन फॉर्म' चलते हैं। और यह वह युद्ध है जहाँ भाषा की कब्रें हर दिन खोदी जाती हैं, और हर दिन कोई न कोई 'हिन्दी' या 'इंग्लिश' होकर उसमें दफ़न हो जाता है।भाषा की 'ट्रोल-आर्मी' इस युद्ध की असली सेनापति है। वे तय करते हैं कि कौन 'प्रगतिशील' है और कौन 'पिछड़ा'। अगर आपने बच्चे को इंग्लिश मीडियम में डाला तो आप 'विकासवादी'। अगर आपने हिन्दी मीडियम में डाला तो आप 'कूपमंडूक'। और अगर आपने दोनों में डाला तो आप 'कन्फ्यूज्ड'। मिसिरबाबू, यह भाषा का कब्रिस्तान इतना बड़ा हो चुका है कि अब हर मोहल्ले में 'हिन्दी बनाम इंग्लिश' की लाशें पड़ी हैं। लोग अब शिक्षा को ज्ञान से नहीं, बल्कि 'मीडियम' से गिनते हैं।लेकिन मिसिरबाबू, सवाल यह है कि आप कब तक इस 'हिन्दी बनाम इंग्लिश वॉर' से बचेंगे! आख़िर बकरे की अम्मा कब तक ख़ैर मनाएगी! एक दिन सिस्टम आपकी सादगी, आपके विवेक की बलि तो लेकर रहेगा। हो सकता है कल को 'एक देश, एक मीडियम' का क़ानून आ जाए। हो सकता है कि राशन कार्ड, आधार कार्ड और वोटर आईडी सब कुछ आपके 'स्कूल रिपोर्ट कार्ड' से जुड़ जाए। जिसके पास इंग्लिश मीडियम नहीं, उसकी नागरिकता ही नहीं। तब आप भी इस भाषा कब्रिस्तान का हिस्सा बन जाएँगे।तब तक के लिए, जब तक आपके पास आपका पुराना, भरोसेमंद, बिना किसी 'जैक एंड जिल' वाला हिन्दी पाठ्यपुस्तक है, कांग्रेचुलेशंस मिसिरबाबू। आप बच गए। लेकिन याद रखिए, यह युद्ध अभी जारी है और भाषा की लाशें हर दिन इस कब्रिस्तान में दफ़न हो रही हैं।

मार्गशीर्ष माह की विनायक चतुर्थी

हिन्दू धर्म में हर तिथि और हर वार का अपना धार्मिक महत्व है। पंचांग के अनुसार, हर महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को विनायक चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व प्रथम पूज्य भगवान गणेश को समर्पित है। इस दिन लोग घर की खुशहाली और उन्नति के लिए व्रत-उपासना करते हैं। विनायक चतुर्थी पर गणपति पूजन से जीवन के सारे कष्टों का निवारण हो जाता है। घर में सुख-संपन्नता बनी रहती है। उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार इस बार मार्गशीर्ष माह की विनायक चतुर्थी पर कुछ खास उपाय कर लिए जाए तो गणेश जी की विशेष कृपा बरसती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष शुक्ल चतुर्थी तिथि की शुरुआत 24 नवंबर 2025 को सुबह 11 बजकर 04 मिनट से होगी। इस तिथि की समाप्ति 25 नवंबर 2025 को दोपहर 1 बजकर 12 मिनट पर होगी। ऐसे में पंचांग की मान्यता के अनुसार, विनायक चतुर्थी 24 नवंबर को मनाई जाएगी और इसी दिन व्रत भी रखा जाएगा।

विनायक चतुर्थी का महत्व

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और बुद्धि के दाता के रूप में पूजा जाता है। विनायक चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं, मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और सच्चे मन से गणपति बप्पा की आराधना करने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मकता का संचार होता है।

चुपचाप करले यह उपाय

बहुत प्रयास के बाद भी अगर सफलता साथ नही दे रही है तो इस दिन रात के समय, पूजा करने के बाद सोने से पहले, एक मिट्टी के दीपक में गाय का शुद्ध घी भरें। उसके बाद इस दीपक में चार लौंग डालकर जलाएं। फिर दीपक जलाते समय भगवान गणेश के चरणों में 21 दूर्वा की गांठे अर्पित करें और 'ॐ गं गणपतये नमः' मंत्र का जाप करें। ऐसा करने से दरिद्रता का नाश करता है और धन प्राप्ति के नए मार्ग खुलते है।

बहुत प्रयास के बाद भी पढ़ाई मे मन नही लग रहा है। तो इस दिन रात के समय भगवान गणेश के सामने बैठकर गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करें। इससे बुद्धि, ज्ञान में वृद्धि होती है और निर्णय लेने की क्षमता तेज होती है।

विनायक चतुर्थी के दिन अगर संकटनाशन गणेश स्तोत्र का पाठ किया जाए। तो जीवन में बार-बार आ रहे कष्टों से मुक्ति मिलती है। इसलिए इस दिन संकटनाशन गणेश स्तोत्र का पाठ करना काफ़ी शुभ होता है।

घर में लगें हैं 1 से ज्यादा आईने? पति-पत्नी के बीच करा सकते हैं संग्राम

घर में शीशा लगाना आजकल सिर्फ सजावट या लुक्स तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आपके घर की एनर्जी पर सीधे असर डालता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि शीशा तो बस एक रिफ्लेक्ट करने वाली चीज है, इससे भला क्या फर्क पड़ सकता है? लेकिन वास्तु के नजरिए से देखें तो यही शीशा आपकी तरक्की, रिश्ते और घर के माहौल तक को बदल सकता है। कई घरों में कोशिश रहती है कि हर कमरे में एक बड़ा सा शीशा लगा हो ताकि स्पेस बड़ा लगे और लाइटिंग भी बढ़ जाए। वहीं कई लोग बिना सोचे-समझे दीवार-दर-दीवार मिरर लगा देते हैं, जो बाद में एनर्जी को गड़बड़ कर देता है।

वास्तु मानता है कि शीशा अपने आसपास की हर एनर्जी को बढ़ाकर वापस भेजता है-चाहे वह अच्छी हो या खराब। यानी अगर घर में पॉजिटिव एनर्जी है तो शीशा उसे कई गुना बढ़ा देगा, लेकिन अगर घर में टेंशन, झगड़े या किसी वजह से नेगेटिव एनर्जी है तो वह भी बढ़ सकती है। इसलिए घर में सिर्फ कितने शीशे होने चाहिए, इसका जवाब मिरर की प्लेसमेंट, दिशा और आकार पर निर्भर करता है। आजकल एक से ज्यादा मिरर लगाने का चलन आम है, लेकिन क्या यह हमेशा सही है? क्या हर दिशा में शीशा लग सकता है? क्या बेडरूम में मिरर ठीक है? ये सवाल लगभग हर किसी के मन में रहते हैं। तो आइए जान लेते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से कि घर में कितने शीशे ठीक माने जाते हैं और किस दिशा में लगाना चाहिए जिससे नेगेटिव असर न पड़े।

घर में कितने मिरर लगाना सही है?

वास्तु में मिरर की संख्या पर कोई खास रोक नहीं है। आप घर में एक से ज्यादा शीशे लगा सकते हैं, बस यह ध्यान रहे कि उनकी लोकेशन और दिशा सही होनी चाहिए, अगर आपका शीशा किसी शुभ चीज़ को दिखा रहा है-जैसे हरा-भरा पौधा, सुंदर प्राकृतिक तस्वीर, धन की तिजोरी या साफ-सुथरा कोना-तो ज्यादा शीशे उस पॉजिटिव एनर्जी को बढ़ाते हैं। इससे घर में ग्रोथ, शांति और सौभाग्य बढ़ता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं

कि आप हर दीवार पर मिरर लगा दें। बहुत सारे शीशे घर में कन्फ्यूजन, अनचाही एनर्जी और हल्की बेचैनी ला सकते हैं। खासकर तब जब दो शीशे आमने-सामने हों। इससे एनर्जी का रिफ्लेक्शन एक चक्र की तरह घूमता रहता है, जिससे घर में अशांति और तनाव बढ़ सकता है।

कौन सी दिशा में शीशा लगाना शुभ होता है?

उत्तर दिशा -धन की दिशा

उत्तर दिशा धन के देवता कुबेर की मानी जाती है। इस दिशा में लगा शीशा घर की फाइनेंशियल एनर्जी को बढ़ाता है, अगर आपकी तिजोरी या कैश बॉक्स इस दिशा में है और शीशे में उसका पॉजिटिव रिफ्लेक्शन दिखाई देता है, तो यह घर में बरकत को बढ़ा सकता है।

पूर्व दिशा -खुशहाली और स्वास्थ्य

पूर्व दिशा हमेशा नई शुरुआत, स्वास्थ्य और पॉजिटिविटी का प्रतीक मानी जाती है। इस दिशा में लगा शीशा घर के माहौल को हल्का, साफ और एनर्जेटिक बनाता है। डाइनिंग एरिया के सामने लगा शीशा भी शुभ माना जाता है क्योंकि यह भोजन की मात्रा को बढ़ाकर दिखाता है, जिसे अन्न की बरकत से जोड़कर देखा जाता है।

कहां नहीं लगाना चाहिए शीशा?

बेडरूम में ठीक सामने

बेडरूम में सोते समय आपका चेहरा या पूरा शरीर अगर शीशे में दिख रहा है तो यह वास्तु के अनुसार अच्छा नहीं माना जाता। इससे पति-पत्नी के रिश्ते में तनाव, बहस और अनचाहा दबाव बढ़ सकता है, अगर मिरर हटाना संभव नहीं है तो रात में उसे कपड़े से ढक दें।

मुख्य दरवाजे के सामने

मुख्य द्वार से जो सकारात्मक ऊर्जा घर में आती है, शीशा उसे वापस बाहर धकेल देता है। इससे घर में ग्रोथ रुक सकती है और स्थिति बार-बार बिगड़ सकती है।

दो शीशे आमने-सामने

इससे लगातार रिफ्लेक्ट होती एनर्जी भंवर की तरह घूमती है, जो मानसिक तनाव और घर में अशांति का कारण बन सकती है।

शीशे का आकार और साफ-सफाई भी जरूरी

-टूटा हुआ या धुंधला शीशा तुरंत बदल दें।

-बहुत छोटे-छोटे मोज़ेक मिरर से बचें, ये एनर्जी को टुकड़ों में काट देते हैं।

-बड़ा, साफ और अच्छी क्वालिटी का शीशा ही घर की एनर्जी को सुधारता है।

जीवन का सबसे बड़ा शत्रु आलस है

हमेशा जीवंत रहें, इसका अर्थ है कि गतिमान और विचारशील रहें। निरुद्योगी न रहें। जीवन का सबसे बड़ा शत्रु आलस्य है, ये हमें आगे नहीं बढ़ने देता, इसलिए गतिमान रहें। चरैवेति-चरैवेति यानी चलते रहें, चलते रहें। रुक जाना, ठहर जाना, जीवन नहीं है। जो बैठ गया है, उसका जीवन भी बैठ गया है यानी उसका भाग्य बैठ गया है। जो व्यक्ति निरंतर आगे बढ़ते रहता है, उसका साथ भाग्य भी देता है।

नजर उतारने का सबसे असरदार उपाय, कपूर से तुरंत दिखेगा फर्क

भारतीय संस्कृति और ज्योतिष में बुरी नजर को एक वास्तविक समस्या माना जाता है। जब कोई व्यक्ति ईर्ष्या या अत्यधिक प्रशंसा के भाव से किसी बच्चे को देखता है, तो उसकी नकारात्मक ऊर्जा बच्चे पर असर डाल सकती है। इससे बच्चा अचानक रोने लगता है, चिड़चिड़ा हो जाता है, बीमार हो जाता है या खाना-पीना छोड़ देता है। ऐसे में, कपूर को सबसे शक्तिशाली और तुरंत असर करने वाले उपायों में से एक माना जाता है। कपूर की शुद्ध और तीव्र गंध तथा उसकी जलने पर निकलने वाली ऊर्जा नकारात्मक शक्तियों को तुरंत निष्क्रिय करने की क्षमता रखती है।

कपूर और लौंग से नजर उतारना

कपूर के टुकड़े को मिट्टी के दीपक या आरती की थाली में रखें। उस पर दो साबुत लौंग रखें। बच्चे को गोदी में लें या उसे सीधे खड़ा करें। जलते हुए कपूर को बच्चे के सिर से लेकर पैर तक घड़ी की सुई की दिशा में 7 बार घुमाएं। हर बार घुमाते समय मन ही मन भगवान से बच्चे की नजर उतारने और उसे बुरी शक्तियों से बचाने की प्रार्थना करें। नजर उतारने के बाद, जलते हुए कपूर को बच्चे से दूर, घर के मुख्य द्वार के बाहर या बालकनी में खुली हवा में रख दें, जहां वह पूरी तरह जल जाए। कपूर पूरी तरह से जलकर खत्म हो जाता है। यह प्रतीकात्मक रूप से यह दर्शाता है कि बच्चे पर लगा नजर दोष या नकारात्मक ऊर्जा पूरी तरह से जलकर समाप्त हो गई है।

कपूर का शुद्धिकरण स्नान

बच्चे के नहाने के पानी में कपूर का एक छोटा टुकड़ा डाल दें और उसे घुलने दें। यदि चाहें, तो नारियल तेल की कुछ बूंदें भी मिला सकती हैं। इस पानी से बच्चे को स्नान कराएं। कपूर की ऊर्जा पानी के माध्यम से बच्चे के आभा मंडल को शुद्ध करती है और शरीर पर जमी नकारात्मकता को धो देती है।

कमरे में कपूर का निरंतर प्रयोग

बच्चे के कमरे में किसी कोने में कपूर का एक छोटा टुकड़ा किसी मिट्टी के पात्र में रखें। प्रतिदिन सुबह और शाम पूजा के दौरान कपूर और दो लौंग जलाकर उसकी धूप पूरे घर में, खासकर बच्चे के कमरे में दिखाएं। कपूर की सुगंध घर की नेगेटिविटी को खत्म करती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है, जिससे बच्चा खुश और स्वस्थ रहता है।

क्यों मिला हमें यह जीवन? प्रेमानंद महाराज ने बताया रहस्य

परम पूज्य संत श्री प्रेमानंद जी महाराज अपने प्रवचनों में बार-बार इस प्रश्न का उत्तर देते हैं कि हमें यह दुर्लभ मनुष्य जीवन क्यों मिला है। उनके अनुसार, यह जीवन केवल खाना-पीना, कमाना और परिवार पालने जैसे भौतिक कार्यों के लिए नहीं है, बल्कि इसका एक गहन आध्यात्मिक उद्देश्य है, जिसे समझना ही जीवन की सबसे बड़ी सफलता है। महाराज जी ने मनुष्य जीवन मिलने के पीछे के गूढ़ रहस्य और इसके वास्तविक उद्देश्य को ही सरल शब्दों में समझाया है।

भगवत-प्राप्ति ही एकमात्र लक्ष्य

महाराज जी दृढ़ता से कहते हैं कि मनुष्य जीवन का एकमात्र और परम लक्ष्य भगवत-प्राप्ति या ईश्वर को जानना है। चौरासी लाख योनियों में से केवल मनुष्य योनि ही ऐसी है, जिसमें विवेक, बुद्धि और ज्ञान की शक्ति प्राप्त है। यह शक्तियां हमें भौतिक सुखों की लगाव से ऊपर उठकर परम सत्य को जानने का अवसर देती हैं।

प्रेम और सेवा का महत्व

प्रेमानंद महाराज जी भक्ति मार्ग पर ज़ोर देते हैं। उनके अनुसार, भगवान तक पहुंचने का सबसे सरल मार्ग निस्वार्थ प्रेम और सेवा है। जीवन का उद्देश्य अपने मन को सांसारिक चीज़ों से हटाकर केवल और केवल भगवान के चरणों में लगाना है। सभी जीवों को भगवान का अंश मानकर उनकी सेवा करना और सभी के प्रति दयाभाव रखना भी इस जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

क्षणिक सुखों से दूरी

महाराज जी बताते हैं कि हम भूलवश संसार की क्षणभंगुर चीज़ों में सुख खोजते रहते हैं। धन, पद और भौतिक रिश्ते एक दिन छूट जाते हैं। मनुष्य जीवन हमें यह जानने का मौका देता है कि स्थायी आनंद केवल ईश्वर के साथ जुड़ने में है। जब तक हम इस मोह को नहीं तोड़ेंगे, तब तक जीवन का वास्तविक उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

संयम और नियम का पालन

जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाने के लिए, महाराज जी संयम, सदाचार और गुरु-सेवा पर बल देते हैं। एक नियमित दिनचर्या जिसमें भगवान का नाम-जप, कथा-श्रवण और सेवा शामिल हो, वही हमें सही मार्ग पर ले जाती है और जीवन के उद्देश्य को सफल बनाती है।

एक बार कर लें खाली गमले से जुड़े यह उपाय

हर किसी के घर में भी कोई न कोई खाली गमला पड़ा होता है। कुछ लोग इसे सिर्फ सजा-धजाने के लिए ही रखते हैं, लेकिन आप इसे एक ऐसे उपाय के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं जिससे घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश न कर पाए। खाली गमले अक्सर घर में सकारात्मक ऊर्जा को रोकने का कारण बन सकते हैं। वास्तु और ऊर्जा विज्ञान के अनुसार, खाली गमले या खाली बर्तन घर में अधूरी ऊर्जा को दर्शाते हैं, जिससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ सकता है। तो आइए है खाली गमले से जुड़े कुछ खास उपाय के बारे में-

खाली गमले की भूमिका समझें

खाली गमले घर में अधूरी ऊर्जा का प्रतीक होते हैं। वास्तु और ऊर्जा विज्ञान के अनुसार, ये नकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित कर सकते हैं।

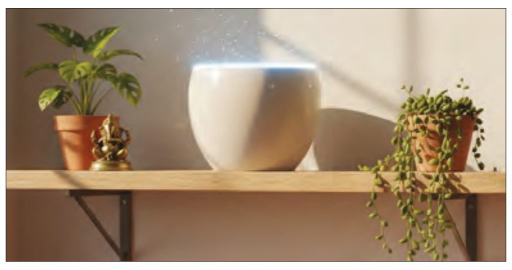

गमले को साफ करें

वास्तु के अनुसार, सबसे पहले गमले को अच्छी तरह से धो लें। किसी भी प्रकार की मिट्टी या धूल को हटाना जरूरी है। उसके बाद गमले में थोड़ी मिट्टी भरें और ऊपर से नमक या चावल डाल दें। नमक नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में मदद करता है।

सही स्थान पर रखें गमला

वास्तु के अनुसार, खाली गमले को घर के मुख्य द्वार, पूजा स्थल या उस कमरे में रखें जहां नकारात्मक ऊर्जा महसूस होती है।

समय-समय पर बदलाव करें

गमले की मिट्टी और नमक, चावल को समय-समय पर बदलते रहें ताकि ऊर्जा हमेशा ताजी बनी रहे। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा ही नहीं मिलती बल्कि घर में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी बढ़ती है।

पौधे लगाकर बढ़ाएं सकारात्मकता

वास्तु के अनुसार, गमले में छोटे पौधे लगाएं। यह उपाय न केवल नकारात्मक ऊर्जा को रोकेगा बल्कि घर में खुशहाली और सकारात्मक ऊर्जा भी बढ़ाएगा।

'मालव्य' और 'लक्ष्मी नारायण' राजयोग
इन 3 राशियों की चमकेगी किस्मत

आज के दिन दो प्रमुख ग्रहों, शुक्र और बुध के कारण दो बेहद शक्तिशाली और धन-संपत्ति देने वाले राजयोगों का निर्माण हो रहा हैः मालव्य राजयोग और लक्ष्मी नारायण राजयोग। इन राजयोगों के बनने से जहां कई राशियों को सकारात्मक परिणाम मिलेंगे, वहीं 3 राशियां ऐसी हैं जिनकी किस्मत चमकने वाली है। इन्हें व्यापार, नौकरी और प्रेम संबंधों में विशेष लाभ मिलने की संभावना है।

राजयोगों का निर्माणः कैसे और क्यों?

ज्योतिष में राजयोग तब बनते हैं जब कोई ग्रह अपनी उच्च राशि, स्वराशि या केंद्र त्रिकोण में शुभ स्थिति में होता है।

मालव्य राजयोग

यह राजयोग पंच महापुरुष योगों में से एक है, जो शुक्र ग्रह के कारण बनता है। इस वक्त शुक्र ग्रह अपनी राशि तुला में बहुत मजबूत स्थिति में है, जिससे मालव्य राजयोग का निर्माण हो रहा है। शुक्र को भौतिक सुख-सुविधाओं, कला, प्रेम, सौंदर्य, ऐश्वर्य और धन का कारक माना जाता है। इस योग के प्रभाव से व्यक्ति को जीवन में उच्च पद, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख प्राप्त होता है।

लक्ष्मी नारायण राजयोग

यह राजयोग धन की देवी मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु के प्रतिनिधि ग्रहों शुक्र और बुध के एक साथ शुभ स्थिति में आने से बनता है। शुक्र और बुध का एक विशेष भाव में मजबूत होना। यह योग जीवन में धन (लक्ष्मी) और बुद्धि (बुध) का संतुलन लाता है। इसके प्रभाव से व्यापार में वृद्धि होती है, आय के नए स्रोत खुलते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इस वक्त बुध ग्रह चंद्र, मंगल और सूर्य के साथ वृश्चिक राशि में स्थित होकर मजबूत स्थिति में है।

मेष राशि

धन लाभ और करियरः आपके कर्म भाव में बन रहा यह योग नौकरीपेशा लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आपको अपने काम में बड़ा प्रमोशन मिल सकता है या आपकी सैलरी में शानदार वृद्धि हो सकती है।

व्यापारः व्यापारियों को रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा और अचानक धन लाभ के योग बनेंगे। आपको साझेदारी के कार्यों में सफलता मिलेगी।

उपायः धन लाभ के लिए प्रतिदिन देवी लक्ष्मी के मंत्र का जाप करें।

तुला राशि

सुख-समृद्धि और व्यक्तित्वः चूंकि शुक्र ग्रह आपकी राशि

का स्वामी है और मालव्य योग बना रहा है, इसलिए आपको सर्वोच्च लाभ मिलने की संभावना है। आपके व्यक्तित्व में आकर्षण बढ़ेगा, और लोग आपसे प्रभावित होंगे।

संपत्तिः आपको नई संपत्ति या वाहन खरीदने का मौका मिल सकता है। घर परिवार में खुशियां और सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

उपायः आज के दिन सफेद या गुलाबी रंग के वस्त्र पहनना आपके लिए शुभ रहेगा।

कुंभ राशि

आय और निवेशः आपके आय भाव और लाभ भाव में यह योग बन रहा है, जो आपको अप्रत्याशित रूप से लाभ दिलाएगा। आपके आय के स्रोत बढ़ेंगे और फंसा हुआ पैसा वापस मिलेगा।

संबंधः प्रेम और वैवाहिक जीवन में मधुरता आएगी। मित्रों और बड़े भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।

उपायः शनि देव के दिन पीपल के पेड़ के नीचे दीया जलाएं, इससे आर्थिक बाधाएं दूर होंगी।

राजयोगों का लाभ उठाने के लिए क्या करें?

शुक्र को करें मजबूतः मालव्य योग का पूरा लाभ उठाने के लिए सफेद वस्तुओं (जैसे चावल, दूध, चीनी) का दान करें और मां लक्ष्मी की पूजा करें।

शूटिंग के दौरान फातिमा को पड़ा था मिर्गी का दौरा

विजय वर्मा बोले- मैं असहाय महसूस कर रहा था

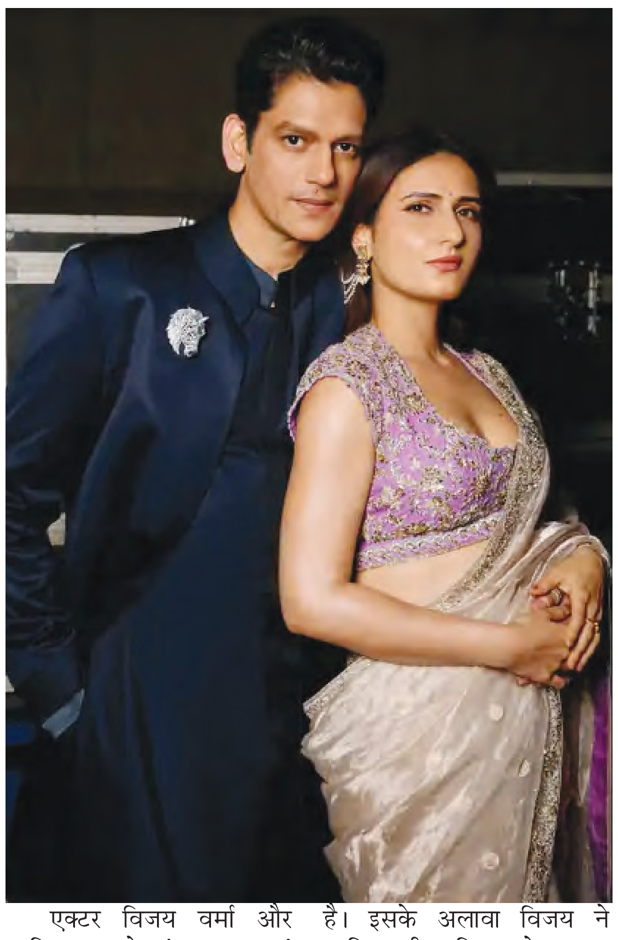

एक्टर विजय वर्मा और फातिमा सना शेख 'गुस्ताख इश्क' के जरिए जल्द ही बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। फिलहाल विजय और फातिमा फिल्म के प्रमोशन के लेकर बिजी हैं। इसी दौरान उन्होंने एक इंटरव्यू में मेंटल हेल्थ पर खुलकर बात की है। इसके अलावा विजय ने फातिमा की परमिशन से गुस्ताख इश्क के सेट पर हुए उनके मेडिकल कंडीशन एपिलेप्सी (मिर्गी) का किस्सा शेयर किया। दरअसल, दोनों ही स्टार मैशेबल इंडिया के पॉडकास्ट में पहुंचे थे। यहां पर विजय ने बताया कि कैसे फातिमा को पहले से पता चल गया था कि उनकी तबीयत बिगड़ने वाली है। विजय कहते हैं- 'जब हम शूट कर रहे थे तो इसने मुझे और कुछ क्रू मेंबर्स को पहले ही बता दिया था कि अगर अटैक आता है तो हमें क्या करना है। राइट साइड करके लेटाना है। सिर के नीचे तकिया रखना है। मुंह पर कुछ नहीं होना चाहिए। सांस लेने के लिए स्पेस होना चाहिए।

मुझे लगा कि शायद वो डराने के लिए ऐसा बोल रही है। उसी रात पैकअप के समय मैं शूटिंग के बीच में बाहर बैठकर किताब पढ़ रहा था, तभी मुझे अचानक एक आवाज सुनाई दी। मैं अंदर गया, तब तक फातिमा को दौरा पड़ चुका था।'वो आगे कहते हैं- 'उस वक्त मैं खुद को बहुत कमजोर और असहाय महसूस कर रहा था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं। मुझे वो सारी बातें याद आईं जो उसने मुझे बताई थीं। हमने शूट पर एक बेड खाली किया और उसे लेटा दिया। हवा आने की जगह बनाई। आसपास बहुत लोग थे, उन्हें कम करा दिया।मैं बस उसके सिर पर हाथ रख पास बैठ गया। ये कुछ देर तक चला। फिर हम उसे कार में होटल ले गए। जब वह होटल आई तो होश में थी, लेकिन उसे कुछ याद नहीं था।'

बता दें कि फातिमा सना शेख ने रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में पहली बार मिर्गी के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि कैसे इस बीमारी के साथ जीना आसान नहीं है। विजय और फातिमा के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर पिछले साल नेटफ्लिक्स की फिल्म 'मर्डर मुबारक' और सीरीज 'IC 814:द कंधार हाईजैक' में नजर आए थे। वहीं, फातिमा हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'आप जैसा कोई' और 'मेट्रो इन दिनों' में दिखी थीं।

श्रद्धा कपूर को फिल्म की शूटिंग के दौरान लगी चोट

डांस करते समय टूटी पैर की उंगली

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ईथा पर काम कर रही हैं। यह फिल्म मशहूर लावणी डांसर और तमाशा कलाकार विठाबाई भाऊ नारायणगांवकर की बायोपिक है। फिल्म की शूटिंग महाराष्ट्र के नासिक के पास औंधेवाडी में चल रही थी।

अब फिल्म की शूटिंग को लेकर मिड डे की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले हफ्ते डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर को शूटिंग रोकनी पड़ी, क्योंकि श्रद्धा के बाएं पैर की एक उंगली में फ्रैक्चर हो गया। चोट उन्हें उस समय लगी, जब वह लावणी डांस का एक सीन कर रही थीं।

एक सूत्र ने बताया कि लावणी संगीत में तेज ताल और फास्ट स्टेप्स होते हैं। इस गाने को संगीतकार अजय गोगावले और अतुल गोगावले ने तैयार किया है। श्रद्धा इस गाने में चमकीली नऊवारी साड़ी, भारी गहनों और कमरपट्टा में नजर आने वाली थीं। उन्होंने युवा विठाबाई का रोल निभाने के लिए करीब 15 किलो वजन बढ़ाया था। डांस के एक स्टेप में उन्होंने सारा वजन बाएं पैर पर डाल दिया और उनका बैलेंस बिगड़ गया, जिससे उन्हें चोट लगी।

श्रद्धा की चोट के बाद लक्ष्मण उतेकर ने नासिक का शूटिंग शेड्यूल कैंसिल कर दिया। हालांकि श्रद्धा चाहती थीं कि समय बर्बाद न हो। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन सीन में मूवमेंट नहीं है, उन्हें मुंबई में शूट किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, टीम ने मुंबई के मड आइलैंड में सेट बनाकर क्लोज-अप और इमोशनल सीन की शूटिंग शुरू की, लेकिन दो दिन बाद श्रद्धा का दर्द बढ़ गया, इसलिए शूटिंग फिर रोकनी पड़ी। अब टीम दो हफ्ते बाद, उनके पूरी तरह ठीक होने के बाद, शूटिंग दोबारा शुरू करेगी।

बता दें कि श्रद्धा कपूर के अलावा, इस फिल्म में रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी अहम भूमिका निभाएंगे। फिल्म का डायरेक्शन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं और इसे दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है।

नागा चैतन्य के जन्मदिन पर शोभिता ने शेयर की रोमांटिक तस्वीर, प्रोटेक्टिव पति के रूप में नजर आए एक्टर

शोभिता धुलिपाला और नागा चैतन्य साउथ के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। शोभिता ने आज अपने पति चै अक्किनेनी उर्फ नागा चैतन्य के 39वें जन्मदिन पर उनके साथ एक रोमांटिक तस्वीर सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इस तस्वीर में दोनों एक-दूजे के साथ बेहद खुश लग रहे हैं, वहीं नागा इस तस्वीर में प्रोटेक्टिव हस्बैंड के रूप में दिखाई दे रहे हैं।

शोभिता का पोस्ट

शोभिता ने पति नागा के जन्मदिन के अवसर पर एक प्यारी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस तस्वीर में नागा चैतन्य पत्नी शोभिता के स्वेटर की जिप लगाते हुए उन्हें ठंड से बचाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। उन्होंने इस पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो, प्रेमी @chayakki-neni।' वहीं नागा ने शोभिता की इस पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए लाल दिल वाला इमोजी बनाया है।

शोभिता और नागा की शादी

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला ने 4 दिसंबर, 2024 को हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में एक पारंपरिक तेलुगु समारोह में शादी की। यह शादी परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में हुई। नागा और शोभिता की शादी के कई वीडियो और तस्वीरें काफी समय तक सोशल मीडिया पर छाए रहे।

नागा चैतन्य का वर्कफ्रंट

नागा चैतन्य को आखिरी बार फिल्म 'थंडेल' में देखा गया था। अब वह बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट 'एनसी24' में दिखाई देंगे, जिसका शीर्षक 'वृषकर्मा' है। यह फिल्म सुकुमार द्वारा लिखित और कार्तिक दंडू द्वारा निर्देशित है। फिल्म का पहला पोस्टर और फिल्म का टाइटल आज अभिनेता के 39वें जन्मदिन पर जारी किया गया है।

इंडियन नेवी के इवेंट में पहुंचे रितेश देशमुख और सुनील शेट्टी; कहा- लोगों के बीच दूरी कम करते हैं ऐसे कार्यक्रम

मुंबई में इंडियन नेवी की तरफ से मैराथन का आयोजन किया गया। अभिनेता रितेश देशमुख और सुनील शेट्टी ने डब्ल्यूएनसी हाफ मैराथन 2025 के 10 किलोमीटर के सेगमेंट को हरी झंडी दिखाई। दोनों अभिनेताओं ने वेस्टर्न नेवल कमांड के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ कृष्णा स्वामीनाथन का साथ दिया।

इवेंट में आए सुनील शेट्टी, रितेश देशमुख और अहान शेट्टी

इस मैराथन का मकसद मुंबई शहर और उसके लोगों तक पहुंच को मजबूत करना है। रविवार सुबह, सैकड़ों धावक बॉलीवुड एक्टर्स और वेस्टर्न नेवल कमांड के अधिकारियों की मौजूदगी में मैराथन के 8वें एडिशन में हिस्सा लेने के लिए इकट्ठा हुए। सुनील शेट्टी के बेटे, एक्टर अहान शेट्टी भी इस इवेंट में शामिल हुए और मैराथन को हरी झंडी दिखाने के लिए स्टेज पर आए।

लोगों से जुड़ना है मकसद

इस मौके पर रितेश देशमुख ने मीडिया से कहा 'वर्षों से मुंबई और नेवी में अटूट बंधन है। भारतीय जहाज निर्माण की शुरुआत मुंबई में हुई। यह मुंबई के लोगों से जुड़ने और दूरी को कम करने के लिए नेवी का प्रोग्राम है। आज मैराथन में 23000 लोग हिस्सा ले रहे हैं। सभी को फिटनेस को प्राथमिकता देनी चाहिए और कोई खेल खेलना चाहिए।'

सुनील शेट्टी ने अधिकारियों का शुक्रिया अदा किया

सुनी शेट्टी ने मीडिया से कहा 'मैं नेवल अधिकारियों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जो उन्होंने हमें दिया। 21 किलोमीटर मैराथन स्टैमिना और फिटनेस के लिए है लेकिन हमारे अधिकारी हर दिन हमारे लिए जो मैराथन दौड़ते हैं, वह हिम्मत और त्याग की बात है। इसकी कोई फिनिश लाइन नहीं होती। इस तरह के मैराथन अक्सर होने चाहिए। इस तरह के इवेंट लोगों को करीब लाते हैं।'

दिल्ली की जहरीली हवा पर कृति सेनन ने जताई चिंता, बोलीं- कदम उठाना होगा

दिल्ली की बिगड़ती हवा एक बार फिर चर्चा में है और इस बार आवाज उठाई है बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने। अपनी आने वाली फिल्म 'तेरे इश्क में' के प्रमोशन के लिए राजधानी पहुंचीं कृति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदूषण पर खुलकर चिंता जताई।

दिल्ली के प्रदूषण पर बोलीं कृति

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कृति ने अपने दिल्ली कनेक्शन को याद करते हुए बताया कि वो बचपन से इस शहर की हवा, मौसम और जीवन को जानती हैं। उनके अनुसार बीते कुछ वर्षों में बदलाव सिर्फ दिखाई नहीं देता, बल्कि महसूस भी होता है। उन्होंने कहा कि जिस स्तर तक प्रदूषण पहुंच चुका है, अगर कदम नहीं उठाए गए तो हालत ऐसे हो जाएंगे कि लोग पास खड़े होकर भी एक-दूसरे को देख नहीं पाएंगे।

कांग्रेस नेता ने जताया आभार

कृति सेनन के इस बयान को सुनने के बाद कांग्रेस नेता अभिषेक दत्त ने उन्हें धन्यवाद कहा है। उन्होंने कहा, 'मैं उनका धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने यह मुद्दा उठाया। दिल्ली का प्रदूषण हर कोई देख रहा है, बस दिल्ली सरकार को छोड़कर।'

धनुष के साथ काम करने का अनुभव

'तेरे इश्क में' में कृति के साथ नजर आने वाले हैं साउथ सुपरस्टार धनुष। उनके साथ काम करने को लेकर कृति ने कहा कि धनुष एक बेहतरीन कलाकार हैं, जिनकी समझ, सहजता और अनुभव सेट पर हर पल दिखती है। कृति ने बताया कि धनुष की गहराई और अभिनय की बारीकियों को समझने की क्षमता उनके साथ हर सीन को खास बना देती है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि कई बार किसी इमोशनल या इंटेंस सीन के बाद दोनों बस एक-दूसरे को देखते और कहते- हां, ये सीन जम गया!'

फिल्म की कहानी और रिलीज

आनंद एल. राय के निर्देशन में बनी 'तेरे इश्क में' 28 नवंबर 2025 को बड़े पैमाने पर रिलीज होने वाली है। टी-सीरीज और कलर येलो प्रोडक्शन द्वारा निर्मित यह फिल्म दिल्ली के कई हिस्सों में शूट की गई है। ए.आर. रहमान के संगीत और इरशाद कामिल के गीतों के साथ यह रोमांटिक ड्रामा पहले से ही चर्चा में है। फिल्म हिंदी और तमिल- दो भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

रोनित रॉय ने लिया सोशल मीडिया से ब्रेक

कहा- परिवार के लिए नया रास्ता बनाना है, प्लीज मुझे भूलना मत

पॉपुलर एक्टर रोनित रॉय ने सोशल मीडिया से ब्रेक ले लिया है। उन्होंने शनिवार को इसकी अनाउंसमेंट करते हुए कहा कि वो ये कदम परिवार के लिए उठा रहे हैं। साथ ही एक्टर ने फैंस से दूरी बनाने पर माफी मांगते हुए उम्मीद की है कि लोग उन्हें न भूलें।

रोनित रॉय ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम से इसकी घोषणा करते हुए लिखा है, 'हैलो, जो मैं कहने वाला हूं, वह प्यार, समझ और कोमलता की जगह से आ रहा है। आप सब जानते हैं कि मैं आपसे प्यार करता हूं। मैं स्क्रॉल करता हूं, आपकी पोस्ट्स लाइक करता हूं, आपकी पोस्ट्स पर कमेंट करता हूं और जितने मैसेजेस का मैं जवाब दे सकता हूं, देता हूं।'

आगे उन्होंने लिखा, 'जो कुछ भी मुझे मिला है, उसके लिए मैं अत्यंत आभारी हूं। मैं हर चीज को संजोकर रखता हूं। खासकर वह प्यार और सम्मान जो मुझे आप सब से मिला है, जिसे मैं संजोकर रखता हूं और अपने दिल के बहुत करीब रखता हूं। हालांकि, मैं जिंदगी के उस मुकाम पर पहुंच गया हूं जहां मुझे अपने और अपने परिवार के लिए नया रास्ता बनाना है। एक ऐसा रास्ता जो उम्मीद है कि मुझे एक बेहतर इंसान, रिश्तों में बेहतर और एक बेहतर अभिनेता की ओर ले जाएगा। यह रास्ता ऐसा है जिस पर मैं पहले नहीं चला हूं। आराम और पुरानी बुरी आदतों को पीछे छोड़ो। कूदो और दायरे से बाहर जीयो। डरावना है, मैं जानता हूं, लेकिन करना जरूरी है।'

'पूरी तरह डिजिटल दूरी मेरे मानसिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत होने और अपने नए रूप को खोजने की असल वजह में से एक है (जिसे उम्मीद है कि आप सब और ज्यादा पसंद करेंगे)। इसलिए कुछ समय के लिए (पता नहीं कितने समय तक) कृपया माफ करें कि मैं सोशल मीडिया पर बिल्कुल भी सक्रिय नहीं रहूंगा।'

आखिर में रोनित ने लिखा, 'कहने की जरूरत नहीं कि आपके प्यार से दूर रहकर जीना असंभव है, इसलिए जैसे ही व्यक्तिगत लक्ष्य पूरे हो जाएं और बेहतर आदतें अपनाई और अभ्यास की जाएं, मैं वापस आऊंगा। कृपया मुझे मत भूलना। आप सबको प्यार, और भगवान आप सबको आशीर्वाद दे।'

ये पोस्ट करने के बाद रोनित रॉय ने अपना कमेंट सेक्शन भी बंद कर दिया है। रोनित रॉय के इंस्टाग्राम पर 1 मिलियन फॉलोवर्स हैं। करियर की बात करें तो रोनित रॉय आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई काजोल स्टारर फिल्म मां में नजर आए हैं। रोनित रॉय ने एक्ट्रेस और मॉडल नीलम सिंह से शादी की थी, जिससे उन्हें एक बेटी आदोर और बेटा अगस्त्या है।

अजित कुमार को मिला 'जेंटलमैन ड्राइवर ऑफ द ईयर 2025' का सम्मान

तमिल सुपरस्टार अजित कुमार इन दिनों सुर्खियों में हैं। इस साल की शुरुआत में उन्हें भारत का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान पद्म भूषण मिला था और अब उन्हें इटली के वेनिस में 'जेंटलमैन ड्राइवर ऑफ द ईयर 2025' का खिताब दिया गया है। यह पुरस्कार फिलिप चारिओल मोटरस्पोर्ट ग्रुप की ओर से दिया गया है।

अजित की पत्नी ने शेयर की खास तस्वीरें

अजित की पत्नी शालिनी ने पुरस्कार समारोह की खास तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'अपने पति अजित को मिले इस सम्मान के लिए बेहद खुश हूं।' अजित को रेसिंग ड्राइवर, दिवंगत फिलिप चारिओल के सम्मान में 2025 के जेंटलमैन ड्राइवर से सम्मानित किया गया है।

अजित का वर्कफ्रंट

अजित कुमार न सिर्फ एक शानदार अभिनेता हैं, बल्कि प्रोफेशनल कार रेसर और पायलट भी हैं। अजित कुमार को कार रेसिंग का बहुत शौक है। वे प्रोफेशनल रेसर हैं और कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रेस में हिस्सा ले चुके हैं। पिछले कुछ साल में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। अजित हालिया फिल्म 'गुड बैड अग्ली' में नजर आए थे।

कथित तौर पर अब उनकी अगली फिल्म निर्देशक अधिक रविचंद्रन के साथ होगी, जिसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होने वाली है। 35 साल के करियर में उन्होंने 63 से ज्यादा फिल्में की हैं।

अनुपम खेर ने साई पल्लवी के साथ शेयर की अनदेखी तस्वीर, फिल्म 'रामायण' के लिए दी शुभकामनाएं

गोवा में चल रहे 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान अनुपम की मुलाकात साउथ अभिनेत्री साई पल्लवी से हुई। इस पल की एक खास तस्वीर अनुपम ने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इसके साथ ही उन्होंने 'रामायण' एक्ट्रेस की जमकर तारीफ भी की।

अनुपम का पोस्ट

अनुपम खेर ने साई पल्लवी के साथ हुई इस खास मुलाकात की एक तस्वीर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की। इस मुलाकात के दौरान अनुपम को साई बहुत सच्ची, प्यारी, स्वाभाविक और विनम्र लगीं। इस तस्वीर के साथ अनुपम ने कैप्शन में लिखा, 'खूबसूरत एक्ट्रेस साई पलल्वी से खास मुलाकात। उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई। थोड़ी देर की बातचीत में वो बिल्कुल सच्ची, प्यारी और सहज लगीं। वो कमाल की अभिनेत्री हैं। उनके आने वाले सभी प्रोजेक्ट्स के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। जय हो।'

गोवा में क्यों हैं साई पल्लवी

साई अपनी फिल्म 'अमरन' की वजह से गोवा में हैं। IFFI में साई पल्लवी और शिवकार्तिकेयन की फिल्म 'अमरन' को बहुत बड़ा सम्मान मिला है। यह फिल्म भारतीय पैनोरमा सेक्शन की ओपनिंग फिल्म बनी और गोल्डन पीकॉक पुरस्कार के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी नामांकित हुई है।

फिल्म 'अमरन' के बारे में

फिल्म 'अमरन' असल में मेजर मुकुंद वर्मा की सच्ची कहानी पर बनी है, जो शिवकार्तिकेयन ने निभाया है और साई पल्लवी उनकी पत्नी सिंधु के किरदार में हैं। फिल्म उस बहादुर सैनिक की जिंदगी और बलिदान की कहानी दिखाती है। इस फिल्म में दर्शकों को दोनों कलाकारों का अभिनय बेहद पसंद आया।

साई का वर्कफ्रंट

'रामायणः पार्ट 1' को दिवाली 2026 पर रिलीज करने की योजना है, जबकि 'पार्ट 2' दिवाली 2027 में सिनेमाघरों में आएगी। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे।

'मेडिकल लैब टैक्नीशियन' बनकर संवारें भविष्य

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में मैडीकल लैब टैक्नीशियन एक महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। छोटी से छोटी बीमारी के लिए डॉक्टर मरीजों की विभिन्न तरह की जांच कराते हैं, ताकि असली मर्ज और उसकी स्थिति का पता चल सके। ऐसे में सही इलाज और दवा के लिए मैडीकल लैब टैक्नीशियन की भूमिका अहम हो जाती है। ऐसी प्रयोगशालाओं पर काम करने के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की जरूरत होती है ।

इन प्रशिक्षित तकनीशियनों को चिकित्सा के क्षेत्र में मैडीकल लैबोरेट्री टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी.) कहा जाता है। एम.एल.टी. की पढ़ाई में बायोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी और ब्लड बैंकिंग शामिल हैं। एम.एल.टी. शरीर में खून, खून के प्रकार, सैल और अन्य अवस्थाओं का विश्लेषण करता है।

कार्यक्षेत्र

मैडीकल लैब टैक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रखरखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होते हैं। लैबोरेट्री में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टैक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मैडीकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टैक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। एम.एल.टी. का काम बहुत जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है।

कोर्स के दौरान पाठ्यक्रम

इस फील्ड की जानकारी रखने वालों में से एक पैरामैडीकल एंड मैनेजमैंट इंस्टीच्यूट की प्रिंसिपल अरुणआ सिंह के अनुसार मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एवं ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एन्वारनमैंट एंड बायोमैडीकल वेस्ट मैनेजमैंट, मैडीकल लैबोरेट्री टैक्नोलाजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण की ट्रेनिंग व शिक्षा दी जाती है।

कोर्स एवं योग्यता

कई तरह के कोर्स उपलब्ध हैं जैसे सर्टीफिकेट इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी (सी.एम.एल.टी.) यह 6 महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता 10वीं पास है। वहीं डिप्लोमा इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक साल। 12वीं में प्रमुख विषय के रूप में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी (पी.सी.बी.) तथा फिजिक्स, कैमिस्ट्री और मैथ्स (पी.सी.एम.) के साथ पास होना अनिवार्य है। बी.एससी. इन एम.एल.टी. के लिए 12वीं कक्षा विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है।

साथ ही इस कोर्स की अवधि है 3 वर्ष । एम.एस सी. इन मैडीकल लैबोरेट्री टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए। इसके बाद 2 वर्षीय एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कॉलेज, टैक्निकल स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

रोजगार के अवसर

मैडीकल लैबोरेट्री तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है। छात्र इस तरह के प्रशिक्षण लैबोरेट्री कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मैडीकल लैबोरेट्री तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है। प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर सम्भावनाएं होती हैं।

आप किसी भी मैडीकल लैबोरेट्री, अस्पताल, पैथोलाजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी डिमांड रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टैंट के अलावा खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं।

आमदनी

सामान्य तौर पर एक फ्रैशर एम.एल.टी. का वेतन 10 हजार रुपए से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को 30 से 40 हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। खास बात यह कि देश के साथ-साथ विदेशों में मैडीकल लैब टैक्नीशियन की खासी डिमांड है।

सफलता की पहली सीढ़ी है 'आत्मविश्वास'

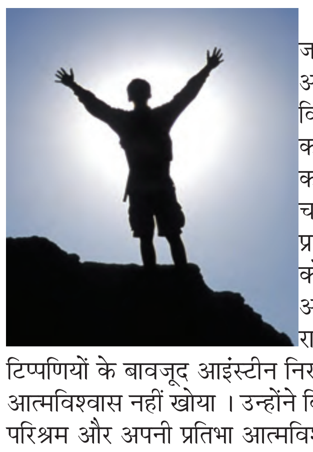

प्रतिभा, योग्यता, सफलता के बीज प्रत्येक मानव के अंदर छुपे होते हैं । जरूरत है उन्हें अंकुरित करने, पुष्पितपल्लवित करने की। इसके लिए जो कला आवश्यक है, वह है परिश्रमशीलता और आत्मविश्वास । यदि हमें खुद पर विश्वास है तो हम जरूर मंजिल तक पहुंच सकते हैं । कोई काम कितना भी कठिन क्यों न हो, दृढ़ आत्मविश्वास से पूरा किया जा सकता है। जीवन में कामयाब होने के लिए सबसे जरूरी है कि हमें अपने आप पर भरोसा होना चाहिए। जिनके पास आत्मविश्वास है, वे विपरीत परिस्थितियों में भी सफलता प्राप्त कर लेते हैं । से बड़ी चुनौती का सामना करके सफलता की बुलंदियों को छू सकता है। दुनिया के महान से महान कार्य साधारण व्यक्तियों ने अपने आत्मविश्वास के बल पर ही पूरे किए हैं। के शिक्षकों की आइंस्टीन राय उनके बारे में बहुत अच्छी न थी, लेकिन तमाम कमियों, तीखी टिप्पणियों के बावजूद आइंस्टीन निराश नहीं हुए। जीवन के प्रति उनमें आशा बनी रही क्योंकि उन्होंने अपना आत्मविश्वास नहीं खोया । उन्होंने किसी टीचर की टिप्पणी से आहत होकर आत्महत्या नहीं की, बल्कि अपने परिश्रम और अपनी प्रतिभा आत्मविश्वास से भरपूर व्यक्ति बड़ी से नोबेल पुरस्कार तक प्राप्त किया ।

कृषि क्षेत्र में बढ़ रही हैं नौकरियां, आधुनिक तकनीक और नए नवाचारों से बन रहीं बेहतर संभावनाएं

विश्व की तेजी से बढ़ती जनसंख्या की खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करना और लोगों तक गुणवत्तापूर्ण, पौष्टिक भोजन पहुंचाना दिन-प्रतिदिन चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। हमारे देश की अधिकतम आबादी कृषि कार्य से जुड़ी है, लेकिन दुर्भाग्य से इनमें से अधिकांश लोग अकुशल या अर्द्धकुशल हैं।

इसी कारण कृषि क्षेत्र में मानव संसाधन और आधुनिक तकनीक का पूरा उपयोग नहीं हो पाता, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर बनी रहती है। योग्य और कुशल युवा बेहतर अवसरों की तलाश में सेवा और उद्योगों की ओर चले जाते हैं और जिन्हें कहीं अवसर नहीं मिलता वे मजबूरी में कृषि से जुड़े रहते हैं।

हालांकि समय तेजी से बदल रहा है। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और नए नवाचारों का उपयोग कर कई लोगों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। आने वाले समय में कृषि क्षेत्र में कॅरिअर के उत्कृष्ट अवसर तेजी से बढ़ेंगे।

पाठ्यक्रम की जानकारी

कृषि क्षेत्र से जुड़े अधिकांश लोग अशिक्षित या अकुशल होते हैं। इसमें कॅरिअर बनाने के इच्छुकों के लिए सरकार विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करती है।

इनमें बीटेक (एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग), बीएससी (एग्रीकल्चर), बीएससी (फिशरीज), बीएससी (हॉर्टीकल्चर), एबीएम (कृषि प्रबंधन) सहित कई डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स उपलब्ध हैं।

सरकार किसानों को आधुनिक तकनीक के उपयोग और कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों में प्रशिक्षण भी प्रदान करती है।

स्टार्टअप शुरू करने के अवसर

कृषि क्षेत्र में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में स्वरोजगार, स्वयं का स्टार्टअप या उद्यमिता शुरू करने के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। सरकार कृषि उद्यमिता के माध्यम से रोजगार बढ़ाने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है।

सरकारी क्षेत्र में शिक्षा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारतीय खाद्य निगम, कृषि विभाग, गन्ना एवं बागवानी अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, बैंकिंग और नाबार्ड आदि में रोजगार के कई अवसर मिलते हैं। वहीं उर्वरक, पेस्टिसाइड, बीज संवर्धन जैसे क्षेत्रों में कार्य करने वाली निजी कंपनियां, जैसे सीड, इफ्को, महिको, सैंजेंटा आदि कई कॅरिअर विकल्प प्रदान करती हैं।

आपको ड्रोन ऑपरेशन, स्मार्ट फार्मिंग, एग्री-टेक प्रबंधन और कृषि डाटा विश्लेषण जैसे कामों में उत्कृष्ट कॅरिअर बनाने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा, आप यूपीएससी द्वारा आयोजित आईएफएस परीक्षा की तैयारी भी कर सकते हैं।

प्रमुख शिक्षण संस्थान

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं प्रबंधन अकादमी

भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर

भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बंगलूरू

काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में करिअर

जॉब के साथ एंटरप्रेन्योर बनने का मौका, हर महीने लाखों रुपए कमा सकते हैं

ब्यूटी और ग्रूमिंग उद्योग

भारत जैसे देश में, जहां बेरोजगारी एक चुनौती बनी हुई है, वहां वोकेशनल ट्रेनिंग कार्यक्रम उम्मीद की किरण है। ब्यूटी और ग्रूमिंग इंडस्ट्री में बढ़ोतरी के साथ, ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में करिअर बनाना भारतीय युवाओं के लिए एक प्रैक्टिकल ऑप्शन बन गया है।

ब्यूटी और ग्रूमिंग इंडस्ट्री, जिसमें हेयर स्टाइलिंग, मेकअप आर्टिस्ट्री, स्पा ट्रीटमेंट और सैलून मैनेजमेंट जैसी सर्विसेज शामिल हैं। इसमें करिअर संवारने के साथ ही कमाई और अपनी क्रिएटिविटी को निखारने का भी बहुत स्कोप है।

कोर्सेस और संस्थान

ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में करिअर शुरू करने के लिए डिग्री, डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएशन और यहां तक कि डॉक्टरेट (कॉस्मेटोलॉजी में) तक के कोर्सेज उपलब्ध हैं।

इन कोर्सेज को बालों की देखभाल, त्वचा की देखभाल, मेकअप, स्पा ट्रीटमेंट, सैलून मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में ट्रेनिंग और प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए डिजाइन किया गया है।

भारत के कुछ मशहूर संस्थान जो ब्यूटी और हेयर स्टाइलिंग कोर्सेज कराते हैं-

शहनाज हुसैन ब्यूटी अकेडमी

लक्मे अकादमी (पॉवर्ड बाय एप्टेक)

जावेद हबीब हेयर एंड ब्यूटी एकेडमी

क्रिस्टीन वाल्मी इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ ब्यूटी

वीएलसीसी इंस्टीटूशन ऑफ़ ब्यूटी एंड न्यूट्रीशियन

ब्लॉसम कोचर कॉलेज ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स एंड डिजाइन

कमाई का स्कोप

ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में कमाई एक्सपीरियंस, एक्सपर्टीज, प्लेस और कस्टमर्स की डिमांड के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। शुरुआती स्टेज में 15,000 रुपए से 25,000 रुपए प्रति माह आमदनी हो सकती है। एक्सपीरियंस के बाद कमाई बढ़ने लगती है। ट्रेंड प्रोफेशनल, सैलून मालिक और हेयर स्टाइलिस्ट हर महीने 50,000 रुपए से लेकर कई लाख रुपए तक कमा सकते हैं।

स्पेशलाइजेशन

ब्यूटी सर्विसेज और हेयर स्टाइलिंग में कई स्पेशलाइजेशन मुमकिन हैं। इनमें व्यक्ति अपनी रुचि और विशेषज्ञता के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। कुछ लोकप्रिय विशेषज्ञता में हेयर कटिंग और स्टाइलिंग, हेयर कलरिंग, ब्राइडल मेकअप, स्पा थैरेपी, सैलून मैनेजमेंट, स्किनकेयर और नेल आर्ट शामिल हैं।

किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करके, पेशेवर अपने लिए एक जगह बना सकते हैं और एक विशिष्ट ग्राहक वर्ग को पूरा कर सकते हैं, जिससे उनकी कमाई की क्षमता और पेशेवर विकास में वृद्धि होती है।

प्रोफेशन का दायरा

ब्यूटी और ग्रूमिंग उद्योग का विकास केवल सैलून सेवाओं तक ही सीमित नहीं है। यह फिल्म और टेलीविजन, फैशन और शादी उद्योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों तक फैला हुआ है। भारत सांस्कृतिक और सिनेमाई विविधता का केंद्र होने के साथ ये क्षेत्र कुशल पेशेवरों के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं।

उदाहरण के लिए संध्या शेकर, मिकी कॉन्ट्रैक्टर, आरती नय्यर आदि जैसे देश के प्रसिद्ध मेकअप कलाकार हैं तो वही बियांका लॉज़ादो, श्रद्धा लूथरा, ओजस रजनी इत्यादि देश के प्रसिद्ध ब्राइडल मेकअप कलाकार हैं। उनकी विशेषज्ञता और प्रतिभा ने उन्हें उनके संबंधित क्षेत्रों में पहचान और सम्मान अर्जित किया है। ये वास्तविक जीवन के उदाहरण सौंदर्य उद्योग में उपलब्ध असीम क्षमता और अवसर दिखाते हैं।

रोजगार के अवसर प्रदान करने के अलावा सौंदर्य सेवाओं और हेयर स्टाइलिंग में अनेक लोग अपना सफल उद्यम भी शुरू करते हैं। यदि आप कम प्रारंभिक निवेश से कोई व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं तो यह एक अच्छा व्यवसाय है।

डॉक्टरों की मददगार 'डिजिटल तकनीक'

प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन को 360 डिग्री बदल दिया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी विशेषकर महामारी के बाद इसका इस्तेमाल बहुत बढ़ गया है। आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस और मशीन लर्निंग (ए.आई./एम.एल.) और अन्य उभरती तकनीकें नए दरवाजे खोलते हुए रोगी की अपेक्षाओं को बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वालों के साथ बेहतर ढंग से जुड़ने और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में सुधार की पेशकश कर रही हैं।

पूरे तंत्र को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा पेशेवरों को अपने कौशल को नए उपचार के तौरतरीकों के साथ अपडेट रखना महत्वपूर्ण है। आने वाले दिनों में चिकित्सा क्षेत्र पूरी तरह से डेटा विज्ञान, डिजिटल कौशल और जीनोमिक्स पर निर्भर हो सकता है और इसलिए सुचारू रूप से कार्य करने के लिए तकनीकी ज्ञान बहुत महत्वपूर्ण होगा।

यह सीमित संसाधनों के साथ अधिक रोगियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की दक्षता बढ़ाने में भी मदद करेगा। भविष्य में चिकित्सकों को प्रभावी ऑनलाइन शिक्षण प्रणालियों की मदद से चिकित्सा प्रगति, निदान और उपचार, देखभाल तथा सर्वोत्तम प्रथाओं से खुद को अपडेट रखना होगा। वे इसके लिए शैक्षिक उपकरणों की सहायता भी ले सकते हैं। इससे डॉक्टरों को रोगियों के लाभ के लिए उपयुक्त उपचार प्रदान करने में मदद मिलेगी। चिकित्सा से जुड़े पेशेवरों को खुद को आगे बढ़ाते रहने के लिए नई भूमिकाओं के लिए सही कौशल सीखने होंगे। साथ ही

कम पैसों में शुरू करें शानदार कमाई वाले बिजनेस

ऐसे में अगर आप भी कमा में माहिर है तो इसकी शुरूआत कर सकते हैं और अच्छी कमाई कर सकते हैं ! इस तरह के काम में रूम डेकोरेट , खिलौना , वाल पेंटिंग या त्योहार में बनने वाली रंगोली आती हैं, जिसकी डिमांड हमेशा से ही मार्केट में रही है ! आज के समय में कला का बिजनेस काफी बड़े स्तर पर विस्तारवादी और पूंजीवादी बन चुका है ! कम लगत में इन्हीं बिजनेस को शुरू कर लोग सफल हो रहे हैं, तो चलिए आपको भी बताते हैं कि ऐसे कुछ बिजनेस के बारे में जिसे शुरू कर आप अच्छा पैसा कमाया सकते हैं !

दीवारों पर पेंटिंग करने का कारोबार

समय के साथ-साथ अब घर की साज-सजावट में भी काफी बदलाव देखे को मिल रहे हैं ! लोग अपने घरों को बेहद ही अलग तरीके से सजाना पसंद करते हैं ! जहां दिवारों पर अलग तरह के रंग और डिजाइन बनाए जाते हैं ! इसके अलावा अब तक घरों की छतों पर भी काफी खूबसूरत डिजाइन बनाए जाने लगे हैं ! ऐसे में लोग घर की साज-साजावट के लिए इंटीरियर डेकोरेशन का सहारा लेते हैं ! साथ ही इसके लिए काफी सारी चीजों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन दीवारों की पेंटिंग का क्रेज एक अलग ही लेवल पर है !

खिलौने का बिजनेस

वहीं अब धीरे-धीरे भारत में बाहर से सामना आना बंद ही हो चुका है ! ऐसे में देश के पीएम मोदी भी देश के लोगों को स्वदेशी खिलौने बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, तो ऐसे में अगर आप खिलौने का बिजनेस शुरू करते हैं तो ये आपके लिए एक बेहद ही शानदार बिजनेस हो सकता है ! हर बच्चे को खिलौना बहुत पसंद होता है ! वहीं आजकल घर को डेकोरेट करने के लिए भी खिलौने का इस्तेमाल किया जाने लगा है ! इसलिए अगर आप खुद का बिजनेस शुरू करना चाहते है तो ये बिजनेस आपके लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है क्योंकि ये कम बजट में शुरू किया जा सकता है, जिसके लिए अलग से दुकान की जरुरत नहीं होगी !

इंटीरियर डेकोरेटर

आखिर में बात करते हैं इंटीरियर डेकोरेटर के बारे में ! आज भी हम डेकोरेशन की बात करें तो हमें पुरानी चीजे ज्यादा प्रभावित करती हैं ! थोड़ा बहुत शुभ-अशुभ भी माना जाता है ! साथ ही अपने घर को सजाने में आवाजों और रोशनी को हमेशा ध्यान में रखा जाता है कि वो कहा से आती हैं और कैसे आपके घर के माहौल को प्रभावित करती है या अलग-अलग रंगों की बात करें तो वो मन मस्तिष्क को बदलने वाले हैं ऐसे ही रंगों का इस्तेमाल में लाया जाता है !

यूसीआईएल में 107 पदों पर भर्ती, 10वीं पास भी कर सकते हैं आवेदन; बस जरूरी है संबंधित विषय में सर्टिफिकेट

यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (UCIL) ने नई भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती में कुल 107 पदों पर भर्तियां की जाएंगी। इनमें माइनिंग मेट-सी, वाइंडिंग इंजन ड्राइवर-बी और बॉयलर-कम-कंप्रेसर अटेंडेंट-ए जैसे पद शामिल हैं।

इच्छुक उम्मीदवार 1 दिसंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक UCIL की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के तहत कुल 107 पदों को भरा जाएगा। इसमें माइनिंग मेट-सी के 95 पद, वाइंडिंग इंजन ड्राइवर-बी के 09 पद और बॉयलर-कम-कंप्रेसर अटेंडेंट-ए के 03 पद शामिल हैं।

आवेदन के लिए जरूरी योग्यता

इस भर्ती में प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शैक्षिक योग्यता निर्धारित की गई है।

माइनिंग मेट-सी पद के लिए उम्मीदवार के पास वैध DGMS योग्यता प्रमाणपत्र होना चाहिए, साथ ही उनके पास खनन मेट या फोरमैन प्रमाणपत्र होना जरूरी है।

वहीं, वाइंडिंग इंजन ड्राइवर-बी के लिए उम्मीदवार का मैट्रिक पास होना आवश्यक है और उसके पास प्रथम श्रेणी वाइंडिंग इंजन चालक प्रमाणपत्र होना चाहिए। इसके अलावा, बॉयलर-कम-कंप्रेसर अटेंडेंट-ए पद पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार ने मैट्रिक पास किया होना चाहिए और उसके पास प्रथम श्रेणी बॉयलर अटेंडेंट प्रमाणपत्र होना चाहिए। साथ ही, इस पद के लिए आवश्यक प्रमाणपत्र सरकारी बोर्ड द्वारा जारी होना जरूरी है।

आवेदन शुल्क

इस भर्ती में आवेदन शुल्क श्रेणी के अनुसार तय किया गया है। एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला और विभागीय उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क शून्य है, जबकि सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के रूप में 500 रुपये जमा करना होगा।

ऐसे करें आवेदन?

इच्छुक और पात्र उम्मीदवार नीचे दिए गए चरणों का पालन करके आवेदन कर सकते हैं:

सबसे पहले आप UCIL की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

अब आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें और आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

अंत में आवेदन पत्र सबमिट करने के बाद एक प्रिंट आउट ले लें।

इंटेलिजेंस ब्यूरो एमटीएस भर्ती के लिए आज से पंजीकरण शुरू, 362 पदों पर 10वीं पास करें आवेदन

गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) ने मल्टी-टास्किंग स्टाफ (जनरल) के 362 पदों पर भर्ती अधिसूचना जारी की है। आईबी एमटीएस भर्ती 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 22 नवंबर 2025 से शुरू हो गई है। इच्छुक उम्मीदवार मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट mha.gov.in पर जाकर 14 दिसंबर 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन लिंक सक्रिय कर दिया गया है। चयन प्रक्रिया लिखित परीक्षा के माध्यम से होगी।

10वीं पास भर सकते हैं फॉर्म

उम्मीदवार किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं पास होना चाहिए। आयु सीमा 18 से 25 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 14 दिसंबर 2025 के आधार पर की जाएगी। OBC उम्मीदवारों को अधिकतम 3 वर्ष, जबकि SC/ST उम्मीदवारों को अधिकतम 5 वर्ष की आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

इतना मिलेगा वेतन

चयनित उम्मीदवारों को पे लेवल-1 (18,000 रुपये - 56,900 रुपये) के तहत वेतन दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त मूल वेतन का 20% विशेष सुरक्षा भत्ता भी प्रदान किया जाएगा, जो केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाले अन्य भत्तों के अतिरिक्त होगा।

पहला चरण टियर-I होगा, जो ऑनलाइन ऑब्जेक्टिव प्रकार (MCQ) का टेस्ट होगा। इसमें कुल 100 प्रश्न पूछे जाएंगे और समय 1 घंटा रहेगा। इसमें जनरल अवेयरनेस (40 अंक), क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड (20 अंक), रीजनिंग/लॉजिकल एबिलिटी (20 अंक) और इंग्लिश लैंग्वेज (20 अंक) शामिल होंगे। हर गलत उत्तर पर ¼ अंक की नेगेटिव मार्किंग लागू होगी।

दूसरा चरण टियर-II डिस्क्रिप्टिव टेस्ट होगा, जिसमें उम्मीदवार को 150 शब्दों में इंग्लिश लैंग्वेज व कॉमप्रिहेंशन पर आधारित लेखन करना होगा। यह परीक्षा 50 अंकों की होगी, लेकिन यह सिर्फ क्वालिफाइंग नेचर की होगी। इसमें कम से कम 20 अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

ऑनलाइन आवेदन कैसे करें

सबसे पहले mha.gov.in/en पर जाएं।

अपना पंजीकरण करें और लॉगिन आईडी तथा पासवर्ड बनाएं।

शैक्षणिक योग्यता, आयु और अन्य आवश्यक विवरण भरें।

आवेदन ऑनलाइन सब्मिट करें और भविष्य के लिए उसकी एक कॉपी प्रिंट करके सुरक्षित रखें।

ट्रंप ने अपने ही देश को आग में झोंका!

अमेरिका में मंदी की आहट, बिना बिके सामान का ढेर लगा

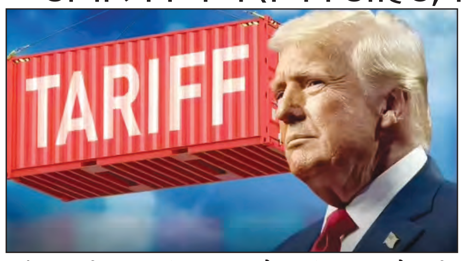

नई दिल्ली23 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव के दौरान अमेरिका को महान बनाने का वादा किया था। चुनाव जीतने के बाद उन्होंने भारत समेत दुनिया के ज्यादातर देशों पर टैरिफ का बोझ लाद दिया। लेकिन अब इसका असर अमेरिका पर ही पड़ता दिखाई दे रहा है।

अमेरिका में नवंबर में मैन्युफैक्चरिंग यानी सामान बनाने का काम धीमा पड़ गया। यह पिछले चार महीनों में सबसे कम रहा। इसकी वजह है टैरिफ का बढ़ना, जिससे चीजें महंगी हो गई और लोगों ने खरीदना कम कर दिया। इससे अमेरिका में मंदी जैसे हालात पैदा हो गए हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, इस मंदी की वजह से बिना बिके सामान का ढेर लग गया है। इससे यह चिंता बढ़ गई है कि कहीं यह देश की पूरी आर्थिक ग्रोथ को धीमा न कर दे।

मैन्युफैक्चरिंग को झटका

एस एंड पी ग्लोबल ने बताया कि अमेरिका का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) अक्टूबर के 52.5 से घटकर नवंबर में 51.9 पर आ गया। नए ऑर्डर में बड़ी गिरावट आई और तैयार माल का स्टॉक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। एस एंड पी ग्लोबल इंटेलिजेंस के क्रिस विलियमसन ने कहा कि मैन्युफैक्चरर्स को नए ऑर्डर में धीमी ग्रोथ और तैयार माल के स्टॉक में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की चिंता झेलनी पड़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मांग फिर से नहीं बढ़ी तो उत्पादन और भी कमजोर हो सकता है।

आम आदमी परेशान, भरोसा घटा

रॉयटर्स ने बताया कि ग्राहक अब लंबे समय तक चलने वाले मैन्युफैक्चरिंग सामान खरीदने में हिचकिचा रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन के सर्वे में खरीदने की स्थिति में भारी गिरावट देखी गई। सर्वे में यह भी कहा गया कि ग्राहक ऊंची कीमतों और घटती आय से लगातार परेशान हैं। टैरिफ ने आयात की लागत बढ़ा दी है, जिससे निम्न और मध्यम आय वाले परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। हाल ही में शेयर बाजार में आई गिरावट ने अमीर अमेरिकियों के भरोसे को भी झटका दिया है, जो पहले खर्च करने में आगे थे। अर्थशास्त्री सुंग वॉन सोन ने रॉयटर्स को बताया कि कम आय वाले लोग शायद ज्यादा खर्च नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बाजारों में अनिश्चितता अमीर लोगों के खर्च को भी नुकसान पहुंचाएगी, खासकर रिटायर लोगों के।

लेकिन यहां मिली कुछ राहत

फैक्ट्री सेक्टर में मंदी के बावजूद, कुल मिलाकर व्यावसायिक गतिविधियां मजबूत बनी रहीं। अमेरिका का कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स 54.8 पर पहुंच गया। इसे सेवा क्षेत्र से सहारा मिला। रॉयटर्स ने बताया कि सेवा क्षेत्र का पीएमआई 55.0 पर चढ़ गया। इसकी वजह नए बिजनेस ऑर्डर में सुधार, ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीद, 43 दिन के सरकारी शटडाउन का खत्म होना और राजनीतिक चिंताओं का कम होना था।

आखिरी समय में फ्लाइट टिकट कैंसिल कराने पर मिलेगा 80% तक रिफंड

क्या है सरकार की तैयारी?

नई दिल्ली,23 नवंबर (एजेंसियां)। अगर आप आखिरी समय में अपनी फ्लाइट की टिकट कैंसिल कराते हैं तो अब आपकी टिकट का पूरा पैसा डूबेगा नहीं। भारत सरकार हवाई टिकटों में एक खास 'ट्रैवल इंश्योरेंस' जोड़ने की तैयारी कर रही है। यह सुविधा अगले 2 से 3 महीनों में शुरू हो सकती है। इससे आखिरी वक्त में फ्लाइट कैंसिल होने पर आपको टिकट की रकम का 80% तक वापस मिल सकता है।

फिलहाल अगर आप फ्लाइट के उड़ने से ठीक 3 घंटे पहले टिकट कैंसिल करते हैं, तो इसे 'नो-शो' माना जाता है। यानी, आप फ्लाइट में नहीं बैठे और ऐसे में आपको कोई पैसा वापस नहीं मिलता है। अगर किसी यात्री की कोई मेडिकल इमरजेंसी हो और वह आखिरी समय में फ्लाइट कैंसिल करे, तो एयरलाइंस अपनी मर्जी से पूरा पैसा वापस दे सकती हैं। लेकिन यह पूरी तरह से एयरलाइन के फैसले पर निर्भर करता है, कोई पक्का नियम नहीं है।

क्या है सरकार की नई योजना?

टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, एविएशन सेक्रेटरी (नागर विमानन सचिव) भारतीय एयरलाइंस से बात कर रहे हैं कि यह नया इंश्योरेंस प्लान कैसे लागू किया जाए। सबसे अच्छी बात यह है कि यात्रियों को इसके लिए अलग से कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। इसका प्रीमियम एयरलाइंस खुद बीमा कंपनियों के साथ मिलकर भरेंगी। अभी, अगर कोई यात्री यात्रा बीमा लेना चाहता है, तो उसे यह एक अलग से 'ऐड-ऑन' सर्विस के तौर पर खरीदना पड़ता है।

एक बड़ी एयरलाइन पहले ही बीमा कंपनियों से इस बारे में बात करना शुरू कर चुकी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'हम यह देख रहे हैं कि क्या सबसे सस्ते किराए वाले टिकटों में भी यह इंश्योरेंस जोड़ा जा सकता है, ताकि यात्रियों को कुछ पैसा वापस मिल सके। अभी इस पर काम चल रहा है और बाकी डिटेल्स तय की जा रही हैं।'

क्यों जरूरी है यह बदलाव?

एक सूत्र ने बताया, 'यह अनिश्चितता कि हम यात्रा कर पाएंगे या नहीं, और फिर पैसा डूबने का डर या रिफंड मिलने में परेशानी, ये सब कई लोगों को फ्लाइट बुक करने से रोकते हैं।

हमें अक्सर ऐसी शिकायतें मिलती हैं कि किसी के परिवार में अचानक कोई दुखद घटना हो गई और वह यात्रा नहीं कर पाया, लेकिन उसे पैसे वापस नहीं मिले। हमारा एक मोटा अनुमान है कि अगर हर टिकट पर करीब 50 रुपये का प्रीमियम जोड़ा जाए, तो फ्लाइट के उड़ने से 4 घंटे पहले तक कैंसिल करने पर 80% तक रिफंड मिल सकता है।'

बीमा कंपनियों का गणित

एयरलाइन के अधिकारी बताते हैं कि ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियां तो पहले से ही यात्रियों को टिकट बुक करते समय बीमा लेने की पेशकश करती हैं। एक अधिकारी ने कहा, 'हम बीमा कंपनियों के साथ हिसाब-किताब लगा रहे हैं। आखिर में, बीमा कंपनियों को ही यह तय करना होगा कि जोखिम और फायदे का अनुपात क्या है, ताकि वे बता सकें कि वे क्या ऑफर कर सकते हैं। अगर 200-300 लोगों में से सिर्फ 2-3 लोग किसी असली वजह से फ्लाइट कैंसिल करते हैं, तो यह गणित उनके लिए सही बैठेगा।'

शेयर बाजार में निवेश करते हैं

कहीं आप भी तो नहीं कर रहे हैं यह गलती?

मुंबई,23 नवंबर (एजेंसियां)। मशहूर निवेशक और लेखक बेंजामिन ग्राहम ने एक बड़ी अच्छी बात कही है। उनका कहना है- निवेशकों की सबसे बड़ी समस्या और उनका सबसे बड़ा दुश्मन खुद वे ही होते हैं। आज भी उनकी यह बात बिल्कुल सही बैठती है। बहुत से ऐसे लोग जो खुद ही शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं, उन्हें बाजार से कम रिटर्न मिलता है। इसकी मुख्य वजह है गलत समय पर खरीदना-बेचना, भावनाओं में आकर फैसले लेना और कुछ खास तरह की सोच के कारण गलतियां करना। भीड़ के पीछे भागना या सिर्फ पिछले अच्छे प्रदर्शन को देखकर निवेश करना एक आम गलती है। इसी तरह, छोटी-मोटी खबरों या डर के कारण जल्दी-जल्दी अपने निवेश को बदलना भी नुकसानदायक होता है। बहुत ज्यादा आत्मविश्वास रखना और सिर्फ एक ही तरह के बाजार में सारा पैसा लगा देना, या यह सोचना कि जो आज चल रहा है, वह हमेशा चलता रहेगा, ये सब भी रिटर्न को कम कर देते हैं। बेहतर तरीका क्या है यहां आपके मन में सवाल उठता होगा कि तो फिर निवेशक शेयर बाज़ार में बेहतर तरीके से कैसे चल सकते हैं और अपने निवेश से अच्छा फायदा कैसे उठा सकते हैं? आरएस इंश्योरेंस एंड इन्वेस्टमेंट के रितेश कोचर का कहना है कि इसका एक तरीका है फ्लेक्सीकैप म्यूचुअल फंड्स पर विचार करना। फ्लेक्सीकैप फंड्स में लार्ज, मिड और स्मॉल कैप स्टॉक्स में पैसा लगाने की सुविधा होती है। इससे फंड में अपने आप ही विविधता आ जाती है। इसका मतलब है कि निवेशक का सारा पैसा एक ही जगह नहीं लगा होता। इस तरह की विविधता से यह पक्का होता है कि कोई एक हिस्सा ही फंड के प्रदर्शन या उतार-चढ़ाव को तय न करे। फ्लेक्सीकैप फंड्स में पैसे का बंटवारा बाजार की मौजूदा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय हालातों के हिसाब से बदलता रहता है। इसमें विकास दर, महंगाई, ब्याज दरें, सरकारी नीतियां और कंपनियों के शेयर की अपनी अहमियत, जैसे कमाई का अनुमान, मैनेजमेंट का पिछला रिकॉर्ड और शेयर की कीमत जैसी बातों को ध्यान में रखा जाता है। यह सब छोटी-मोटी खबरों, बाज़ार के नए ट्रेंड्स या भावनाओं के आधार पर नहीं होता। इस तरह, निवेशक को खुद बाजार पर नज़र रखने या सही समय का इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं पड़ती। फंड मैनेजर यह काम उनके लिए करता है। इससे निवेशक भीड़ का हिस्सा बनने या हाल की बातों को ज़्यादा महत्व देने जैसी गलतियों से बच जाते हैं। साथ ही, वे अक्सर महंगा खरीदकर सस्ता बेचने के जाल में भी नहीं फंसते।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-25
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-36
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सोमवार 24 Nov
तिथि - चतुर्थी 21-22 तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 21-53 तक उप उत्तराषाढ़ा
योग - शूल 12-36 तक उप गण्ड
करण - वणिज 08-26 तक उप विष्टी (भद्रा)
भद्रा 08-26 से

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य -	वृश्चिक	में	वृश्चिक...	05-53	बजे
चंद्र -	धनु	में	धनु......	07-07	बजे
मंगल-	वृश्चिक	में	मकर...	10-14	बजे
बुध -	वृश्चिक	में	कुंभ....	12-13	बजे
गुरु	कर्क	में	मीन....	13-42	बजे
शुक्र -	तुला	में	मेष.....	15-18	बजे
शनि	मीन	में	वृष....	17-03	बजे
राहु	कुंभ	में	मिथुन..	19-02	बजे
केतु	सिंह	में	कर्क...	21-18	बजे
			सिंह---	23-28	बजे
			कन्या--	01-34	बजे
			तुला----	03-44	बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 07-51 09-15

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-25 - 07-51	शुभ	चंचल	17-36 - 19-15	शुभ
काल	07-51 - 09-15	अशुभ	रोग	19-15 - 20-51	अशुभ
शुभ	09-15 - 10-39	शुभ	काल	20-51 - 22-27	अशुभ
रोग	10-39 - 12-03	अशुभ	लाभ	22-27 - 00-03	शुभ
उत्पात	12-03 - 13-27	अशुभ	उत्पात	00-03 - 01-39	अशुभ
चंचल	13-27 - 14-51	शुभ	शुभ	01-39 - 03-15	शुभ
लाभ	14-51 - 16-14	शुभ	अमृत	03-15 - 04-52	शुभ
अमृत	16-14 - 17-36	शुभ	चंचल	04-52 - 06-25	शुभ

इतिहास की सबसे बड़ी बर्बादी शुरू हुई... दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में, रॉबर्ट कियोसाकी ने दी चेतावनी

नई दिल्ली,23 नवंबर (एजेंसियां)। 'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने दुनिया में आए आर्थिक संकट को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इतिहास की सबसे बड़ी आर्थिक गिरावट शुरू हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि कौन सी संपत्तियां इस बाजार की गिरावट से बचने में मदद कर सकती हैं। रॉबर्ट कियोसाकी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट शुरू हो गई है।' उन्होंने बताया कि उन्होंने साल 2013 में ही इसकी भविष्यवाणी की थी। 78 वर्षीय कियोसाकी ने अपनी भविष्यवाणी दोहराते हुए कहा, 'साल 2013 में मैंने 'रिच डैड की भविष्यवाणी' प्रकाशित की थी, जिसमें मैंने सबसे बड़ी गिरावट के बारे में बताया था। दुर्भाग्य से वह गिरावट आ गई है।' उन्होंने लिखा है कि यह सिर्फ अमेरिका की बात नहीं है। यूरोप और एशिया भी आर्थिक मंदी की चपेट में हैं।

क्यों आई बाजार में गिरावट?

कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में गिरावट का कारण भी बताया है। उन्होंने लिखा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण बाजार में गिरावट आई है। कियोसाकी का मानना है कि एआई नौकरियों को खत्म कर देगा। उन्होंने लिखा है कि जब नौकरियां खत्म होंगी, तो ऑफिस और घरों की प्रॉपर्टी के दाम भी गिर जाएंगे। रियल एस्टेट मार्केट भी क्रैश हो सकता है।

इन चीजों में निवेश की दी सलाह

इस गिरावट से बचने के लिए, कियोसाकी ने सोना, चांदी, बिटकॉइन और इथेरियम जैसी चीजों में निवेश करने की सलाह दी है। उनका कहना है कि इन संपत्तियों में निवेश करने का यह सही समय है। उन्होंने कहा कि चांदी सबसे अच्छी और सबसे सुरक्षित मानी जा रही है।

कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'आज चांदी की कीमत 50 डॉलर है। मेरा अनुमान है कि चांदी जल्द ही 70 डॉलर तक पहुंच जाएगी और साल 2026 तक यह 200 डॉलर तक भी जा सकती है।' अच्छी खबर यह है कि जहां लाखों लोग अपनी सारी दौलत गंवा देंगे, वहीं अगर आप पहले से तैयार हैं, तो यह संकट आपको और अमीर बना सकता है।'

खुद बेच चुके हैं बिटकॉइन

कियोसाकी अपनी नई पोस्ट में बिटकॉइन खरीदने की सलाह दे रहे हैं, जबकि वह खुद बिटकॉइन बेच चुके हैं। दो दिन पहले एक पोस्ट में कियोसाकी ने बताया था कि उन्होंने 2.25 मिलियन डॉलर (करीब 20 करोड़ रुपये) के बिटकॉइन बेचे हैं। उन्होंने ये बिटकॉइन तब खरीदे थे जब एक कॉइन की कीमत सिर्फ 6000 डॉलर (लगभग 5 लाख रुपये) थी। अब उन्होंने इसे लगभग 90,000 डॉलर (करीब 80 लाख रुपये) के भाव पर बेचा है। इस पैसे से उन्होंने दो सर्जरी सेंटर खरीदे हैं और एक बिलबोर्ड बिजनेस में भी पैसा लगाया है। इस दो दिन पुरानी पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें बिटकॉइन पर अभी भी भरोसा है। उनका कहना है कि वह अपने पॉजिटिव कैश फ्लो से और बिटकॉइन खरीदना शुरू करेंगे।

गौतम अडानी ने खरीदा ट्रेड कैसल टेक पार्क

खर्च कर डाले 231 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। एशिया के दूसरे सबसे बड़े कारोबारी गौतम अडानी के ग्रुप के ज्वाइंट वेंचर ने इंफ्रा डेवलपर ट्रेड कैसल टेक पार्क को 231.34 करोड़ रुपये में खरीद लिया है। ट्रेड कैसल टेक पार्क के पास काफी जमीन है। अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने और डेटा सेंटर ऑपरेटर एजकॉनेक्स के ज्वाइंट वेंचर अडानीकॉनेक्स (एईसीएक्स) ने टीसीटीपीपीएल में 100 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के लिए 21 नवंबर 2025 को ट्रेड कैसल टेक पार्क (टीसीटीपीपीएल) तथा उसके मौजूदा शेयरधारक श्री नामन डेवलपर्स और जयेश शाह के साथ एक शेयर खरीद समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बताया कि अधिग्रहण का उद्देश्य बुनियादी ढांचा सुविधाएं स्थापित करना है। कंपनी ने कहा कि टीसीटीपीपीएल भारत में निगमित है और 16 अक्टूबर 2023 को महाराष्ट्र, मुंबई के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के पास रजिस्टर्ड हुई थी। इसका उद्देश्य बुनियादी ढांचा विकास गतिविधियां करना है। अभी तक टीसीटीपीपीएल ने व्यावसायिक गतिविधियां शुरू नहीं की हैं, लेकिन इसके पास काफी बड़ी भूमि जोत है और बुनियादी ढांचा गतिविधियां शुरू करने के लिए प्रमुख लाइसेंस प्राप्त हैं, जिससे एईसीएक्स को शुरुआती बढ़त मिलेगी।

कंपनी के कितने एआई सेंटर?

अडानीकॉनेक्स, अदानी ग्रुप और डेटा सेंटर ऑपरेटर एजकॉनेक्स के बीच एक ज्वाइंट वेंचर है, जिसका उद्देश्य अगले दशक में 1 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता के साथ डिजिटल इंडिया को सशक्त बनाना है। कंपनी चेन्नई, नवी मुंबई, नोएडा, पुणे और हैदराबाद में डेटा सेंटर ऑपरेट करती है। अडानीकॉनेक्स ने अक्टूबर में गूगल के साथ अपनी ऐतिहासिक साझेदारी की घोषणा की, जिसके तहत वह विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में भारत का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर कैंपस और न्यू ग्रीन एनर्जी इंफ्रा विकसित करेगा।

गूगल करेगा 15 बिलियन डॉलर का निवेश

विशाखापत्तनम में गूगल का एआई हब 5 वर्षों (2026-2030) में लगभग 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर का एक बहुआयामी निवेश है, जिसमें गीगावाट-स्तरीय डेटा सेंटर संचालन, एक मजबूत सबसी केबल नेटवर्क और क्लीन एनर्जी द्वारा समर्थित, भारत में सबसे अधिक मांग वाले एआई वर्कलोड को संचालित करना शामिल है। कंपनी ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को अडानीकॉनेक्स और एयरटेल सहित इकोसिस्टम पार्टनर्स के साथ घनिष्ठ सहयोग से क्रियान्वित किया जाएगा। ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी ने इसे "बुनियादी ढांचे में निवेश से कहीं अधिक" बताते हुए कहा कि ग्रुप को इस ऐतिहासिक परियोजना पर गूगल के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो भारत के डिजिटल परिदृश्य के भविष्य को परिभाषित करेगी।

एक हफ्ते में सोने के चढ़े भाव तो चांदी के भाव में पांच हजार की गिरावट

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार बीते हफ्ते भी उठा-पटक में रहा है। एक हफ्ते में निफ्टी अपने ऑल-टाइम हाई के करीब पहुंचा तो वहीं, दूसरे सेशन में उसमें भारी गिरावट देखने को मिली। इसी बीच देश में सोने की कीमतों में वही रुख देखा गया। मार्केट में अनिश्चितता के बीच में इस हफ्ते सोने की कीमतें बढ़ी हैं। पिछले एक सप्ताह में 24 कैरेट सोना 760 रुपये महंगा हुआ है, जबकि 22 कैरेट सोना 700 रुपये चढ़ा है।

23 नवंबर को दिल्ली में 24 कैरेट सोने का रेट 1,25,990 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। अंतराष्ट्रीय बाजार में सोना 4061.91 डॉलर प्रति औंस के भाव पर ट्रेड हो रहा है। चलिए जानते हैं बड़े शहरों में अभी क्या रेट चल रहा है।

दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में सोने के रेट

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,25,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,15,500 रुपये प्रति 10 ग्राम है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 22 कैरेट सोने का रेट 1,15,350 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जबकि 24 कैरेट सोना 1,25,840 रुपये प्रति 10 ग्राम मिल रहा है। इन शहरों में सभी जगह लगभग एक जैसा ही भाव है।

चांदी की कीमत में गिरावट

सोने की तरह चांदी में बढ़त नहीं हुई, बल्कि इस हफ्ते चांदी 5,000 रुपये सस्ती हो गई। 23 नवंबर को चांदी का भाव 1,64,000 रुपये प्रति किलो दर्ज किया गया। अंतराष्ट्रीय बाजार में चांदी का वायदा भाव 49.56 डॉलर प्रति औंस है। देश में सोने-चांदी की कीमतें घरेलू और वैश्विक दोनों तरह के फैक्टर्स से प्रभावित होती हैं।

वायदा बाजार में गोल्ड-सिल्वर के भाव

बीते हफ्ते जिस तरीके से स्पॉट मार्केट में सोने के दाम बढ़े और चांदी के भाव में गिरावट आई है। एमसीएक्स पर 5 दिसंबर 2025 को एक्सपायर होने वाले गोल्ड कॉन्ट्रैक्ट के दाम हफ्तेभर में बढ़े हैं। जहां एक ओर 14 नवंबर के दिन 24 कैरेट 10 ग्राम गोल्ड 123561 रुपये पर था। वहीं, हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को वह बढ़कर 124191 रुपये पर पहुंच गया। वहीं, अगर चांदी की बात करें तो उसमें गिरावट देखने को मिली है। इसी कॉन्ट्रैक्ट वाली सिल्वर के भाव 14 तारीख को 156018 रुपये प्रति किलोग्राम पर थे। जो कि घटकर 154151 रुपये पर आ गए।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
काम का दबाव आप पर बढ़ेगा और आप उन चीजो से दूर हो सकते है जिन को करने में आपको आनंद आता था। आपको आराम करने के लिए ज्यादा समय नहीं मिल पायेगा इसलिए आपको जीवन की छोटी बातों से आनंद लेना होगा। ये बहुत ही संतोषजनक और आपके सामान्य प्रयास की तुलना में कम खर्चीला साबित होगा।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज का दिन आपके लिए काफी हद तक उत्तम रहेगा। कुछ मुश्किल कार्य जो की आपने समय पर छोड़ दिए थे उन्हें पूरा करने का भी ये उचित समय है। आज के दिन आप अपने सारे रुके हुए कार्य अपनी उम्मीद से ज्यादा पूरा कर पायेंगे और सारा काम का भोज आज खत्म हो सकता है। आज आप में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा जो आस पास के सहकर्मी को सकारात्मक रूप में प्रभावित करेगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज आपके मितव्ययी होने की संभावना हैं, और आप एक असाधारण अवस्था में रहेंगे। आप एक महंगी कला की वस्तु खरीद सकते है क्यों की आप कला के पुजारी है। आप अपने पास के किसी व्यक्ति के लिए एक महंगा उपहार खरीद सकते है जो की उस व्यक्ति को आश्रयचकित कर सकता है। आपके कार्यस्थल में सब कुछ सुचारू रूप से चलेगा।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आज के दिन आपको अपने सहकर्मियों के साथ सतर्कता बरतनी जरुरी है। कुछ तर्क वितर्क और विवाद के कारण आपके दफ्तर का माहौल ख़राब हो सकता है इसलिए बेफाल्तू के वाद विवाद से अपने को बचाकर रखे। आज के दिन कुछ क्षेत्रों में उच्च अधिकारीयों से आपके विचार अलग हो सकते है हालाँकि धातु या कृषि उत्पाद में निवेश आप के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है। आप आज अपने घर, व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवदेन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा। जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवदेन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी। आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ, आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजो को रखते है। दूसरे इस तरह नहीं है लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे। इस भावना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
आज का दिन काम और कार्य क्षेत्र के हिसाब से काफी हद तक शांत रहेगा। आज का दिन घटनाओं रहित रहेगा जिससे की आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम में से थोड़ी राहत मिलेगी जिसके तलाश आपको काफी समय से थी। इस समय की आप सराहना करे और इसे मनोरंजन में बिताये और उन खुशनुमा पलो को भी याद करे जो अपने अपने कार्य क्षेत्र में महसूस किये है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
अपने सहयोगियों के साथ तालमेल और कदम से कदम बढाकर चलने का ये एक अच्छा समय है। समीक्षा और हताशा का लम्बा समय अब समाप्त होने की और अग्रसर है इसलिए इस खुशी में आप दोस्तों और परिवार और अपने ऊपर कुछ व्यय भी कर सकते है पर कोशिश करे की ये ज्यादा से ज्यादा एक दिन के लिए हो।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आज आप बहुत आत्मविश्वास महसूस नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है की आप अपनी अनिश्चितता को छुपाके रखे। भ्रम की अपनी भावनाओं को छुपाके रखे अन्यथा लोग आपकी क्षमता पर शक करेंगे और आप एक महत्वपूर्ण समझौते से हाथ धो सकते है। आपको एक सकारात्मक दृष्टिकोण को बनाए रखने की जरूरत है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण, एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है। आप जीवंत महसूस करेंगे। आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे। इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में, अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे। एक स्वस्थ मन एक स्वस्थ शरीर में रहता है।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप सफलतापूर्वक अपने रचनात्मक कार्यो को खत्म करने में सक्षम होंगे। इस जश्न को मनाने के लिए आप एक पार्टी की मेजबानी की योजना भी बना सकते हैं और जिन्होंने भी इस यात्रा में आप का समर्थन किया एवं अपने विरोधियों को भी समारोह में आमंत्रित करें। अपनी कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए भी प्रयास करते रहे।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है, और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था, की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है। आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारत के सामने बड़ा संकट... तेजस हादसे के बाद क्या खतरे में पड़ेगी डील? डिफेंस एक्सपोर्ट को लगेगा झटका

नई दिल्ली,23 नवंबर (एजेंसियां)। दुबई एयर शो में तेजस लड़ाकू विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट (रक्षा निर्यात) को बढ़ावा देने के प्रयासों पर भारी पड़ गया है। यह स्वदेशी विमान, जिसे भारत की अपनी तकनीक का एक उदाहरण माना जा रहा था, अब सवालों के घेरे में है। वायु सेना ने इस दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दिए हैं। लेकिन हजारों दर्शकों के सामने हुए इस हादसे ने निश्चित रूप से तेजस की छवि को नुकसान पहुंचाया है।

तेजस विमान का इतिहास काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। इसमें देरी और तकनीकी समस्याएं आईं, लेकिन आखिरकार यह एक सफल लड़ाकू बनकर उभरा। भारतीय वायु सेना ने इसके 180 उन्नत संस्करणों का ऑर्डर भी दिया है। इस विमान को एयर शो में विदेशी खरीदारों को दिखाया जा रहा था, तभी यह दुखद हादसा हो गया। ऐसे में भारत के सामने बड़ा संकट है कि उन देशों के साथ डील खतरे में पड़ सकती है जिन्हें तेजस बेचने का प्लान है इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार भारत जिन देशों को यह लड़ाकू विमान बेचना चाहता था, उनमें मिस्र, आर्मीनिया और दक्षिण पूर्व एशिया के कुछ देश शामिल हैं। अब तक तेजस का सुरक्षा रिकॉर्ड अच्छा रहा था। इससे पहले केवल एक ही विमान इंजन खराब होने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। तेजस की कीमत कम है। भारत तकनीक साझा करने, इसमें कई तरह के हथियार और सेंसर लगाने का वादा कर रहा है। साथ ही आने वाले वर्षों में इसके 220 विमान सेवा में होंगे। इन सब बातों को देखते हुए, छोटे देश जो अपनी हवाई शक्ति बढ़ाना चाहते हैं, उनके लिए तेजस एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

23000 करोड़ के पार पहुंचा रक्षा निर्यात

दशकों तक हथियारों के निर्यात से दूर रहने के बाद, भारत ने साल 2014 के बाद एक बड़ा बदलाव किया है। अब भारत हथियारों का एक बड़ा निर्यातक बनने की राह पर है। सरकार देश के निर्माताओं को वैश्विक बाजारों की ओर देखने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। भारत रॉकेट, मिसाइल, गोला-बारूद, वायु रक्षा प्रणाली, बख्तरबंद वाहन और ड्रोन जैसे रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। यूरोप और पश्चिम एशिया में चल रहे युद्धों के कारण विस्फोटक और गोला-बारूद की वैश्विक मांग बढ़ गई है। इसका सीधा असर भारत के रक्षा निर्यात पर पड़ा है।

छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई

रायपुर, कोंडागांव समेत 20 जगहों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू की छापेमारी

जगदलपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। डीएमएफ और आबकारी मामले में एसीबी-ईओडब्ल्यू ने प्रदेश में 20 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की है। कोंडागांव जिले में रविवार की सुबह एसीबी के द्वारा डीएमएफ मामले में चल रहे घोटाले को लेकर छापेमारी की गई है। कोंडागांव के सरगीपाल निवासी कोणार्क जैन के घर रविवार की सुबह एसीबी की टीम ने छापा मारा। पूरे घर को सुरक्षा घेरे में रखा गया है। करीब 2 घंटे से अधिक समय से कार्रवाई चल रही है। जांच के तहत दस्तावेजों और कम्प्यूटरीकृत रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला 2019-20 में डीएमएफ सप्लाई के दौरान हुए घोटालों को लेकर जांच की जा रही है। यह जांच पूरे प्रदेश में एसीबी की बड़ी रेड मानी जा रही है। यह पूरा मामला शराब और डीएमएफ घोटाले को लेकर की जा रही है। जहां रायपुर से लेकर जगदलपुर तक छापेमारी कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश में 20 स्थानों पर एसीबी की रेड एक साथ की गई है। अभी कुछ दिन पहले भी इसी तरह छत्तीसगढ़ में आबकारी और डीएमएफ घोटाले के मामले में एसीबी और ईओडब्ल्यू ने कार्रवाई की थी। वहीं, रविवार की सुबह एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की गई है, आज सुबह से प्रदेश के विभिन्न जिलों में करीब 20 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की जा रही है, यह रेड रायपुर, कोंडागांव, अंबिकापुर, बिलासपुर सहित अन्य जिलों में की जा रही है। जहां अधिकारियों और कारोबारियों के घरों और दफ्तरों पर दबिश दी गई है।

जगदलपुर में आबकारी विभाग के सेवानिवृत अधिकारी निरंजन दास के ठिकाने पर छापेमारी के लिए टीम पहुंची है। निरंजन दास के भाई चितरंजन दास के मैत्री संघ गली स्थित आवास में दस्तावेज खंगाल रही है। राज्य आबकारी विभाग के तत्कालीन आयुक्त सेवानिवृत्त आईएएस निरंजन दास आबकारी घोटाले मामले में आरोपी है।

रायपुर में राज्य स्तरीय आवास मेलाः दो हजार करोड़ की आवासीय योजनाओं का होगा शुभारंभ

रायपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ अपने स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती वर्ष मना रहा है और इसी अवसर पर राजधानी रायपुर में एक बड़ा आवास मेला आयोजित किया जा रहा है। यह मेला 25 नवंबर तक बीटीआई ग्राउंड, शंकर नगर में आयोजित होगा। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा किया जा रहा है और इसे लोगों को किफायती आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

इस आवास मेले में प्रदेशभर की आवासीय और व्यावसायिक योजनाओं की विस्तृत जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध होगी। नागरिकों को स्पॉट बुकिंग की सुविधा के साथ बैंक ऋण सहायता और पंजीयन करने वालों के लिए आकर्षक उपहार भी प्रदान किए जाएंगे।

मेले के दौरान प्रदेश के अलग-अलग जिलों में लगभग 2000 करोड़ रुपये की नई आवासीय योजनाओं की शुरुआत की जाएगी। बताया गया है कि इन योजनाओं में लगभग 70 प्रतिशत मकान कमजोर और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए आरक्षित रहेंगे, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को अपने घर का सपना पूरा करने में मदद मिलेगी।

हाल ही में सम्पन्न राज्योत्सव 2025 के दौरान नवा रायपुर में गृह निर्माण मंडल की योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई थी, जहां लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर रुचि दिखाई थी। वहीं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया था और हाउसिंग बोर्ड के कार्यों की सराहना की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा था कि रजत जयंती वर्ष में आयोजित यह आवास मेला प्रदेशवासियों के लिए ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि हर परिवार के पास पक्का मकान हो और उसी उद्देश्य से नई आवासीय परियोजनाएं और नया आबंटी पोर्टल शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा था कि ये योजनाएं समाज के कमजोर वर्गों के लिए बेहद मददगार साबित होंगी।

आवास और पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने भी इस आयोजन को किफायती आवास उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम बताया और कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक हर परिवार को पक्की छत उपलब्ध कराना है।

गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि राज्योत्सव में जनता द्वारा मिले उत्साहजनक प्रतिसाद के बाद इस राज्य स्तरीय मेले के आयोजन का निर्णय लिया गया। उनका कहना है कि मेले के माध्यम से नागरिकों को एक ही स्थान पर योजनाओं की जानकारी, आवेदन और बुकिंग की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में हाउसिंग बोर्ड ने अनेक जनहितकारी योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें वन टाइम सेटलमेंट योजना विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है, जिसके तहत भवन मूल्य में 30 प्रतिशत तक की छूट दी गई।

राजधानी रायपुर में आयोजित यह राज्य स्तरीय आवास मेला छत्तीसगढ़ की आवासीय विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। रजत जयंती वर्ष में आयोजित यह आयोजन प्रदेश में "सबके लिए आवास" के लक्ष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

'आपका नंबर आतंकियों से जुड़ा है' बीजेपी विधायक सुनील सोनी को फोन पर धमकी, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से विधायक और पूर्व सांसद सुनील सोनी को अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर धमकी दी। बुधवार की शाम आए इस कॉल ने पुलिस और साइबर सेल की सतर्कता बढ़ा दी है।

सूत्रों के अनुसार, कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) का अधिकारी बताया और दावा किया कि विधायक का फोन नंबर हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच के दौरान संदेह के घेरे में आया है। कॉलर ने यह आरोप भी लगाया कि इसी नंबर से संदिग्ध और संवेदनशील संपर्क किए गए हैं।

बताया जा रहा है कि कॉलर लगातार पूछताछ में सहयोग का दबाव बनाता रहा और विधायक को दिल्ली स्थित आईबी कार्यालय में पेश होने का निर्देश देने की कोशिश की। हालांकि सोनी द्वारा अपनी पहचान और जनप्रतिनिधि होने की पुष्टि के बाद भी कॉलर अपने दावे से पीछे नहीं हटा और बातचीत को लंबा खींचते हुए भ्रम पैदा करने की कोशिश करता रहा।

फोन कटते ही विधायक ने मामले की जानकारी रायपुर के एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह को दी। प्रारंभिक जांच में यह मामला डिजिटल फ्रॉड और साइबर ठगी के प्रयास के रूप में सामने आ रहा है। पुलिस ने कॉल रिकॉर्ड और तकनीकी जांच साइबर सेल को सौंप दी है।

अधिकारियों का कहना है कि हाल के महीनों में इस प्रकार की कॉल आम नागरिकों को भी मिल रही हैं, जहां ठग सरकारी एजेंसी का नाम लेकर भय और कानूनी कार्रवाई का डर पैदा करते हैं और व्यक्तिगत जानकारी, ओटीपी या बैंक विवरण हड़प लेते हैं।

फिलहाल पुलिस कॉलर की लोकेशन और नंबर की जांच में लगी है।

साथ ही लोगों से अपील की है कि सरकारी एजेंसियां कभी भी फोन पर संवेदनशील जानकारी या दस्तावेज नहीं मांगतीं, इसलिए ऐसी कॉल आने पर तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करें।

अवैध कोयला खनन पर ईडी की जबरदस्त कार्रवाई

दो राज्यों में बरामद हुए करोड़ों के कैश और जेवरात

रांची, 23 नवंबर (एजेंसियां)। रांची और कोलकाता स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालयों ने एक संयुक्त कार्रवाई में झारखंड और पश्चिम बंगाल में 44 स्थानों पर छापेमारी की है। इस बड़े ऑपरेशन की जानकारी ईडी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करके दी है। इस कार्रवाई से अवैध कोयला कारोबार और मनी लॉन्ड्रिंग के जटिल नेटवर्क और उसमें शामिल लोगों पर महत्वपूर्ण जानकारी मिली है।

कार्रवाई का आधारः यह कार्रवाई अवैध कोयला खनन, परिवहन, भंडारण और बिक्री से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में की गई है। यह कार्यवाही पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम), 2002 की धारा 17 के तहत की गई।

बरामदगीः छापे के दौरान लगभग 14.5 करोड़ रुपये नकद, सोने-चांदी के गहनों के बड़े जेवरात, संपत्ति के दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और बैंक खातों की जानकारी बरामद की गई है।

झारखंड में छापेः झारखंड के धनबाद और दुमका के 20 ठिकानों पर छापेमारी हुई। ये ठिकाने लाल बहादुर सिंह, अनिल गोयल, संजय खेमका, अमर मोंडल और उनके सहयोगियों से संबंधित हैं।

अनिल गोयल के यहां से 80 लाख रुपये से अधिक नकद बरामद हुई।

अमर मंडल के यहां से 80 लाख रुपये की नकदी बरामद हुई।

रांची ईडी की टीम ने कुल 2.20 करोड़ रुपये नकद जब्त किए।

पश्चिम बंगाल में छापेः पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, पुरुलिया, हावड़ा और कोलकाता के 24 ठिकानों पर कार्रवाई हुई। इनमें आवासीय परिसर, कार्यालय, अवैध नकद संग्रहण केंद्र और कोयला संयंत्र शामिल थे। ये स्थान संजय खेमका, अमर मोंडल, कृष्णा मुरारि कयाल, युधिष्ठिर बोस, राज किशोर यादव, लोकेश सिंह, चिनमय मंडल और नितादा राणा मंडल से जुड़े हैं।

अभियान का दायराः ईडी के 100 से अधिक अधिकारियों ने सीआरपीएफ के सहयोग से इस विशाल अभियान को अंजाम दिया। यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल और झारखंड पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर पर आधारित थी, जिनमें अवैध कोयला खनन गिरोहों की जानकारी थी।

ईसीआईआरः ईडी ने कोयला और बालू तस्करी से जुड़े पुराने मामलों को जोड़ते हुए चार ईसीआईआर (ECIR) दर्ज किए हैं, जिनमें अनिल गोयल, लालबाबू सिंह, संजय खेमका और अमर मंडल आरोपी हैं।

चल रही जांचः सभी कोयला कारोबारियों के एकाउंटेंट और कर्मचारियों के घरों में भी तलाशी जारी है। जांच में झारखंड और पश्चिम बंगाल के कोयला कारोबारियों के बीच अंतर-राज्यीय संबंधों का भी पता चल रहा है।

दुमका में एक ही परिवार के चार लोगों की डेडबॉडी मिली

पत्नी-बच्चे का घर और पति का खेत में मिला शव

दुमका, 23 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के बरदेही गांव से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. यहां पति-पत्नी और उसके दो बच्चे का शव बरामद किया गया है. घटना की जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच में जुटी गई है. यह घटना दुमका जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर दूर पर हुई है.

पुलिस के मुताबिक, पत्नी और दोनों बच्चे का शव घर से बरामद किया गया है. जबकि पति की डेडबॉडी घर से थोड़ी दूर एक खेत में मिला है. जिसके गले पर रस्सी के निशान मिले हैं. मृतकों की पहचान बीरेंद्र कुमार (32) पति, आरती कुमारी (27) पत्नी, विराज कुमार (02) पुत्र और रूही कुमारी (04) पुत्री के रूप में हुई है.

दरअसल, हंसडीहा थाना क्षेत्र के बरदेही गांव का रहने वाले बीरेंद्र कुमार (उम्र 32 वर्ष) जो पेशे से मछली विक्रेता थे, वह बीते शुक्रवार को ही अपनी पत्नी आरती कुमारी को मायके से अपने घर लाए थे. इस बीच रविवार सुबह परिजनों ने देखा कि पत्नी और दो बच्चे मृत अवस्था में पड़े हैं. इस बीच जब लोगों ने बीरेंद्र कुमार की खोजबीन शुरू की तो उनका शव घर से थोड़ी दूर पर खेत में मिला. इसके बाद लोगों ने तुरंत हंसडीहा पुलिस को मामले की सूचना दी. थाना प्रभारी ताराचंद अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और अनुसंधान शुरू कर दी.

इस मामले में दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि हमें भी शव बरामद होने की सूचना मिली है. पति, पत्नी और उनके दो बच्चों के शव बरामद किए गए हैं. एसपी ने बताया कि पुलिस टीम घटनास्थल पर मौजूद है. पुलिस जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है कि आखिर मौत कैसे हुई.

फुटबॉल खेलने को दौरान अचानक गिर पड़ा

9वीं क्लास के छात्र की हार्ट अटैक से मौत

जगदलपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। सुकमा में 9वीं में पढ़ने वाले छात्र की मैदान में फुटबॉल खेलने के दौरान अचानक से आए हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही स्कूल से लेकर परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। सभी अस्पताल पहुंच गए। वहीं, परिजन भी मामले की जानकारी लगते ही आ पहुंचे है। छात्र का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

सुकमा जिले के छिंदगढ़ मैदान में आत्मानंद स्कूल के कक्षा 9वीं में पढ़ने वाला छात्र मोहम्मद फैजल रोज की तरह फुटबॉल खेलने के लिए मैदान में आया हुआ था। जहां खेलने के दौरान अचानक से उसे हार्ट अटैक आया और मैदान में गिर पड़ा। उसे उपचार के लिए छिंदगढ़ अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज से पहले ही छात्र ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी लगते ही साथियों के साथ ही स्कूल प्रबंधन में शोक की लहर दौड़ गई।

तीन दिन से लापता नाबालिग का शव मिला

दुष्कर्म और हत्या की आशंका

रायपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में हैरान कर देने वाली घटना सामने आई, जिसने पूरे शहर को झकझोर दिया है। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के अमलीडीह स्थित पुलिस कॉलोनी के पास एक सुनसान प्लॉट में 17 वर्षीय नाबालिग लड़की का शव बरामद हुआ है। किशोरी पिछले तीन दिनों से लापता थी और उसके परिजन लगातार उसकी खोजबीन कर रहे थे। प्रारंभिक जांच में दुष्कर्म और हत्या की आशंका जताई जा रही है।

युवक बकरियां चरा रहा था, तभी उसकी नजर खाली प्लॉट में पड़े शव पर पड़ी। शव की स्थिति संदिग्ध होने पर उसने तुरंत पास ही स्थित पुलिस कॉलोनी में मौजूद स्टाफ को इसकी सूचना दी। इसके बाद राजेंद्र नगर थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल को घेराबंदी कर घास-फूस हटाकर जांच शुरू की गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शव की हालत देखकर साफ है कि किशोरी की बेरहमी से हत्या की गई है। उसके शरीर पर कई जगह चोटों और घसीटे जाने के निशान पाए गए हैं। प्रारंभिक अनुमान है कि वारदात कहीं और हुई और बाद में शव को सुनसान जगह में फेंका गया। घटनास्थल के आसपास किसी तरह की चप्पल, मोबाइल या कपड़े का टुकड़ा नहीं मिलने से यह आशंका और मजबूत हो गई है।

परिजनों के अनुसार, मृतका गुरुवार दोपहर घर से निकली थी और उसके बाद वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला तो स्वजनों ने तेलीबांधा थाने में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। शव मिलने की सूचना के बाद परिवार बेसुध हालत में मौके पर पहुंचा।

जांच के दौरान पुलिस को प्रेम प्रसंग की भी जानकारी मिली है। परिजनों के बयान और मृतका के मोबाइल रिकॉर्ड से पुलिस को पता चला है कि वह किसी युवक के संपर्क में थी। इस एंगल को ध्यान में रखते हुए पुलिस अब मोबाइल के कॉल डिटेल रिकॉर्ड और लोकेशन डंप की जांच कर रही है।

करंट लगने से हुई हथिनी की मौत

बिजली के पोल में शरीर रगड़ते वक्त हुआ हादसा

गढ़वा, 23 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में एक दर्दनाक घटना में, एक हथिनी की करंट लगने से मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब वह एक बिजली के खंभे से अपना शरीर रगड़ रही थी। वन विभाग घटना की जांच कर रहा है, और क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने घटना पर दुख जताया है।

संवाद सूत्र, चिनियां (गढ़वा)। चिनियां थाना क्षेत्र के मुख्य सड़क चपकली मोड़ स्थित कारी-माटी जंगल के निकट रविवार के अहले सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। चिनियां के जगलों में विचरण कर रहे हाथियों के झुंड में शामिल एक हथिनी की 11, हजार वोल्ट के बिजली की तार की चपेट में आ जाने से मौत हो गई।

ग्रामीणों के अनुसार चिनियां थाना क्षेत्र के चपकली गांव में 25-30 की संख्या में हाथियों का झुंड गांव में देखा गया था। ग्रामीणों की मानें तो गांव से निकलकर वापस जंगल की ओर बढ़ते समय झुंड में चल रही एक हथिनी सड़क के निकट 11 हजार वोल्ट के बिजली पोल में सटकर अपने शरीर को रगड़ रही थी।

1 लाख 70 हजार रुपये के नकली नोट के साथ तीन गिरफ्तार, अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश

जांजगीर-चांपा, 23 नवंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने नकली नोट खपाने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क का राजफाश किया गया है। मिली सूचना के आधार पर सक्ती पुलिस और तेलंगाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए छत्तीसगढ़ में नकली नोट चलाने की कोशिश कर रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों के पास से पुलिस को 1 लाख 70 हजार रुपये का नकली नोट भी मिला है।

एएसपी हरीश यादव ने बताया कि तेलंगाना राज्य के जिला कामारेड्डी में नकली नोट खपाते हुए आरोपी सिद्धा गौड़ पकड़ा गया था, जिसके विरुद्ध थाना कामारेड्डी में अपराध धारा 179, 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पता चला कि कोलकाता के सौरव डे, नारायण भगत और बिहार निवासी रसीद अहमद कम्प्यूटर, कलर प्रिंटर और जेके एक्सल बांड पेपर के माध्यम से नकली नोट तैयार करते थे।

फेसबुक के जरिए तलाशते थे सहयोगी

ये आरोपी फेसबुक के जरिए मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में ऐसे लोगों की तलाश करते थे, जो नकली नोट खपाने में उनकी मदद कर सकें। तेलंगाना पुलिस ने इन तीनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

इन आरोपियों ने खपाए नकली नोट

पूछताछ में खुलासा हुआ कि छत्तीसगढ़ के जिला सक्ती के डभरा थाना क्षेत्र में नकली नोट नंदलाल जांगड़े निवासी जवाली, छतराम आदित्य निवासी देवगांव को भेजे गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सक्ती ने थाना डभरा व चौकी छपोरा को तेलंगाना पुलिस के साथ संयुक्त टीम बनाकर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

टीम ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने बिहार के रसीद अहमद से 40 हजार रुपये में दो लाख मूल्य के नकली नोट खरीदे थे और इन्हें खपाने के लिए मनहरण उर्फ सोहन लहरे निवासी भडोरा (चौकी छपोरा) को दे दिया था।

पुलिस ने मनहरण की तलाश की तो वह रायगढ़ क्षेत्र में मिला, जिसे रात में ही हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह दो लाख नकली नोट लेकर उनमें से 30 हजार रुपये अलग-अलग जगहों पर खपा चुका है, जबकि 1 लाख 70 हजार रुपये नकली नोट उसने घर में छिपाकर रखे थे। संयुक्त टीम ने उसके घर से नकली नोट बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूरे प्रकरण को तेलंगाना पुलिस को अग्रिम कार्रवाई हेतु औपचारिक रूप से सौंप दिया गया है।

नेशनल हाईवे में तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को मारी ठोकर, हादसे में युवती की मौके पर ही मौत

दुर्ग, 23 नवंबर (एजेंसियां)। दुर्ग-भिलाई के खुर्सीपार थाना क्षेत्र के आज सुबह नेशनल हाईवे में एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने पीछे से बाइक को ठोकर मार दी। बाइक में सवार युवती सड़क पर गिर गई और ट्रक ने उसे कुचल दिया। युवती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ट्रेलर चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में जुट गई है। वही फरार ट्रेलर चालक की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि आज सुबह युवती साक्षी द्विवेदी भिलाई पावर हाउस से भिलाई 3 जाने के अपने पिता के साथ बाइक पर का रहे थे। इसी दौरान पावर हाउस ओवर ब्रिज से उतरने के बाद चंद्रा क्रेन के ठीक सामने नेशनल हाईवे पर पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर के द्वारा बाइक को ठोकर मार दी गई इस हादसे में साक्षी द्विवेदी सड़क पर गिर गई और ट्रेलर ने उसके सिर के ऊपर से गुजर गई।

तेज रफ्तार हाइवा घर पर पलटी

पिता-पुत्री की मौत; पत्नी गंभीर रूप से घायल

रांची, 23 नवंबर (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां जिले के हुदु पंचायत के पालोबेड़ा गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। सड़क निर्माण कार्य में लगे तेज रफ्तार गिट्टी लदे हाइवा ट्रक ने अचानक नियंत्रण खो दिया और सीधे गांव के निवासी 35 वर्षीय बिरबल मुर्मू के घर पर पलट गया। दुर्घटना के समय परिवार घर के अंदर सो रहा था। हाइवा की चपेट में आने से बिरबल मुर्मू और उनकी दो वर्षीय पुत्री की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में बिरबल की पत्नी शेफाली मुर्मू गंभीर रूप से घायल हो गईं। ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर भेजा, जहां उनका उपचार जारी है। बताया जाता है कि लीडिंग कंस्ट्रक्शन द्वारा हरीभंगा से कालाझोर तक सड़क निर्माण का काम चल रहा है। काम के दौरान ही हाइवा अनियंत्रित होकर घर पर पलट गया, जिससे यह दुखद घटना घटी।

सूचना मिलते ही कांड्रा थाना प्रभारी विनोद मुर्मू पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और पूरे मामले का निरीक्षण किया। वहीं हादसे के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य में लगे वाहनों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं है, जिसके कारण यह जानलेवा दुर्घटना हुई।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक ठेकेदार/प्रोप्राइटर पर हत्या का मामला दर्ज नहीं किया जाता और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा नहीं दिया जाता, वे शव को उठने नहीं देंगे। वर्तमान में घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुटी हुई है और माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। प्रशासन लोगों को शांत कराने का प्रयास कर रहा है, लेकिन ग्रामीण न्याय और कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।

आज फिर दो बार भूकंप के झटके से हिली धरती

ढाका, 23 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में फिर से आज भूकंप के झटके महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक एक ही सेकेंड में दो भूकंप के झटके लगे, इसकी बीएमडी ने पुष्टि की और बताया कि एक सेकंड के बीच दो भूकंप आए। बीएमडी के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 3.7 और 4.3 थी, लेकिन यूएसजीएस या अन्य एजेंसियों ने केवल एक ही भूकंप की जानकारी दी है। बांग्लादेश मौसम विभाग के भूकंप ऑब्जर्वेशन और रिसर्च सेंटर ने सुबह 10:36 बजे ढाका के अशुलिया के बायपाइल में रिक्टर स्केल पर 3.3 मैग्नीट्यूड का झटका रिकॉर्ड किया। भूकंप मॉनिटरिंग और रिसर्च सेंटर के एक अधिकारी निजामउद्दीन अहमद ने पुष्टि की है।

भारत-इज़राइल मुक्त व्यापार समझौता

पहले चरण से जल्दी लाभ पर फोकस, गोयल बोले- बातचीत की रूपरेखा पर दोनों देशों ने किया समझौता

यरूशलम, 23 नवंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पियूष गोयल इन दिनों इस्राइल के दौरे पर हैं। जहां उन्होंने भारत और इस्राइल के बीच प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को दो चरणों में लागू करने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत और इस्राइल अपने प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को दो चरणों में लागू करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि दोनों देशों के व्यापारिक समुदाय को जल्दी लाभ मिल सके।

गोयल ने कहा कि दोनों देश पहले कम कठिनाई वाले क्षेत्रों यानी जल्दी लाभ देने वाले क्षेत्रों पर ध्यान देंगे और संवेदनशील मुद्दों को चर्चा में शामिल नहीं करेंगे। उनका उद्देश्य एफटीए का पहला चरण जल्दी पूरा कर व्यापारियों को जल्दी लाभ पहुंचाना है। बता दें कि गुरुवार को दोनों देशों ने बातचीत की रूपरेखा (टीओआर) पर हस्ताक्षर कर एफटीए पर बातचीत की आधिकारिक शुरुआत की। टीओआर में माल पर शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को हटाना, निवेश को बढ़ावा देना, कस्टम प्रक्रियाओं को आसान बनाना, नवाचार और तकनीक हस्तांतरण में सहयोग बढ़ाना, और सेवा व्यापार को बढ़ावा देना शामिल है।

कृषि और निवेश में सहयोग

गोयल ने बताया कि इस्राइल की कृषि में ड्रिप इरिगेशन जैसी तकनीक ने सीमित जमीन, पानी और संसाधनों के बावजूद शानदार सफलता हासिल की है। भारत इससे सीख सकता है। उन्होंने बताया कि दोनों देश आरडी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी काम कर रहे हैं। इसपर इस्राइल के वित्त मंत्री ने भी द्विपक्षीय निवेश संधि के लागू होने पर संतोष व्यक्त किया। गोयल ने कहा कि यह व्यापार संबंधों के नए युग की शुरुआत है। दोनों देश मिलकर यह तय करेंगे कि एफटीए से कैसे लाभ मिलेगा और किन सुविधाओं और लाभों का आदान-प्रदान होगा।

भारत दुनिया का विश्वसनीय साझेदार- गोयल

गोयल ने कहा कि भारत आज दुनिया का विश्वसनीय साझेदार और भरोसेमंद मित्र बन रहा है। कई देशों के साथ संबंध मजबूत हो रहे हैं और कई एफटीए फाइनल होने की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने युवाओं की कुशलता और योग्यताओं की भी तारीफ की और कहा कि दोनों देश फिलहाल कम मेहनत में ज्यादा लाभ वाले क्षेत्रों पर काम कर रहे हैं।

इस्राइल में बड़ा मेट्रो प्रोजेक्ट

गोयल ने बताया कि तेल अवीव में 50 अरब डॉलर का 300 किलोमीटर लंबा अंडरग्राउंड मेट्रो प्रोजेक्ट शुरू होने वाला है। इस्राइल चाहता है कि भारत की कंपनियां इस प्रोजेक्ट में भाग लें। भारत में भी 23 शहरों में मेट्रो परियोजनाएं चल रही हैं और भारतीय कंपनियों के पास इसका अनुभव है।

दोनों देशों का व्यापार और अवसर

गौरतलब है कि 2024-25 में भारत का इस्राइल को निर्यात 52% गिरकर 2.14 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 26.2% घटकर 1.48 अरब डॉलर रहा। कुल द्विपक्षीय व्यापार 3.62 अरब डॉलर रहा। भारत, इस्राइल का एशिया में दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साथी है। मुख्य निर्यात में मोतियां और कीमती पत्थर, ऑटोमोबाइल डीजल, रसायन, मशीनरी, इलेक्ट्रिकल उपकरण, प्लास्टिक, वस्त्र और कृषि उत्पाद शामिल हैं। वहीं मुख्य आयात में मोतियां और रत्न, रसायन और उर्वरक, मशीनरी, पेट्रोलियम उत्पाद और रक्षा उपकरण शामिल हैं।

लच्छीवाल में मॉर्निंग वॉक कर रहे बुजुर्ग पर हाथी ने किया हमला, अस्पताल में भर्ती

देहरादून, 23 नवंबर (एजेंसियां)। देहरादून के लच्छीवाल में मॉर्निंग वॉक कर रहे एक बुजुर्ग पर हाथी ने हमला कर दिया। इस दौरान बुजुर्ग बुरी तरह से घायल हो गया। बुजुर्ग को हिमालयन हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है जानकारी के अनुसार, लच्छीवाला सॉन्ग नदी पुल के आसपास मॉर्निंग वॉक कर रहे मनीराम थापा(60) पुत्र राम सिंह थापा निवासी लच्छीवाल पर जंगली हाथी ने अचानक हमला कर दिया। घायल व्यक्ति किसी तरह जान बचाकर भागा। हाथी जोर जोर से चिंघाड़ कर जंगल की ओर चला गया।मॉर्निंग वॉक करने आए अन्य लोगों ने घायल को हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट में भर्ती कराया है। बताया गया है कि पिछले काफी दिनों से एक हाथी इधर-उधर घूम रहा है। सावधानी के साथ ही घर से निकलें।

अंधेरे में डूब जाएगा अमेरिका का यह इलाका, 2 महीने तक नहीं निकलेगा सूरज!

अलास्का, 23 नवंबर (एजेंसियां)। सर्दियों ने दस्तक दे दी है। अब सभी लोग कड़कड़ाती ठंड के बाद राहत की धूप का इंतजार करने लग जाते हैं। लेकिन, दुनिया में एक जगह ऐसी भी है जो अब अंधेरे में डूबने वाला है। यहां 64 दिन तक उजाला नहीं होगा। अमेरिका का एक शहर कई महीनों के ल अंधेरे में डूबने वाला है। अलास्का के उट्कियाग्विक के निवासी अगले 64 दिनों के लिए सूरज को नहीं देख सकेंगे। दरअसल, यह इसकी वार्षिक पोलर नाइट की शुरुआत का संकेत है। पृथ्वी की धुरी के झुकाव की वजह से होने वाली पोलरनाइट केचलते शहर 22 जनवरी 2026 तक सीधी धूप नहीं देख पाएगा। यह शहर अब 22 जनवरी तक अंधेरे में डूबा रहेगा। फेयरबैंक्स से लगभग 500 मील उत्तर-पश्चिम में स्थित उट्कियाग्विक में करीब 4,400 लोग रहते हैं।

एलियन के बारे में जानते थे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एचडब्ल्यू बुश?

नई डॉक्यूमेंट्री में सनसनीखेज दावा

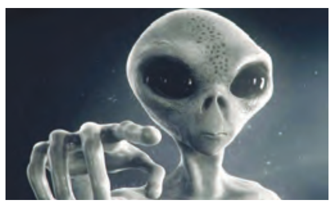

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। एलियन्स की मौजूदगी आज भी पूरी दुनिया के लिए रहस्य बनी हुई है। हॉलीवुड फिल्मों से लेकर विज्ञान की दुनिया में इसे लेकर कई बड़े दावे किए जा चुके हैं। वहीं,अब एक नई डॉक्यूमेंट्री में भी दावा किया गया है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एचडब्ल्यू बुश को इसके बारे में जानकारी थी। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई डॉक्यूमेंट्री में दावा किया गया है कि 1964 में न्यू मेक्सिको में एक एलियन का एनकाउंटर कर दिया गया था। यह एनकाउंटर अमेरिका के होलोमैन एयर फोर्स बेस पर हुआ था। इसकी जानकारी अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश (राष्ट्रपति कार्यकाल 1989-1993 तक) को दी गई थी।

एलियन्स पर बनी डॉक्यूमेंट्री

इस डॉक्यूमेंट्री का नाम 'द ऐज ऑफ डिस्क्लोजर' है। इस डॉक्यूमेंट्री में एक खगोल भौतिक विज्ञानी एरिक डेविस का इंटरव्यू शामिल है, जिसमें वो कहते दिखाई दे रहे हैं कि 2003 में एक निजी बातचीत के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ने उन्हें इस घटना के बारे में बताया था।

पूर्व राष्ट्रपति ने किया था खुलासा

बता दें कि एरिक डेविस एडवांस एयरोस्पेस थ्रेट आईडेंटिफिकेशन प्रोग्राम (एएटीआईपी) के सलाहकार रह चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बुश ने दावा किया था कि अमेरिकी एयरबेस ने तीनों अंतरिक्ष यान को देखा था। उनमें से एक स्पेसशिप लैंड हुई थी। उनमें से एक एलियन बाहर आया था और उसने एयरफोर्स और सीआईए के कर्मचारी से बात करने की कोशिश की थी।

एलियन्स पर हुए कई दावे

यह डॉक्यूमेंट्री अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई है। इसमें एलियन्स को लेकर ऐसे कई दावे और खुलासे किए गए हैं। एएटीआईपी के पूर्व सदस्य हैल पुथॉफ ने भी दावा किया है कि उन्होंने एलियन्स से जुड़े कई साक्ष्य बरामद किए हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता गैरी नोलन का कहना है कि अमेरिकी सैन्यकर्मी हवा कुछ अजीबोगरीब घटनाओं का शिकार हो गए थे, जिससे उन्हें काफी चोटें आईं थीं।

अमेजन प्राइम पर हुई रिलीज

डॉक्यूमेंट्री के निर्देशक दान फराह को उम्मीद है कि यह फिल्म एलियन्स की मौजूदगी से जुड़े कई सवालों से पर्दा उठाएगी। दान के अनुसार, मुझे लगता है कि यह फिल्म हमें अलग जगह पर ले जाकर खड़ा करेगी। इसमें राष्ट्रपति खुद दुनिया को बताएंगे कि इस ब्रह्मांड में हम अकेले नहीं हैं, बल्कि हमारे जैसे और लोग भी यहां रहते हैं।

सतर्कता बढ़ाएं, मुजफ्फरपुर में डेंगू के मरीजों की संख्या 100 के पार

मुजफ्फरपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। जिले में डेंगू के मामलों में लगातार वृद्धि से स्वास्थ्य विभाग चिंतित है। शनिवार को मॉडल अस्पताल के ओपीडी में डेंगू का एक और मरीज मिला है। मरीज की संख्या बढ़कर 102 हो गई है। यह मरीज शहरी क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की सभी टीमें अलर्ट मोड में आ गई हैं। विभाग ने सभी पीएचसी, सीएचसी सहित जिले के सरकारी अस्पतालों को सतर्क रहते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। डेंगू प्रभावित इलाकों को चिन्हित कर वहां लगातार फागिंग और एंटी-लार्वा स्प्रे कराया जा रहा है। विभाग की टीमों को हाटस्पाट क्षेत्रों में विशेष रूप से निगरानी बढ़ाने को कहा गया है। गौरतलब है कि बीते एक सप्ताह में डेंगू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। एसकेएमसीएच की जांच रिपोर्ट में नए मामलों की पुष्टि होने के बाद मरीजों की संख्या पहले 98 थी, जो अब बढ़कर 102 से अधिक हो गई है।

नए रोगियों में हल्का बुखार, शरीर दर्द और प्लेटलेट्स गिरने जैसी सामान्य लक्षण देखे जा रहे हैं। कई संदिग्ध बुखार के मरीज भी अस्पतालों में जांच और इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। प्रभारी सीएस डॉ। चंद्रशेखर प्रसाद ने बताया है कि मरीज का पूरा ब्योरा लिया जा रहा है। साथ ही उसके इलाके में फागिंग कराने का निर्देश भी दिया गया है, ताकि उक्त इलाके में डेंगू का संक्रमण आगे नहीं बढ़ सके। उन्होंने बताया कि सभी सरकारी अस्पतालों में डेंगू जांच और इलाज की पर्याप्त व्यवस्था है। एसकेएमसीएच से लेकर पीएचसी स्तर तक दवाइयों और अन्य चिकित्सकीय संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

इस्राइली खुफिया एजेंसी का दावा

अब यूरोप में हमले की साजिश रच रहा हमास, आतंकी नेटवर्क कर रहा तैयार

तेल अवीव, 23 नवंबर (एजेंसियां)। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद ने दावा किया है कि फलस्तीनी संगठन हमास पूरे यूरोप में आतंकी हमलों की साजिश रच रहा है। इसके लिए हमास द्वारा स्लीपर सेल द्वारा आतंकी नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। एक बयान में मोसाद ने कहा कि यूरोपीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया है और हथियारों को जब्त किया है। साथ ही कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

हमास नेतृत्व पर मदद का आरोप

मोसाद ने आरोप लगाया कि हमास का नेतृत्व भी यूरोप में आतंकी नेटवर्क तैयार करने में मदद कर रहा है। तुर्किए में भी हमास के संगठन बेस की जांच चल रही है। जर्मनी ने बीते दिनों हमास ऑपरेटिव बुरहान अल खतीब को गिरफ्तार किया गया। जांच अधिकारियों का कहना है कि वह जर्मनी आने से पहले तुर्किए में ही सक्रिय था। जर्मनी में उन संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी टारगेट किया जा रहा है, जिन पर हमास के लिए फंड जुटाने और कट्टरपंथी सोच फैलाने का आरोप है। मोसाद ने दावा किया कि 7 अक्तूबर को इस्राइल पर हमले के बाद से हमास ने अपनी विदेश में गतिविधियों को तेज कर दिया है।

कई देशों से संदिग्धों को पकड़ा गया

मोसाद का कहना है कि हमास का आतंकी नेटवर्क यूरोप में यहूदी समुदाय और इस्राइली नागरिकों पर हमले की साजिश रच रहा था। जर्मनी, ऑस्ट्रिया जैसे देशों में भी मोसाद ने स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वित ऑपरेशन चलाकर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पिछले सितंबर में वियना में ऑस्ट्रिया की डीएनएस सिक्योरिटी सर्विस ने हथियारों का एक जखीरा ढूंढा, जिनमें विस्फोटक और हैंडगन शामिल थे। सुरक्षा बलों ने मोहम्मद नईम नामक संदिग्ध के बारे में पता लगाया, जांच में पता चला कि मोहम्मद नईम हमास के शीर्ष ब्यूरो अधिकारी बासेम नईम का बेटा है, जो गाजा में हमास के शीर्ष नेता खलील अल-हया का करीबी बताया जा रहा है।

इस्लामिक देश सऊदी अरब में अब जमकर छलकाएंगे जाम

प्रिंस सलमान ने तोड़ डाली बड़ी बंदिश

रियाद, 23 नवंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब अभी तक रूढ़िवादी इस्लामिक देश माना जाता रहा है, लेकिन अब सऊदी अरब तेजी से बंदिशें तोड़ रहा है। सऊदी अरब में अब जमकर जान छलकेंगे। सऊदी अरब में शराब खरीदने के नियमों को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। सऊदी अरब में शराब संबंधित नियमों में बड़ा बदलाव किया गया है, जिसके बाद अब प्रवासियों के लिए शराब की उपलब्धता को धीरे-धीरे और चुपचाप बढ़ाना शुरू कर दिया गया है, जो उसके सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को दिखाता है।

नये नियमों के मुताबिक अब प्रीमियम रेजिडेंसी रखने वाले गैर-मुस्लिम प्रवासी अब रियाद के उस शराब स्टोर से शराब खरीद सकते हैं, जो पहले सिर्फ विदेशी राजनयिकों के लिए आरक्षित था। हालांकि सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन जिन लोगों ने खरीदारी की है, उन्होंने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया है कि इस बदलाव की जानकारी उन्हें मौखिक रूप से मिली है। सऊदी प्रीमियम रेजिडेंसी कार्यक्रम और सूचना मंत्रालय के प्रवक्ताओं ने इस विषय पर टिप्पणी करने से इंकार किया है। इस कदम को एक्सपर्ट, सऊदी अरब द्वारा शराब बिक्री को औपचारिक बनाने के प्रयासों की दिशा में एक और बड़ा कदम मान रहे हैं।

सऊदी अरब में शराब बिक्री पर नियमों में बदलाव

सऊदी अरब विजन-2030 के तहत पर्यटन को विकसित करने के लिए काम कर रहा है। इसलिए कई तरह के नियमों में बदलाव किए गये हैं। इसी मकसद के साथ शराब से संबंधित नियमों को भी बदला गया है। सरकार का मकसद साल 2030 तक प्रतिवर्ष 15 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करना है, जिसके लिए होटल, रिजॉर्ट, मनोरंजन परियोजनाओं और सांस्कृतिक आयोजनों में भारी निवेश किया जा रहा है। हालांकि अब भी सऊदी अरब काफी हद तक ड्राई देश ही है, जहां शराब पीना और इसकी बिक्री कड़े प्रतिबंधों के तहत आती है। यही वजह है कि सऊदी अरब, पर्यटकों के लिहाज से दुबई, अबू धाबी या बहरीन जैसे अन्य खाड़ी देशों की तुलना में कम आकर्षक माना जाता है। जिसे सही करने के लिए पिछले साल रियाद में पहली बार शराब स्टोर खोला गया है, लेकिन वो सिर्फ राजनयिकों के लिए थी। अब यही आउटलेट सीमित संख्या में गैर-मुस्लिम प्रीमियम रेजिडेंसी धारकों को भी शराब उपलब्ध कराएगा।

नाइजीरिया में बड़ा अपहरण कांड

कैथोलिक स्कूल पर हमला; 300 से ज्यादा बच्चे और 12 टीचर किडनैप

नाइजीरिया, 23 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी अफ्रीका में मौजूद देश नाइजीरिया में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। नाइजीरिया के एक कैथोलिक स्कूल पर बदमाशों ने हमला किया और 300 से ज्यादा बच्चों को किडनैप कर लिया। नाइजीरिया में यह अब तक का सबसे बड़ा किडनैपिंग केस बताया जा रहा है।

बताया गया कि इन छात्रों में लड़के और लड़कियां दोनों शामिल थे। इनकी उम्र महज 10 से 18 साल के बीच थी। नाइजीरिया के क्रिश्चियन एसोसिएशन (सीएएन) ने कहा कि नाइजर राज्य के सेंट मैरी स्कूल से पहले 227 बच्चों के किडनैप होने की आशंका थी लेकिन वैरिफिकेशन के बाद पता चला कि 315 बच्चे किडनैप हुए है। जानकारी के अनुसार, निजर राज्य के पापिरी में स्थित सेंट मैरी स्कूल से 303 छात्र और 12 शिक्षक का अपहरण हुआ। क्रिश्चियन एसोसिएशन (सीएएन) के अध्यक्ष ने बताया कि अगवा करते समय हथियारबन्द हमलावरों की गिरफ्त से भागने की कोशिश में 80 से ज्यादा छात्रों को पकड़ लिया गया। घटना के पीछे वजह बताई जा रही है कि इस महीने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईसाइयों के साथ किए गए व्यवहार को लेकर सैन्य कार्रवाई की धमकी दी थी। इसके बाद सशस्त्र समूहों और इस्लामी विद्रोहियों ने ईसाइयों के स्कूल पर हमला करके बच्चों और शिक्षकों को किडनैप कर लिया। बता दें कि साल 2014 में चिबोक में बोको हराम आतंकवादियों ने 276 स्कूली छात्राओं को किडनैप किया था। सीएएन बयान में कहा गया कि हम सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि हमारे बच्चों को बचाया जा सके और सुरक्षित वापस लाया जा सके। केंद्र सरकार ने करीब 50 संघीय कॉलेजों को बंद करने का आदेश दिया है। कुछ राज्यों में पब्लिक स्कूल भी बंद कर दिए गए हैं।

20 घंटे का सफर 5 घंटे में? बुलेट ट्रेन चलाएगा कंगाल पाकिस्तान

भारत से टक्कर लेने के लिए खुद को भी बेचने को तैयार

इस्लामाबाद, 23 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान इस समय इतिहास के सबसे गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। आईएमएफ की शर्तें गले की फांस बनी हैं और ऊपर से सरकारी खजाना कर्ज के दम पर चल रहा है। लेकिन इस हालात में भी पाकिस्तान को सबसे ज्यादा चिंता किस बात की है? अपने लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों की नहीं, बल्कि कराची से लाहौर के बीच बुलेट ट्रेन चलाने की। हाँ, वही पाकिस्तान रेलवे जो समय पर चले तो इसे पाकिस्तानी भी चमत्कार मानते हैं। इसी रेलवे ने अब 2030 तक कराची-लाहौर 20 घंटे का सफर घटाकर सिर्फ 5 घंटे कर देने का दावा कर दिया है। पाकिस्तान यह सब भारत से टक्कर लेने के लिए कर रहा है।

दरअसल भारत की पहली बुलेट ट्रेन 2027 में चलेगी। इसे देखते हुए ही वह खुद भी बुलेट ट्रेन चलाना चाह रहा है। पाकिस्तान के पास आज अपने रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर की मरम्मत तक के पैसे नहीं। कई रूट इसलिए सही से काम नहीं कर रहे। रेलवे की फ्रेट हिस्सेदारी सिर्फ 4 फीसदी है। यानि सामान ढुलाई में उसकी हालत लगभग खत्म जैसी है। इसके बावजूद पाकिस्तान के नेताओं को लगता है कि बुलेट ट्रेन उनके सपनों को पंख लगा देगी। पाकिस्तान ने चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के तहत 6.8 अरब डॉलर के एमएल-1 प्रोजेक्ट में यह बुलेट ट्रेन प्रस्ताव जोड़ा है।

कितनी होगी ट्रेन की स्पीड?

इसमें 1,215 किमी लंबी हाई स्पीड लाइन बनाई जानी है, जिस पर ट्रेन 250 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ेगी। रूट में हैदराबाद, मुल्तान और सहिवाल जैसे बड़े शहर होंगे। चीन इस प्रोजेक्ट में बुलेट ट्रेन तकनीक से लेकर फंडिंग तक सब संभालेगा। लेकिन सवाल यही है कि क्या यह रेलवे प्रोजेक्ट पाकिस्तान के लिए वरदान बनेगा या चीन की एक और चाल, जो कर्ज के दलदल में और गहरा धकेल देगी? रेलवे मंत्री हनीफ अब्बासी तो इसे पाकिस्तान की 'सबसे दूरदर्शी योजना' बता रहे हैं। हालांकि चीन के साथ रेलवे प्रोजेक्ट का रिकॉर्ड बेहद खराब है। चीन दुनिया भर में हाई स्पीड रेल के नाम पर सपने बेचता है, लेकिन कई देश इन सपनों को हकीकत में बदलने की कोशिश करते-करते कर्ज के बोझ में दबे पाए गए। चीन पिछले एक दशक से हाई स्पीड रेल और बड़ी इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को अपने प्रभाव बढ़ाने का हथियार बना रहा है। इसे ही चीन की 'रेल डिप्लोमेसी' कहा जाता है। शुरुआत में यह मॉडल बड़े सपने दिखाता है जैसे- तेज ट्रेनें, आधुनिक ट्रैक, नई नौकरियां और विकास की चमकदार तस्वीर। लेकिन असलियत कई बार इससे बिलकुल उलट निकलती है। दक्षिण पूर्व एशिया के कई देश इसके उदाहरण हैं। द इंटरप्रेटर की रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया में जकार्ता-बांडुंग हाई स्पीड रेल को चीन ने तेज विकास का प्रतीक बताकर शुरू किया, लेकिन यह प्रोजेक्ट शुरू से ही विवादों, देरी और बढ़ती लागत में फंसता चला गया।

चार साल की देरी और 1.2 अरब डॉलर की अतिरिक्त लागत के बाद इंडोनेशिया खुद इसे 'टिकिंग टाइम बम' कहने लगा और आज चीन से कर्ज रीस्ट्रक्चरिंग की मांग कर रहा है। मलेशिया और थाईलैंड ने भी चीन के साथ अपने हाई स्पीड रेल समझौते शुरू में धूमधाम से किए थे, लेकिन जब कर्ज के खतरे और भारी ब्याज का एहसास हुआ, तो दोनों देशों ने प्रोजेक्ट छोटे कर दिए और कई हिस्सों को चीन से वापस लेकर खुद फंड करने का फैसला किया। फिलिपींस ने तो 2023 में तीन बड़े रेल प्रोजेक्ट सीधे रद्द कर दिए, क्योंकि चीन फंडिंग में देरी कर रहा था और राजनीतिक विवाद बढ़ने लगे थे।

जयपुर में जुटेंगे देश-विदेश के दिग्गज उद्योगपति, साझा होगा औद्योगिक विज़न

जयपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। आगामी 10 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने जा रहे 'प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025' के अवसर पर राजस्थान के औद्योगिक विकास और भविष्य की संभावनाओं पर केंद्रित एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस सत्र का उद्देश्य प्रवासी राजस्थानी समुदाय के सहयोग से राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को नई दिशा देना और दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूती प्रदान करना है।

यह सत्र "प्रवासी राजस्थानी समुदाय के सहयोग से राजस्थान के औद्योगिक परिदृश्य में बदलाव" की थीम पर आधारित होगा, जिसमें देश और विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली औद्योगिक हस्तियां भाग लेंगी। इनमें हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बार, जेके सीमेंट लिमिटेड के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ माधव सिंघानिया, वेलस्पन इंडिया की सीईओ दीपाली गोयनका, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के संस्थापक संजय अग्रवाल तथा बोरोसिल के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन प्रदीप कुमार खेरुका प्रमुख रूप से शामिल होंगे।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता ने कहा कि इन दिग्गज उद्यमियों की भागीदारी राजस्थान के साथ उनके गहरे जुड़ाव को दर्शाती है और उनके अनुभव से राज्य के औद्योगिक विज़न को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान उभरते औद्योगिक ट्रेंड्स, वैश्विक प्रतिस्पर्धा, सतत विकास और निवेश के नए अवसरों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा।

प्रवासी राजस्थानी दिवस केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि प्रवासी समुदाय और राजस्थान के बीच मजबूत संबंधों का उत्सव है। इस आयोजन के माध्यम से राज्य सरकार का लक्ष्य प्रवासी राजस्थानियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए राज्य को एक प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में विकसित करना है। उम्मीद की जा रही है कि यह मंच नवाचार, निवेश और साझेदारी के नए आयाम स्थापित करेगा, जिससे राजस्थान के औद्योगिक इकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी।

कांग्रेस के 12 विधायक और 5 पूर्व विधायक बने जिलाध्यक्ष

8 नेताओं को फिर मौका

जयपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए 50 में से 45 जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी। 12 विधायकों को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, पांच पूर्व विधायकों को भी जिला संगठन की कमान सौंपी गई है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के गृह जिले सीकर सहित कई जगह पुराने चेहरों को फिर से मौका मिला है।

नए जिलाध्यक्षों की सूची जारी होने के साथ ही प्रदेश की सियासत में भी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस संगठन के हिसाब से 50 जिले हैं, जयपुर शहर सहित पांच जिलाध्यक्षों की घोषणा पर एक नाम पर सहमति नहीं बनने से अटक गई है। खास बात ये रही कि राजस्थान के दिग्गज नेता अपने समर्थकों को जिलाध्यक्ष बनाने में काफी हद तक सफल रहे।

12 विधायक बने जिलाध्यक्ष

राजस्थान कांग्रेस ने 12 मौजूदा विधायकों को जिलाध्यक्ष बनाया है। जयपुर ग्रामीण वेस्ट से विद्याधर सिंह चौधरी, डीडवाना-कुचामन से जाकिर हुसैन गैसावत, जोधपुर ग्रामीण से गीता बरवड़, सवाईमाधोपुर से इंद्रा मीणा, करौली से घनश्याम मेहर, बांसवाड़ा से अर्जुन सिंह बामणिया, श्रीगंगानगर से रूपिंदर सिंह कुन्नर, धौलपुर से संजय जाटव, चूरू से मनोज मेघवाल, अजमेर ग्रामीण से विधायक विकास चौधरी, डूंगरपुर से गणेश घोघरा, झुंझुनूं से रीटा चौधरी को जिलाध्यक्ष बनाया है।

5 पूर्व विधायक भी बने जिलाध्यक्ष

प्रदेश के 5 जिलों में कांग्रेस के पूर्व विधायकों को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। भीलवाड़ा ग्रामीण से पूर्व मंत्री रामलाल जाट, जयपुर ग्रामीण पूर्व से गोपाल मीणा, कोटपूतली बहरोड़ से इंद्राज गुर्जर, उदयपुर ग्रामीण से रघुवीर मीणा और अजमेर शहर में राजकुमार जयपाल को जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

8 जिलों में पुराने जिलाध्यक्षों को फिर से मौका

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के गृह जिले सहित 8 जिलों में पुराने जिलाध्यक्षों को फिर से मौका दिया गया है। सीकर से सुनीता गठाला, जयपुर ग्रामीण से पूर्व विधायक गोपाल मीणा, दौसा से रामजीलाल ओड, भरतपुर से दिनेश सिंह सूपा, कोटा ग्रामीण से भानुप्रताप सिंह, बीकानेर ग्रामीण से बिशनाराम सियाग और उदयपुर शहर से फतेह सिंह राठौड़ को फिर से जिलाध्यक्ष बनाया है। वहीं, नागौर के जिलाध्यक्ष रहे जाकिर हुसैन गैसावत को अब कुचामन-डीडवाना का जिलाध्यक्ष बनाया है।

रायशुमारी के बाद बनाया गया था पैनल

कांग्रेस ने इस बार जिलाध्यक्षों के लिए पर्यवेक्षकों से रायशुमारी करवाई थी। हर जिले से 6-6 नेताओं का पैनल तैयार कर रिपोर्ट दी थी। इस रिपोर्ट पर संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सचिन पायलट व अन्य वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की। इसके बाद राहुल गांधी को सिंगल नाम का पैनल भेजा गया।

अशोक गहलोत का सरकार पर तीखा प्रहार

निकाय और पंचायत परिसीमन को बताया दादागीरी

जोधपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। निकाय और पंचायत के परिसीमन पर अशोक गहलोत में सरकार पर बड़ा निशान साधा। उन्होंने कहा कि परिसीमन जो हुआ है उसे आप देख लीजिए। इन लोगों की दादागीरी है। पंचायत में और नगर पालिकाओं में भी मनमाने ढंग से परिसीमन किया गया है। चुनाव बीजेपी कैसे जीते वह हथकंडे अपनाए गए हैं। माइनॉरिटी की सीटें कम कैसे हो जाएं यह हथकंडे अपनाये गए हैं। यह बीजेपी के और एनडीए सरकार के एजेंट हैं। पूरा देश और प्रदेश जानता है। वक्त आने पर इनको सबक मिलेगा।

जोधपुर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जोधपुर प्रवास के दोरान सर्किट हाउस में आमजन और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने जोधपुर

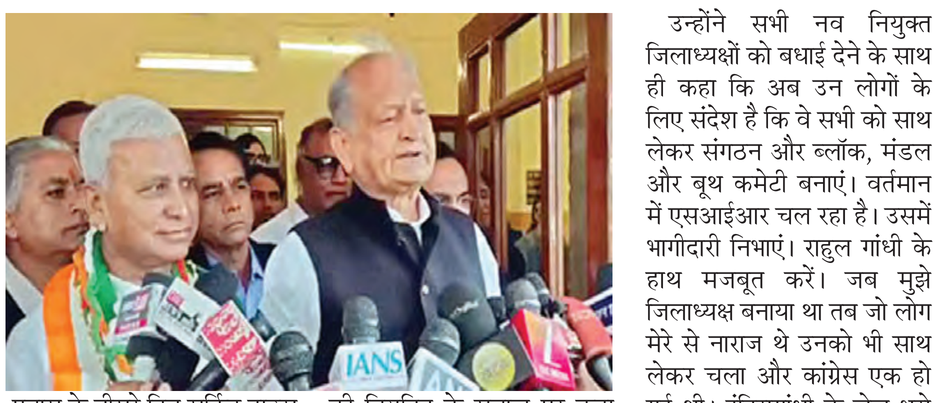

प्रवास के तीसरे दिन सर्किट हाउस में पाली व अन्य जिलों से आए कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की। इस दौरान पाली जिले के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष शिशुपालसिंह राजपुरोहित, जोधपुर शहर जिला अध्यक्ष ओमकार वर्मा सहित कई नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान गहलोत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के सवाल पर कहा कि राहुल गांधी और खड़गे ने अभिनव प्रयोग करते हुए अनुभवी लोगों को जिलों में भेजा गया। कार्यकर्ताओं की राय शुमारी के बाद छह छह नामों का पैनल बनाकर मंथन और संगठन के अनुभव को देखते हुए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। अब समय आ गया है चुनौतियों का सामना करने का।

उन्होंने सभी नव नियुक्त जिलाध्यक्षों को बधाई देने के साथ ही कहा कि अब उन लोगों के लिए संदेश है कि वे सभी को साथ लेकर संगठन और ब्लॉक, मंडल और बूथ कमेटी बनाएं। वर्तमान में एसआईआर चल रहा है। उसमें भागीदारी निभाएं। राहुल गांधी के हाथ मजबूत करें। जब मुझे जिलाध्यक्ष बनाया था तब जो लोग मेरे से नाराज थे उनको भी साथ लेकर चला और कांग्रेस एक हो गई थी। इंदिरागांधी के जेल भरो में मेरा साथ दिया और मुझे लोकसभा का उम्मीदवार बनाया है। नाराज हैं तो उनको दिल जीतें और काम करें यह तरीका होता है काम करने का। ऐसे में गहलोत ने संदेश दिया है कि अब नियुक्ति के बाद सभी को एक होकर कांग्रेस को मजबूत करने की आवश्यकता है जोधपुर में तो गर्व है कि कांग्रेस हमेशा मजबूत रहा है।

'शिक्षकों की अतिरिक्त जिम्मेदारी कम करें'

एसआईआर कार्य के दबाव में बीएलओ की आत्महत्याओं पर भी बोले भाटी

जोधपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी सर्किट हाउस में उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की और आमजन से भी संवाद किया। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने गणपत सिंह हत्याकांड, शिक्षकों पर बढ़ते गैर-शैक्षणिक बोझ और नई ग्राम पंचायतों के गठन पर तीखी प्रतिक्रिया जताई।

'गणपत सिंह हत्याकांड पर 15 माह बाद भी कोई प्रगति नहीं'

रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि गणपत सिंह हत्याकांड को आज पूरे 15 महीने हो चुके हैं, लेकिन अभी तक केस खुल नहीं सका है। पिछले छह दिन से गणपत सिंह की 80 वर्षीय मां कलेक्ट्रेट के सामने भूख हड़ताल पर बैठी हैं। इस कड़क ठंड में एक बुजुर्ग महिला को अपने बेटे के हत्यारे की तलाश के लिए सड़क पर

उतरना पड़ रहा है, इससे दयनीय स्थिति और क्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है मानो प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह समाप्त हो चुकी हो। जिम्मेदार लोग आंखें बंद करके सोए हैं, तभी यह हालात बने हैं।

'शिक्षकों पर अत्यधिक गैर-शैक्षणिक बोझ, आत्महत्या की घटनाएं बढ़ीं'

विधायक ने कहा कि वर्तमान में अर्धवार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं, लेकिन शिक्षकों को बीएलओ और अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगा दिया गया है। आए दिन खबर आती है कि किसी शिक्षक ने अतिरिक्त बोझ से तंग आकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने सरकार से मांग की कि बीएलओ का एक अलग पद सृजित किया जाए। जनगणना हो या कोई अन्य गणना, उसे बीएलओ ही करे, लेकिन शिक्षकों को शैक्षणिक कार्यों से विचलित न किया जाए। शैक्षणिक गतिविधियां लगातार कम हो रही हैं और गैर-शैक्षणिक कार्यों में शिक्षकों को अधिक जोड़ा जा रहा है, जिससे वे प्रताड़ित हो रहे हैं। अर्धवार्षिक परीक्षाओं और शैक्षणिक सुधार के मद्देनजर शिक्षकों को तत्काल राहत दी जानी चाहिए।

भाटी ने कहा कि वोटर लिस्ट की स्क्रूटनी ठीक तरीके से होनी चाहिए। जिनके वोट सही हैं, उन्हें कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। लेकिन जो गलत तरीके से वोट डाल रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। शहरों में बीएलओ को चार-चार बार क्रॉस चेकिंग करनी पड़ रही है। लोगों के पास जरूरी दस्तावेज नहीं हैं, जिससे परेशानी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में न्यूनतम शामिल किया जाए ताकि शिक्षा की गुणवत्ता बनी रहे।

'नई ग्राम पंचायतों के गठन पर पुनर्विचार जरूरी'

नई ग्राम पंचायतों के गठन पर बोलते हुए रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि नोटिफिकेशन तो आ गया, लेकिन जो काम होना था वह ठीक तरीके से नहीं हुआ। रात के समय कई गांवों को बिना वजह छेड़ दिया गया। कई जगह अनावश्यक बदलाव किए गए हैं। इन सब पर सरकार को फिर से विचार करना चाहिए।

जहरीले धुएं से हड़कंप! दम घुटा तो अस्पताल पहुंचे 22 लोग

महिला ने तोड़ा दम, क्या है इस धुंध का राज?

सीकर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सीकर जिले में देर रात उठे रहस्यमय जहरीले धुएं ने 6 कॉलोनियों में हड़कंप मचा दिया। सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन के बाद 22 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन एक 65 साल की महिला ने दम तोड़ दिया। अब सबकी निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं कि आखिर यह धुआं आया कहां से।

सीकरः राजस्थान में सीकर जिले के शांति नगर क्षेत्र में अचानक उठे जहरीले धुएं ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। करीब रात साढ़े नौ बजे उठे इस धुएं ने कुछ ही मिनटों में आधा दर्जन कॉलोनियों को अपनी चपेट में ले लिया। लोगों को सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन, सिरदर्द और उल्टी की शिकायतें होने लगीं। हालात बिगड़ने पर लोग घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागे।

जयपुर रोड स्थित निजी अस्पतालों और एसके अस्पताल में देर रात तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। धुएं से प्रभावित 22 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें 15 छोटे बच्चे शामिल हैं। कई लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, लेकिन एक 65 वर्षीय महिला ने दम तोड़ दिया।

केमिकल रिसाव की आशंका

स्थानीय लोगों के अनुसार, इलाके में धुआं इतना घना था कि पूरा वातावरण धुंध से ढका नजर आने लगा। प्रशासन और पुलिस को सूचना मिलते ही अधिकारी रात में मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में कपड़ा फैक्ट्री के नए प्लांट से गैस या केमिकल रिसाव की आशंका जताई जा रही है। हालांकि प्रशासन ने अभी किसी कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

अपर जिला कलेक्टर रतन कुमार ने कहा कि धुएं के स्रोत की जांच के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और तकनीकी विशेषज्ञों को भी बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि जहरीला धुआं किस वजह से उठा। रात साढ़े तीन बजे तक प्रभावित क्षेत्र में लोगों में भय और असमंजस का माहौल बना रहा। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, मगर क्षेत्रवासियों में घटना को लेकर गहरी नाराजगी और चिंता बनी हुई है।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार 2 युवकों की मौत

घाट की गुणी में सुरंग से बाहर निकलते समय हादसा

जयपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी में आज सुबह घाट की गुणी में सुरंग के बाहर दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। डंपर की टक्कर से बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलने पर पर ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की प्रांरभिक जांच में सामने आया है कि बाइक सवार युवक टनल के अंदर से जयपुर की ओर से आ रहे थे। इसी दौरान पीछे से डंपर आ रहा था। जिसकी चपेट में बाइक सवार आ गए। इसके बाद डंपर आगे जाकर रूक गया। मौके पर हर तरफ सड़क खून से लथपथ हो गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के कारण मौके पर जाम लग गया था। पुलिस ने व्यवस्था संभाली और वाहन हटाकर यातायात सुचारू कराया। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने हादसे को लेकर आक्रोश जताया और भारी वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की। पुलिस ने लोगों को समझाइश देकर शांत कराया।

मृत युवकों की पहचान भरतपुर निवासी मनवीर और योगेश के रूप में हुई है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक किसी परीक्षा में शामिल होने के लिए सुबह जयपुर आ रहे थे। पुलिस ने डंपर चालक को हिरासत में ले लिया है और वाहन को जब्त कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि हादसे की सटीक वजह का पता चल सके।

डिवाइडर तोड़कर आई थार ने श्रद्धालुओं की इको को मारी टक्कर, दो की मौत, 8 घायल

भरतपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। मथुरा बाईपास स्थित गोलपुरा मोड़ के पास देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में श्रद्धालुओं से भरी ईको कार को सामने से डिवाइडर तोड़कर आई तेज रफ्तार थार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनमें से एक को डॉक्टरों ने जयपुर रेफर कर दिया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, थार गाड़ी अखड्डु की ओर से तेज रफ्तार में डिवाइडर तोड़कर सीधे इको कार से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इको कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार श्रद्धालु अंदर फंस

गए। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों का आक्रोश

स्थानीय लोगों का कहना था कि थार गाड़ी का चालक नशे हालत में था और ओवरस्पीड में वाहन चला रहा था। गुस्साए ग्रामीणों ने चालक की पिटाई भी कर दी। लोगों ने ही घायल कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और थार में सवार चारों युवकों को डिटेन कर लिया। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है।

घायलों को आरबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इको कार चालक 25 वर्षीय नरेंद्र और महिला श्रद्धालु नीतू को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को जयपुर रेफर किया गया है। सेवर थानाधिकारी सतीशचंद शर्मा के अनुसार, सभी घायलों का उपचार आरबीएम में जारी है और थार चालक सहित अन्य सवारों से पूछताछ की जा रही है।

खेत में खेल रही 6 साल की बच्ची डिग्गी में डूबी

बचाने की कोशिश में मां की भी मौत

पाली, 23 नवंबर (एजेंसियां)। रास थाना क्षेत्र के ओडावास सरहद में खेत पर बनी डिग्गी में डूबने से मां और मासूम बेटी की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शव को डिग्गी से निकालकर रास सीएचसी केंद्र स्थित मोर्चरी में रखवाए। रास थाना पुलिस के अनुसार ओडावास सरहद में अमरपुरा निवासी प्रियांशी (6) व उसकी मां आरती (30) पत्नी भगवान राम की घर से कुछ दूर पानी से भरी डिग्गी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस व ग्रामीणों ने बताया कि मां आरती पास के खेत में चारा काट रही थी, तभी उसकी पुत्री प्रियांशी खेलते-खेलते अचानक खेत से ओझल हो गई। बेटी को ढूंढने के लिए जब मां इधर-उधर दौड़ी, तो कुछ दूरी पर पानी से भरी डिग्गी में मासूम प्रियांशी दिखाई दी। ॉयह देख आरती बेटी को बचाने डिग्गी में उतर गई। इसी दौरान डूबने से मां व बेटी दोनों की मौत हो गई। इस सूचना पर आनन्दपुर कालू थाना क्षेत्र से उपनिरीक्षक दीपाराम मौके पर पहुंचे। लेकिन हल्का क्षेत्र रास थाना में होने पर आनन्दपुर कालू थाना पुलिस ने रास थाना पुलिस को इसकी सूचना दी।

'मेरे साथ मंत्री और पुलिस, मुंह खोला तो मारकर जंगल में दबा दूंगा'

'बाबा' के कारनामे जान कांप जाएगी रूह

नागौर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। नागौर जिले के डेगाना क्षेत्र में स्थित एक आश्रम के कथित बाबा पर चूरू की 40 वर्षीय महिला ने दुष्कर्म के प्रयास, नशीला पदार्थ सुंघाकर छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की तैयारी की जा रही है।

महिला ने पुलिस को दी लिखित शिकायत में बताया कि 22 अक्तूबर को उसकी मां के मोबाइल पर कथित बाबा का फोन आया था। बाबा ने कहा कि आश्रम में एक बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होने वाला है और मां का आना आवश्यक है। मां के बीमार होने की बात कहने पर बाबा ने महिला का नंबर लिया और स्वयं बार-बार फोन करने लगा। उसने महिला को लालच दिया कि आश्रम आने से उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाएंगी और वह धन-दौलत से मालामाल हो जाएगी। बार-बार फोन और लालच से परेशान होकर महिला 24 अक्तूबर को डेगाना रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां बाबा खुद अपनी गाड़ी लेकर आया और उसे आश्रम ले गया।

रात में नशीला पदार्थ सुंघाकर की गई छेड़छाड़ की कोशिश

आश्रम पहुंचने के बाद दिन भर सामान्य बातचीत हुई, लेकिन रात साढ़े बारह बजे के करीब बाबा महिला के कमरे में पहुंचा। उसने कहा कि वह एक खास ताबीज बना रहा है जिससे महिला रातोंरात अमीर बन जाएगी, मगर इसके लिए एक विशेष कागज सूंघना होगा। जैसे ही महिला ने कागज सूंघा, उसे तेज चक्कर आने लगे, हाथ-पैर सुन्न हो गए और शरीर पर काबू नहीं रहा। बेहोशी की हालत में बाबा ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी और कपड़े उतारकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। विरोध करने पर बाबा आगबबूला हो गया।

प्रभावशाली लोगों का नाम लेकर दी जान से मारने की धमकी

पीड़िता के अनुसार, बाबा ने धमकाते हुए कहा कि उसके पास बड़े-बड़े नेता, मंत्री और पुलिस अधिकारी चेले हैं। अगर महिला ने मुंह खोला तो कोई उसे बचा नहीं पाएगा। बाबा ने धमकी दी कि वह उसे जान से मारकर जंगल में दबा देगा और उसकी लाश भी कोई नहीं ढूंढ पाएगा। साथ ही लालच दिया कि यदि महिला उसकी बात मान लेती है तो उसे लाखों रुपये और सोने-चांदी से लाद देगा। डरी-सहमी महिला पूरी रात आश्रम में ही रही और अगले दिन किसी तरह चूरू लौट आई।

कनिष्का ने रोशन की तीन जिंदगियां

माता-पिता का यह भावुक फैसला नम कर देगा आंखें

जोधपुर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर शहर के झालामंड बाबू नगर स्थित प्रजापति नगर की 16 वर्षीय छात्रा कनिष्का गौड़ ने जीवन के अंतिम क्षणों में भी मानवता की मिसाल पेश की। अशोक गौड़ और संगीता गौड़ की यह पुत्री 12 नवबर को एक दुर्घटना के बाद गंभीर अवस्था में एम्स जोधपुर में भर्ती हुई थी। 10 दिन तक जिंदगी और मौत से संघर्ष करने के बाद 21 नवंबर को कनिष्का को ब्रेन डेड घोषित किया गया। परिवार ने अथाह दुख के बीच 22 नवबर को उनकी दोनों किडनी और लिवर दान कर दिए। एम्स जोधपुर में पहली बार किसी बालिका का ब्रेन डेड ऑर्गन डोनेशन किया गया। इस साल का यह चौथा ब्रेन डेड ऑर्गन डोनेशन है। कनिष्का का शुरुआती उपचार डॉ. डेजी खेड़ा ने संभाला। सोटो, रोटो और नोटो के समन्वय से अंग आवंटन प्रक्रिया पूरी की गई। कनिष्का का हृदय और फेफड़े भी पूरी तरह स्वस्थ पाए गए, किंतु पूरे देश में किसी भी अस्पताल में इन अंगों के लिए उपयुक्त प्राप्तकर्ता (सूटेबल रेसिपेंट) उपलब्ध नहीं हो सका। इसके बाद घोषित आवंटन के अनुसार एक किडनी को एसएमएस अस्पताल जयपुर भेजा गया, जिसके लिए यातायात और प्रशासन की सहायता से ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया।

डीसीसी चीफ की नियुक्ति से कांग्रेस में मतभेद उजागर

नलगोंडा, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष पद के चयन ने तेलंगाना कांग्रेस पार्टी के अंदरूनी मतभेदों को उजागर कर दिया है। डीसीसी अध्यक्ष पद के दावेदार गुम्मुला मोहन रेड्डी ने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि उनके साथ पार्टी में लगातार अनुचित व्यवहार किया जा रहा है। मोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने उन्हें धोखा दिया।

उन्होंने कहा, जब भी मैंने डीसीसी पद की मांग की, मुझे नजरअंदाज कर दिया गया। पार्टी में जो लोग दूसरों का अपमान करते हैं, पद उन्हीं को दिए जा रहे हैं। हम ऐसे लोगों के पीछे नहीं चलेंगे, जो पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी जाति, वरिष्ठता और सेवाओं को नजरअंदाज कर उन्हें रोक दिया गया क्योंकि वे मंत्री कोमटिरेड्डी के समर्थक हैं। उन्होंने कहा कि क्या मेरी वरिष्ठता और मेरा काम बेकार है? बिना किसी को नुकसान पहुंचाए राजनीति करना क्या गलती है? मोहन रेड्डी ने उच्च कमान पर जाति के आधार पर निर्णय लेने का आरोप लगाया और कहा कि उनके बाद आए 20 लोगों को कॉर्पोरेशन पोस्ट दे दिए गए, जबकि असली नेताओं को दरकिनार किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट मांग की कि उन्हें राज्य आरटीसी चेयरमैन का पद दिया जाए।

उन्होंने कहा कि अगर कोमटिरेड्डी चाहें, तो मैं 24 घंटों में यह पद पा सकता हूं। अगर मैं रेवंत रेड्डी के साथ चलता, तो मुझे एमएलए और एमपी का टिकट मिल जाता।

उन्होंने यह भी कहा कि मुनुगोडु उपचुनाव में उन्होंने कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी का समर्थन नहीं किया था, फिर भी उनके खिलाफ गलत धारणा बनाई गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि डीसीसी प्रमुख पद को लेकर उठे आरोप और बयानबाज़ी जिला कांग्रेस में बढ़ती खींचतान और गुटबाजी को स्पष्ट रूप से सामने ला रहे हैं।

28 नवंबर से 13 दिसंबर तक होगा 16 दिन का सुंदरकांड पारायण

तिरुमला, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला के वसंत मंडपम में 28 नवंबर से 13 दिसंबर तक षोडश दिना सुंदरकांड पारायण का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत से एक दिन पहले 27 नवंबर को शाम 7 बजे से 8 बजे तक धर्मगिरी वेदा विज्ञान पीठम में अंकुरार्पणम किया जाएगा। पारायण कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन सुबह 8:30 बजे से 9:30 बजे तक वसंत मंडपम में सुंदरकांड पारायण आयोजित होगा। वहीं धर्मगिरी वेदा विज्ञान पीठम में रोजाना सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक अभिषेकम, होमम और अनुष्ठान किया जाएगा। 13 दिसंबर को कार्यक्रम का समापन पूर्णाहुति के साथ होगा, जो सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक धर्मगिरी वेदा विज्ञान पीठम में आयोजित होगी।

आग लगाकर घायल हीना की मौत

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बोराबंडा में पिछले सोमवार हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान आग लगाने वाली 22 वर्षीय ट्रांसजेंडर हीना की रविवार तड़के गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हीना सहित आठ ट्रांसजेंडरों ने बोराबंडा बस स्टैंड पर विरोध प्रदर्शन किया था।

वे दूसरे समूह की नेता मोनालिसा के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे। विरोध के दौरान उन्होंने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली, जिससे सभी गंभीर रूप से जल गए। दो दिन पहले एक और ट्रांसजेंडर नेहा की भी इलाज के दौरान मौत हो चुकी है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मोनालिसा को बुधवार को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया है।

हुस्नाबाद विधानसभा में साड़ी वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री पोन्नम

करीमनगर, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र के चिगुरु मामिडी मंडल मुख्यालय में तेलंगाना प्रगति इंदिरा महिला शक्ति साड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन महालक्ष्मी गार्डन में किया गया। कार्यक्रम में राज्य परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंत्री ने मौके पर महिलाओं को 'बोट्टू पेट्टी' साड़ियां और कल्याण लक्ष्मी चेक वितरित किए। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर पामेला सत्पति, अतिरिक्त कलेक्टर अश्विनी तानाजी वकाडे, हुस्नाबाद मार्केट कमेटी चेयरमैन तिरुपति रेड्डी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सिरसिल्ला में बनी ये साड़ियां तेलंगाना की 18 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि महिला समूह घर-घर जाकर यह साड़ी वितरण करें। सभी महिलाएं एकजुट होकर राज्य सरकार को आशीर्वाद दें। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों से महिलाओं को बिना ब्याज का ऋण नहीं मिल रहा था, लेकिन सरकार में आते ही हमने शून्य ब्याज ऋण देना शुरू किया है। महिलाओं के लिए सोलर प्लांट, पेट्रोल पंप, बसें और अन्य कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। किसानों की धान की खरीद, छात्र यूनिफॉर्म महिलाओं द्वारा सिलाई, आदर्श स्कूलों में सुविधाओं जैसे कार्य महिलाओं के माध्यम से किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि हाल ही में किए गए सर्वे के अनुसार ऊंचे पदों पर वही लोग पहुंचे हैं जो अच्छी शिक्षा प्राप्त हैं, न कि पैसे, जाति या धर्म के आधार पर। मंत्री ने कहा कि 3,500 इंदिरम्मा आवास निर्माण के अंतिम चरण में हैं और जल्द ही और 3,500 आवास दिए जाएंगे। सरकार महिलाओं को आरटीसी में मुफ्त बस यात्रा, नए राशन कार्ड, फाइन राइस, 200 यूनिट मुफ्त बिजली और गैस सिलिंडर पर 500 रुपये सब्सिडी दे रही है। मंत्री ने कहा कि इंदिरम्मा साड़ियां हर घर तक पहुंचाई जाएंगी और अधिकारियों से इसे चरणबद्ध तरीके से वितरित करने को कहा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समूह भवन उपलब्ध कराने के लिए फंड दिया जाएगा। महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आएं और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दें। एकजुट होकर महिलाएं हर लक्ष्य हासिल कर सकती हैं। सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए बड़े कदम उठा रही है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर सिकंदराबाद में यूनिटी मार्च आयोजित

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सिकंदराबाद के सिताफलमंडी में सरदार एट 150 यूनिटी मार्च कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया। रैली सीताफलमंडी शिवाजी प्रतिमा से शुरू होकर चिलकलगुड़ा गांधी प्रतिमा तक निकाली गई। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बोलते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि सरदार पटेल ने निजाम शासन से तेलंगाना को मुक्त कराया, इसलिए तेलंगाना के लोगों को उन्हें हमेशा याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल से बढ़कर तेलंगाना और हैदराबाद राज्य की सेवा किसी नेता ने नहीं की। उस समय रजाकारों द्वारा ग्रामीण तेलंगाना में किए गए अत्याचार, हिंदुओं की हत्याएं, और महिलाओं पर हुए अत्याचार ऐतिहासिक तथ्य हैं।

किशन रेड्डी ने कहा कि इस महान नेता की 150वीं जन्म जयंती पर उनके बलिदान, सोच और भारत निर्माण के संकल्प को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के इतिहास में सरदार पटेल जैसा कोई दूसरा नेता नहीं रहा।

जीएचएमसी की 12वीं बैठक कल

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) 25 नवंबर को अपने मुख्यालय में 12वीं जीएचएमसी बैठक आयोजित करेगा। फरवरी 2021 में चुने गए इस निकाय का पांच साल का कार्यकाल फरवरी 2026 में पूरा होगा और यह आखिरी बैठक मानी जा रही है। इस समय जीएचएमसी में कुल 150 पदों में से 146 पार्षद हैं। पार्टीवार संख्या में बीआरएस के 40, एआईएमआईएम के 41, कांग्रेस के 24 (जिनमें बीआरएस से आए पार्षद शामिल हैं) और भाजपा के 41 पार्षद मौजूद हैं। दो पार्षदों के निधन और दो के विधायक बनने पर इस्तीफा देने से चार पद खाली हैं।

बीसी आरक्षण रोकने की साजिश कर रही कांग्रेस सरकार : एमएलसी

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि वे पिछड़ा वर्ग (बीसी) को आरक्षण मिलने से रोकने की साज़िश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीसी को 42 प्रतिशत आरक्षण देना 9वीं अनुसूची में शामिल किए बिना संभव नहीं है और ट्रिपल टेस्ट पूरा किए बिना कोई राज्य आरक्षण नहीं बढ़ा सकता। दासोजू श्रीवन ने तेलंगाना भवन में बीआरएस विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव के साथ मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद कांग्रेस पार्टी धोखा दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जाती गणना समर्पित आयोग की जगह योजना विभाग से कराई गई, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार अमान्य है। उन्होंने कहा कि बीसी की राजनीतिक पिछड़ापन का अध्ययन किए बिना ही सरकार ने जीओ जारी कर दिए, जिससे सुप्रीम कोर्ट का दूसरा टेस्ट भी फेल हो गया।

उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास बिल लंबित रहते हुए जीओ जारी किए। बीआरएस पार्टी ने समर्थन इसलिए किया क्योंकि वे इसे पूरा होते देखना चाहते थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संसद में निजी विधेयक तक पेश नहीं कर पाए। दासोजू ने बताया कि केसीआर शासन में सर्वे में बीसी की आबादी 51 प्रतिशत बताई गई थी, जबकि रेवंत सरकार के सर्वे में इसे घटाकर 46 प्रतिशत बताया गया। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के लिए जारी यह जीओ अदालत में टिक नहीं पाएगा। दासोजू ने कहा कि सरकार जीओ के माध्यम से एससी, एसटी और बीसी में विवाद पैदा करने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि 23 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाना भी ट्रिपल टेस्ट के बिना संभव नहीं है और गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में आरक्षण बढ़ोतरी अदालतों ने रद्द कर दी थी।

पूर्व मंत्री और विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि कांग्रेस ने कामारेड्डी घोषणा पत्र में 42 प्रतिशत आरक्षण का वादा कर बीसी समाज को फिर धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि जाति सर्वे सही तरीके से नहीं किया गया और आयोग की रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं की गई। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर धरना के नाम पर हंगामा किया गया, लेकिन कोई बड़ा कांग्रेस नेता वहां मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा कि बीसी समाज, जिसकी आबादी 50 प्रतिशत से ज्यादा है, को झूठे वादों से ठगा जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि बीसी नेता और बुद्धिजीवी पूरे राज्य में आंदोलन करेंगे। सोमवार को बीसी नेताओं के साथ बैठक कर आगे की कार्य योजना की घोषणा की जाएगी।

हैदराबाद में नशे में गाड़ी चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में नशे में गाड़ी चलाने वाले लोगों पर पुलिस की सख़्ती जारी है। शराब पीकर गाड़ी न चलाने की अपीलों के बावजूद कई लोग नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं और खुद के साथ-साथ दूसरों की जान भी खतरे में डाल रहे हैं। हाल ही में, पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने ऐसे लोगों की तुलना आतंकवादियों से की और इसे सड़क पर बड़ा अपराध बताया। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताहांत में विशेष अभियान चलाकर 424 लोगों को पकड़ा। इनमें 300 बाइक सवार, 18 ऑटो चालक और 99 कार चालक शामिल थे। जांच में कई लोगों के खून में शराब की मात्रा बहुत ज़्यादा पाई गई। 361 लोगों का बीएसी स्तर 35 से 200 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच था, 43 लोगों में 201 से 300 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच और 20 लोगों में 301 से 550 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर तक पाया गया।

हैदराबाद में 78वां एनसीसी दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) निदेशालय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की ओर से 78वां एनसीसी दिवस समारोह मेहदीपट्टनम मिलिटरी गैरीसन, हैदराबाद में बड़े उत्साह और देशभक्ति के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सेना के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारी, एनसीसी पूर्व छात्र, विशिष्ट अतिथि और बड़ी संख्या में कैडेट शामिल हुए। समारोह की शुरूआत आकर्षक परेड से हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथि मेजर जनरल अजय मिश्रा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना एंड आंध्र सब एरिया को सलामी दी गई। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम, घुड़सवारी शो और टेंट पेगिंग का शानदार प्रदर्शन हुआ, जिसने एनसीसी की अनुशासन, टीमवर्क और उत्साह की भावना को प्रदर्शित किया।

मुख्य अतिथि मेजर जनरल अजय मिश्रा ने अपने संबोधन में कैडेटों की प्रशंसा की और कहा कि एनसीसी राष्ट्र सेवा के लिए जिम्मेदार और प्रेरित युवाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम का समापन एनसीसी गीत, राष्ट्रगान और पूर्व छात्रों के साथ समूह फोटो के साथ हुआ। एयर कमोडोर नरसिंह सैलानी, डिप्टी डायरेक्टर जनरल, एनसीसी निदेशालय (एपी एंड टी) ने बताया कि एनसीसी कैडेटों ने राष्ट्रीय स्तर के शिविरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि कैडेटों ने नई दिल्ली में आरडीसी 2025 में फ्लैग एरिया और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में पहला स्थान, तथा ऑल इंडिया थल सैनिक कैंप (गर्ल्स) में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने वर्ष भर में की गई प्रमुख पहल का भी उल्लेख किया।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 क्रिकेट प्रतियोगिता व महिला वर्ग पांचवां चरण सम्पन्न

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के आठवें संस्करण व महिला वर्ग खेल थौरो बोल गेम का आयोजन किया। श्री आईमाताजी की तस्वीर पर माल्यापर्ण व महाआरती के पश्चात गणमान्य अतिथियों एवं टीम के खिलाड़ियों के सान्निध्य में अलियाबाद स्थित सीरवी क्रिकेट ग्राउण्ड एवं लीजेंड क्रिकेट ग्राउंड कीसरा में प्रतियोगिता का पांचवां चरण का शुभारंभ किया गया।

आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में फ्रेन्डस क्लब के सुरेश सैणचा ने बताया कि सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 के तहत समाज के विभिन्न क्षेत्रों की 24 टीमों के मध्य टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच रविवार को खेले गये। महिला वर्ग के खेलों में एथेलेटिक्स तथा पारंपरिक, क्रिकेट खेल की प्रतियोगिता संपन्न हुई। क्रिकेट प्रतियोगिता में पांचवां चरण का उद्घाटन मुकाबला सीरवी टाईगर व रामनगर रायल के मध्य खेला गया जिसमें सीरवी टाईगर की टीम 7 विकेट सें विजयी रही। अनिल चौधरी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ दि मैच से नवाजा गया। दूसरा अलवाल व शमशाबाद बीच खेला गया जिसमे शमशाबाद की टीम 5 विकेट विजयी रहीं प्रेम सीरवी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। तीसरा मैच जुबली हिल्स क्लब व सैनिकपुरी के माध्य खेला गया, जिसमें सैनिकपुरी की टीम 6 विकेट से विजयी रही। दिनेश चौधरी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। चौथा मैच आईजी फ्रेंड्स क्लब व लींगम्मपल्ली के मध्य खेला गया, जिसमें आईजी फ्रेंड्स क्लब की टीम 67 रनों से विजयी रही। मनोहर को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। पांचवां मैच अस्टिक मेडचल व शंकरपल्ली के मध्य खेला गया, जिसमें अस्टिक मेडचल की टीम 110 रनों से विजयी रही। चीरनजीवी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। छठवां मैच शादनगर व संगा रेड्डी के मध्य खेला गया, जिसमें संगा रेड्डी की टीम 24 रनों से विजयी रही। मुकेश सीरवी को मैन ऑफ दि मैच का पुरस्कार दिया गया। सातवां मैच सीरवी वारियार व टी एम जी टाइटंस के मध्य खेला गया, जिसमें की एमजी की टीम 19 रनों से विजयी रहीं। चेतन चौधरी ऑफ दि मैच रहे। आठवां मैच सिकंदराबाद व करमनघाट वारियार के मध्य खेला गया, जिसमें सिकंदराबाद की टीम 82 रनों से विजेता रही। हितेश चौधरी मैन ऑफ दि मैच रहे। नौवां नाचाराम स्ट्राइकर व एलबी नगर के मध्य खेला गया। जिसमें एलबी नगर की टीम 51 रनों से विजेता रही गोविन्द चौधरी मैन ऑफ दि मैच रहे। दसवां मैच सीरवी किंग इलेवन व कापरा ग्रेट फाइटर के मध्य खेला गया, जिसमें कापरा ग्रेट फाइटर की टीम 16 रनों से विजयी रही। सुरेश चौधरी मैन ऑफ दि मैच बने। ग्यारहवां माताजी इलेवन बिरमगुड़ा व बालनगर के माध्य खेला गया। जिसमें माताजी इलेवन बिरमगुड़ा की टीम 3 विकेट से विजयी रही राकेश बर्फा मैन ऑफ दि मैच रहे। 12 वे मैच धम्माईगुड़ा व अलविन इलेवन के मध्य से खेला गया। जिसमें अलविन इलेवन ने 5 विकेट से विजयी रही। ललित काग मैन ऑफ दि मैच रहे। क्रिकेट महिला वर्ग के क्रिकेट खेल में क्रेजी 7 विजय रही। महिला वर्ग खेल आयोजित हुए जिन खिलाड़ियों ने जीत हासिल की उनको सीरवी समाज प्रिमियर लीग 8 के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा। प्रतियोगिता का क्वार्टरफाइनल फाइनल 30 नवंबर रविवार को होंगा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के सम्मान में समारोह आयोजित

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मराठी महासंघ तेलंगाना ने, फाउंडर प्रेसिडेंट मनोज मोगलगिड्डी की लीडरशिप में, फाउंडर जनरल सेक्रेटरी चंद्रशेखर देशपांडे, सुधीर गुमटे और कमेटी के दूसरे मेंबर्स के साथ मिलकर, तेलंगाना सारस्वत परिषद में एन. रामचंदर राव को बीजेपी स्टेट का प्रेसिडेंट को सम्मानित करने के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया।

इस खास समारोह में, मराठी साहित्य परिषद, मराठी ग्रंथ संग्रहालय, तत्व आर्ट्स, सोहम थिएटर और दूसरी जानी-मानी संस्थाओं समेत कई जाने-माने मराठी ऑर्गनाइज़ेशन ने मिलकर एन. रामचंदर राव को उनकी शानदार कामयाबी और पब्लिक सर्विस में लंबे समय से योगदान के लिए सम्मानित किया। इस इवेंट में बीजेपी गोलकुंडा जिला के प्रेसिडेंट टी. उमा महेंद्र, एन.आर. लक्ष्मण राव, अध्यक्ष, बजरंग सेना तेलंगाना और कई जाने-माने लोग और मराठी कम्युनिटी के सदस्य मौजूद थे। सेरेमनी एक बड़े म्यूज़िकल प्रोग्राम के साथ खत्म हुई, जिसमें म्यूजिकल ग्रुप ने मराठी और हिंदी गाने गाए गए।

कुमावत समाज तेलंगाना की सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत समाज तेलंगाना की आम सभा आज रविवार को ज्ञानबाग कालोनी स्थित कुमावत समाज के भवन में सम्पन हुई जिसकी अध्यक्षता सोनाराम तिलायचा ने की।

प्रेस जारी विज्ञप्ति में धर्मीचन्द कुमावत द्वारा बताया गया कि कुमावत समाज की तेलंगान सभी शाखाओं के अध्यक्षों से अपील की गई है कि अपनी अपनी शाखाओं के लैटर पेड की एक-एक कापी कुमावत समाज प्रदेश कमेटी को दें। ताकि ओबीसी की जो प्रक्रिया चल रही है, वो कार्य करने के लिए आसानी हो। उसकी कापी सोनाराम तिलायचा के पास जमा कराएं। धर्माराम डैय्या एवं बाबूलाल खरनालिया ने अपील की है कि अपने अपने शाखाओं के अध्यक्षों से जल्दी से जल्दी अपने लेटर पेड जमा कराएं। रुपाराम भोपा ने बताया कि समाज की एकता के लिए, कुछ अच्छे नियम बनाने की आवश्यता है।

भीयाराम मंगलोड़ा ने बताया कि कुमावत समाज तेलंगाना की ओर से यह दो साल के कार्यकाल का कार्य है। जिस तरह से तेलंगाना समाज कार्य कर रही है इनसे सीखकर दूसरी समाज शाखा को कार्य करना चाहिये। कोषाध्यक्ष पवनकुमार सांगर ने समाज का दो साल का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। मंत्री ओमप्रकाश सांगर द्वारा सभी का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया। सभा में उपस्थित रुपाराम भोपा, राजूराम बाकरेचा, मोह्नलाल मावर, बाबुलाल मालीवाल, ओमप्रकाश भोपा, लुम्बाराम जालोरा, बाबुलाल खरनालिया, भीयाराम मंगलोड़ा पूनमचन्द डैय्या, गोविन्द्राम बाकरेचा, नारायणलाल घोड़ावड, थानाराम चांदोरा, सोहनलालमाननिया, सुनिल मोरवाड़िया, आसुराम रेणवाल, जयप्रकाश चांदोरा, महेन्द्र दुबलदिया, माणीकचन्द मेड़तिया, रमेश बाकरेचा, नोरतमल ऐकलिया, शिम्भुराम मोटावत, नेमीचन्द मावर, रमेश अडाणिया, रामेश्वर बाकरेचा, मांगीलाल दुबलदिया कालुराम चांदोरा, दिनेश दुबलदिया, जगदीश मालीवाड़, कानाराम सांगर, पप्पुराम सांगर, बंशीलाल चांदोरा सहित बड़ी संख्या में समाज बन्धु थे।

एसएसजीएफ हैदराबाद टीम की कप्तानी संभालेंगे लोहितेश

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसएसजीएफ हैदराबाद जूनियर टीम के मैनेजर संदीप मिश्रा ने नेतृत्व में करेंगे पंडित दीन दयाल उपाध्याय जूनियर नेशनल टी-20 क्रिकेट चैम्पियनशिप-2025 के 17वें संस्करण में भाग लेगी। यह टूर्नामेंट गुरु द्रोणाचार्य खेल-खोज फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा स्कूल स्पोर्ट्स एंड गेम्स फेडरेशन के सहयोग से 24 से 30 नवंबर तक मडगांव, गोवा के विभिन्न स्थलों पर आयोजित किया जा रहा है।

टीम की कमान संभालेंगे विकेटकीपर-बल्लेबाज़ बी. लोहितेश रेड्डी, जबकि अनुभवी ऑलराउंडर चुक्का राहुल रेड्डी उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। टीम में बी. लोहितेश रेड्डी (कप्तान एवं विकेटकीपर) चुक्का राहुल रेड्डी (उप-कप्तान), पी. मणिकांत (विकेटकीपर), गोतेटी श्रवण, गोपी परियार, एस. चारण,वी. आभिजय, धैर्य तिवारी, मोहम्मद रेहान खान, आदर्श देशमुख, शेख आमिर, मोहम्मद अरशद, फ़रहान खान और थानुज।

गोपाल बलदवा ने जर्सी लॉन्च की

गोवा जाने वाली संदीप मिश्रा की टीम की जर्सी लांच करते हुए गोपाल बलदवा ने शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि टीम राज्य का नाम रोशन करेगी और आने वाले दिनों में भारतीय सितारों के रूप में उभरेगी।

एक्सएल रनथॉन-2025 में 1500 से अधिक धावकों की भागीदारी

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक्सएलआरआई की ओर से 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'एक्सएल रनथॉन-2025' में रविवार सुबह 1500 से अधिक शौकिया धावकों और फिटनेस प्रेमियों ने भाग लिया। यह आयोजन हैदराबाद के गच्चीबोवली स्टेडियम से शुरू किया गया, जहां उत्साहपूर्ण माहौल दिखाई दिया। इस रनथॉन में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने 10 किमी, 5 किमी और 2 किमी दौड़ में हिस्सा लिया। आयोजकों ने बताया कि 'एक्सएल रनथॉन' एक्सएलआरआई के दक्षिण भारत में रणनीतिक विस्तार का प्रतीक है, क्योंकि संस्था आंध्र प्रदेश के अमरावती में अपने नए परिसर की स्थापना कर रही है।

दौड़ को एक्सएलआरआई के 1988 बैच के पूर्व छात्र और 70 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैराथन दौड़ चुके डॉ. हरिहरन तथा एक्सएलआरआई एलुमनाई एसोसिएशन के वैश्विक अध्यक्ष रणवीर सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर शुरू किया।

कार्यक्रम से प्राप्त धनराशि वंचित और जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए मुफ्त शिक्षा के उद्देश्य से खर्च की जाएगी। रणवीर सिन्हा ने कहा कि पिछले एक वर्ष में देश भर में आयोजित दस रनथॉन में से इस आयोजन में सबसे अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो फिटनेस और सामाजिक सेवा के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

गरीब बच्चों के लिए बीएमटी केंद्र बनाने का समझौता

रेनबो चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन और कोल इंडिया ने थैलेसीमिया मरीजों को मिलेगा मुफ्त इलाज

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेनबो चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन और कोल इंडिया लिमिटेड ने मिलकर गरीब और वंचित परिवारों के बच्चों के लिए अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बीएमटी) केंद्र स्थापित करने के लिए समझौता किया है। यह केंद्र थैलेसीमिया और अप्लास्टिक एनीमिया जैसी गंभीर रक्त बीमारियों से जूझ रहे बच्चों को इलाज की सुविधा देगा।

कोल इंडिया लिमिटेड अपनी सीएसआर योजना के तहत इस पहल का समर्थन कर रहा है। कंपनी हर बच्चे के बीएमटी इलाज के लिए 10 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद देगी। इलाज के लिए बच्चों का चयन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बनाए गए विशेषज्ञों के पैनल की सिफ़ारिश पर किया जाएगा। अब तक पूरे देश में 800 से ज्यादा बच्चे इस योजना का लाभ ले चुके हैं। देश भर में 18 अस्पताल इस योजना से जुड़े हैं, जिनमें हैदराबाद का रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल भी शामिल है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गुवाहाटी टेस्ट के दूसरे दिन भारत- 9/0

साउथ अफ्रीका पहली पारी में 489 रन पर ऑलआउट

मुथुसामी का शतक, कुलदीप को 4 विकेट

गुवाहाटी, 23 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट की पहली पारी में साउथ अफ्रीका की टीम 489 रन पर ऑलआउट हो गई। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने बिना किसी नुकसान के 9 रन बना लिए। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल नाबाद लौटे।

साउथ अफ्रीका ने बरसापारा स्टेडियम में शनिवार को टॉस जीतकर बैटिंग चुनी थी। सेनुरन मुथुसामी ने 109 और मार्को यानसन ने 93 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 49 और कप्तान टेम्बा बावुमा ने 41 रन की पारी खेली।

भारत से कुलदीप यादव ने 4 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को 2-2 विकेट मिले। साउथ अफ्रीका ने पहले दिन 6 विकेट खोकर 247 रन बनाए थे। तीसरे दिन का खेल सोमवार सुबह 9 बजे से शुरू होगा।

मैच के दूसरे दिन का पहला सेशन साउथ अफ्रीका के नाम रहा। टीम ने इस सेशन में एक भी विकेट नहीं गंवाया। आज पहले सेशन में मुथुसामी ने अपना अर्धशतक पूरा किया और काइल वेरिने के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की। पहले सेशन के बाद साउथ अफ्रीका का स्कोर 6 विकेट के नुकसान पर 316 रन रहा।

दूसरा सेशन भी साउथ अफ्रीका के नाम रहा

दूसरे दिन का दूसरा सेशन भी पूरी तरह साउथ अफ्रीका के नाम रहा। टीम ने इस सेशन में 26 ओवर में 112 रन बनाए। इस सेशन में सेनुरन मुथुसामी ने अपना शतक और मार्को यानसन ने अर्धशतक पूरा किया। काइल वेरिने (45) के रूप में इकलौता विकेट गिरा। दूसरे सेशन के बाद साउथ अफ्रीका का स्कोर 7 विकेट के नुकसान पर 428 रन रहा।

तीसरे सेशन में साउथ अफ्रीका ऑलआउट हो गई और भारत ने अपनी पहली पारी शुरू की। इस सेशन में भारत को 3 विकेट मिले। मुथुसामी 109, साइमन हार्मर 5 और यानसन 93 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे दिन रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव को 1-1 विकेट मिला।

शटलर लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता

मात्र 38 मिनट में फाइनल अपने नाम किया; जापान के युशी तनाका को हराया

सिडनी, 23 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस सत्र का अपना पहला खिताब जीत लिया। लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। 24 साल के लक्ष्य से शानदार लय बरकरार रखते हुए 26 वर्षीय तनाका को 38 मिनट तक चले मैच में 21-15, 21-11 से हराया।

लक्ष्य के लिए पिछले समय से चीजें सही नहीं चल रही थीं और वह पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहे थे। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इससे पहले

अपना आखिरी सुपर 300 खिताब पिछले साल लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में जीता था। वह सितंबर में हांगकांग सुपर 500 टूर्नामेंट में जीत के करीब थे, लेकिन उपविजेता रहे थे।

लक्ष्य ने नहीं गंवाया एक भी गेम

इस वर्ष ऑर्लियंस मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी तनाका का सामना करते हुए लक्ष्य ने शानदार नियंत्रण और तेज तर्रार खेल का नमूना पेश किया तथा एक भी गेम गंवाए बिना मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य इस सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग और चीन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, जबकि किदांबी श्रीकांत भी साल की शुरुआत में मलयेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे।

केएल राहुल साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में कप्तानी करेंगे

इंजर्ड श्रेयस और शुभमन बाहर; कोहली-रोहित 9 महीने बाद घर में इंटरनेशनल मैच खेलेंगे

मुंबई, 23 नवंबर (एजेंसियां)।साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बीसीसीआई ने भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। इंजर्ड कप्तान शुभमन गिल, ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और उप कप्तान श्रेयस अय्यर बाहर हैं। वनडे सीरीज में विकेटकीपर केएल राहुल टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब 9 महीने बाद भारत में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया। 3 वनडे की सीरीज 30 नवंबर से शुरू होनी है। टी-20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी, लेकिन इसके लिए टीम घोषित नहीं की गई। विकेटकीपर केएल राहुल तीनों फॉर्मेट में भारत की कप्तानी कर चुके हैं। उन्होंने 2023 में आखिरी बार साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही टीम की वनडे कप्तानी की थी, जिसमें भारत को 8 विकेट से हार मिली था। उन्होंने 12 वनडे में टीम की कप्तानी की है। 8 में भारत को जीत और 4 में हार मिली।

भारत का स्क्वॉड

केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

शुभमन कोलकाता टेस्ट में इंजर्ड हुए थे

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान इंजर्ड हो गए थे। पहली पारी में बैटिंग के दौरान स्वीप शॉट खेलने के बाद उन्हें गर्दन में खिंचाव महसूस हुआ। जिसके बाद वे रिटायर्ड हर्ट हो गए। उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां सामने आया कि वे क्रिकेट खेलने के लिए फिलहाल फिट नहीं हैं।

श्रेयस ऑस्ट्रेलिया में इंजर्ड हुए

टीम इंडिया अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे और टी-20 खेलने गई थी। वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में उप कप्तान श्रेयस अय्यर कैच लेने की कोशिश में इंजर्ड हो गए। वे कैच लेते हुए अपने कंधे के बल गिरे, जिस कारण उन्हें गंभीर चोट लग गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उनका अगले साल मार्च तक क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर पाना मुश्किल है।

हार्दिक पंड्या एशिया कप में चोटिल हुए

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या एशिया कप में चोटिल हो गए थे। इसी साल सितंबर में सुपर-4 स्टेज मैच के दौरान उन्हें चोट लगी थी। जिस कारण वे 28 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल भी नहीं खेल सके थे। हालांकि, टीम इंडिया ने 5 विकेट से मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम किया था। अगले साल फरवरी में टी-20 वर्ल्ड कप होना है, BCCI उससे पहले हार्दिक की फिटनेस पर पैनी नजर रखे हुए हैं। माना जा रहा है कि वे 26 नवंबर से सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में कुछ मैच खेलेंगे। यहां उनकी फिटनेस जांचने के बाद ही उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में उतारा जाएगा।

रोहित-विराट की 9 महीने बाद वापसी

रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब 9 महीने बाद भारत में इंटरनेशनल मैच खेलते नजर आएंगे। दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी बार फरवरी में घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज खेली थी। फिर दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद दोनों ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया में सीरीज से इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की थी। दोनों ही खिलाड़ी टेस्ट और टी-20 से रिटायर हो चुके हैं।

एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में अमर का कमाल

राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ बने विजेता

बैंकॉक, 23 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के अमर सिंह देवंदा ने बैंकॉक में आयोजित एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। देवंदा ने 6:59:37 (छह घंटे, 59 मिनट और 37 सेकंड) का राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय निकालकर जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता का आयोजन इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अल्ट्रारनर्स ने किया था। अमर इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 11 सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा हैं।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'अमर सिंह देवंदा ने भारत के लिए इतिहास रच दिया। उन्होंने 6:59:37 के

राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैम्पियनशिप जीत ली।' भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में सौरव कुमार रंजन, गीनो एंटनी, वेलु पेरुमल, योगेश सनप, जयद्रथ, आरती झंवर, रणजी सिंह, सिंधु उमेश, नामग्याल ल्हामो और तेनजिन डोल्मा शामिल हैं।

सिक्योरिटी गार्ड ने यह क्या किया ? बर्दाशत नहीं कर पाए श्रेयस अय्यर, यूं जमकर दिखाया गुस्सा

मुंबई 23 नवंबर (एजेंसियां)।भारतीय वनडे क्रिकेट टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर को मुंबई में स्पॉट किया गया। हालांकि, अय्यर के आसपास फैंस काफी मौजूद थे। उनके साथ फोटो खींच रहे थे। इस बीच सिक्योरिटी गार्ड ने कुछ ऐसा किया, जिससे श्रेयस गुस्सा हो गए।

सिक्योरिटी गार्ड पर भड़के श्रेयस अय्यर

नई दिल्लीः भारत के स्टार और अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पिछले दिनों अपनी चोट को लेकर चर्चा में थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में अय्यर को पसलियों में चोट आई थी, जिसके बाद उन्हें फौरन अस्पताल ले जाया गया था। सिडनी में अय्यर इंटरनल ब्लीडिंग के चलते आईसीयू में एडमिट थे। हालांकि, उनका कुछ दिन इलाज चला। कुछ दिन बाद अय्यर को हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई थी।

अय्यर अब धीरे-धीरे रिकवर कर रहे हैं। लेकिन, इस बात की जानकारी नहीं है कि वह क्रिकेट के मैदान में कब वापसी करेंगे। श्रेयस अय्यर वापस मुंबई लौट गए हैं। उनकी अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हो रही है। उस वीडियो में अय्यर सिक्योरिटी गार्ड पर गुस्सा होते हुए नजर आ रहे हैं।

सिक्योरिटी गार्ड पर क्यों भड़के श्रेयस अय्यर?

दरअसल, श्रेयस अय्यर पंजाब किंग्स के अपने टीममेट शशांक सिंह की बर्थडे पार्टी में गए हुए थे। वहां पंजाब किंग्स की को-ओनर प्रीति जिंटा भी मौजूद थीं। प्रति जिंटा ने खुद एक्स पर शशांक और श्रेयस के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। अब एक वीडियो वायरल हो रहा है, वो वीडियो उस पार्टी से निकलते समय या पहुंचने के समय का है। उस वीडियो में अय्यर के आसपास फैंस की भीड़ नजर आ रही है।

फैंस अय्यर के पास आकर सेल्फी ले रहे हैं और फोटो खींच रहे हैं। इस बीच सिक्योरिटी गार्ड आकर भी श्रेयस के साथ सेल्फी लेने लगता है। इस बात से भारतीय क्रिकेटर नराज हो जाते हैं। अय्यर उनसे कहते हैं, 'भाई तुम्हारा काम है हटाना'।

श्रेयस अय्यर ने अपनी कप्तानी में पंजाब किंग्स को आईपीएल 2025 में फाइनल तक पहुंचाया था। 11 साल के बाद पंजाब ने आईपीएल के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था और फाइनल खेला था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अक्टूबर में हुई वनडे सीरीज में भी श्रेयस उपकप्तान थे।

पाकिस्तान ने श्रीलंका को 7 विकेट से हराया :ट्राई सीरीज में टॉप पर पहुंचा

साहिबजादा फरहान 80 रन और नवाज ने 3 विकेट लिए

इस्लामाबाद, 23 नवंबर (एजेंसियां)। ट्राई सीरीज 2025 में पाकिस्तान ने श्रीलंका को 7 विकेट से हराया, जिसमें बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों मोर्चो पर मेहमान टीम का दबदबा साफ नजर आया. श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 128 रन बनाए, जिसे पाकिस्तान ने बेहद आराम से चेज कर लिया. इस जीत के हीरो रहे साहिबजादा फरहान, जिन्होंने शानदार 80 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई. पाकिस्तान की गेंदबाजी भी दमदार रही और मोहम्मद नवाज ने तीन विकेट लेकर श्रीलंकाई बल्लेबाजी को पूरी तरह दबाव में रखा.

पाकिस्तान की शानदार जीत

ट्राई सीरीज 2025 के इस मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन यह फैसला उनके लिए भारी साबित हुआ. टीम शुरू से ही लय में नजर नही आई और पाकिस्तान के तेज और स्पिन आक्रमण के

सामने एक एक कर विकेट गिरते रहे. पूरी टीम 20 ओवर्स में सिर्फ 128 रन ही बना सकी. श्रीलंका के बल्लेबाज बड़े शॉट खेलने में असफल रहे और साझेदारियां भी नही बन पाईं, जिसके कारण टीम दबाव से उभर नही पाई.

जैनिथ लियानागे ने संभाली पारी

श्रीलंकाई टीम की ओर से सिर्फ जैनिथ लियानागे ही कुछ हद तक संघर्ष करते नजर आए. उन्होंने 41 रनों की पारी खेलकर स्कोरबोर्ड को थोड़ा स्थिर किया. उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 25 रन के आंकड़े तक नही पहुंच सका. टॉप ऑर्डर और मिडिल ऑर्डर दोनों ही तेजी से ढह गए. पाकिस्तान की सटीक लाइन और लेंथ ने श्रीलंका की बल्लेबाजी की कमजोरी को पूरी तरह उजागर कर दिया.

मोहम्मद नवाज की बेहतरीन गेंदबाजी

पाकिस्तान की गेंदबाजी इस मैच की सबसे बड़ी खासियत रही. मोहम्मद नवाज ने अपनी शार्प स्पिन गेंदबाजी से श्रीलंकाई बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया. उन्होंने मैच में तीन अहम विकेट चटकाए और बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई मौका नहीं दिया. तेज गेंदबाजों ने भी शुरुआत में दबाव बनाया, जिसका फायदा बाद में स्पिनरों को मिला. पूरी गेंदबाजी यूनिट ने मिलकर श्रीलंका को कम स्कोर पर रोकने में अहम भूमिका निभाई.

फरहान की नाबाद 80 रन की पारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी रही. ओपनर सैम अयूब ने 20 रन जोड़कर टीम को मजबूत शुरुआत दी. इसके बाद मैदान पर चमके साहिबजादा फरहान, जिन्होंने 45 गेंदों पर नाबाद 80 रन ठोके. उनकी पारी में 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे. फरहान आखिरी तक डटे रहे और टीम को जीत दिलाकर ही मैदान से लौटे. बाबर आजम इस मैच में सिर्फ 16 रन ही बना सके, लेकिन टीम को कोई परेशानी नही हुई क्योंकि फरहान एक छोर पर मजबूती से टिके रहे.

टी20 क्रिकेट के स्टार बनकर उभरे फरहान

साहिबजादा फरहान का साल 2025 टी20 क्रिकेट में अब तक शानदार रहा है. वह इस साल कुल 1730 टी20 रन बना चुके हैं, जिसमें चार शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं. उन्होंने टी20 क्रिकेट में 102 छक्के लगाए हैं और यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी बने हैं जिन्होंने एक ही कैलेंडर ईयर में 100 से अधिक छक्के लगाए हों. टी20I क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन बेहतर हुआ है. 29 साल के इस बल्लेबाज ने अब तक 32 मैचों में 762 रन बनाए हैं और छह बार अर्धशतक जड़ा है. पहले वे टीम से अंदर बाहर होते रहे, लेकिन अब वे टी20 टीम की मजबूत कड़ी बन चुके हैं.

भारत ने जीता पहला ब्लाइंड विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप

नेपाल को 7 विकेट से फाइनल हराया; टूर्नामेंट में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया को भी हराया

कोलंबो, 23 नवंबर (एजेंसियां)। पहली बार खेले गए ब्लाइंड विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब भारत ने जीत लिया। टीम ने फाइनल मुकाबले में रविवार को कोलंबो में नेपाल को 7 विकेट से फाइनल हराया। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया था।

नेपाल को एक ही बाउंड्री लगाने दी

पी सारा ओवल स्टेडियम में इंडिया विमेंस टीम ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। नेपाल की टीम 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 114 रन ही बना सकी। भारत की गेंदबाजों ने नेपाल की बैटर्स को एक ही बाउंड्री लगाने दी। इंडिया विमेंस ने फिर 12 ओवर में महज 3 विकेट गंवाकर टारगेट हासिल कर लिया।

इंडिया विमेंस के लिए फुला सारेन ने 27 गेंद पर 44 रन की नॉटआउट पारी खेली और टीम को चैंपियन बनाया। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल भी 12 ओवर में ही जीत लिया था। तब ऑस्ट्रेलिया विमेंस ने 109 रन बनाए थे, इंडिया विमेंस ने 1 ही विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया था। टीम इंडिया को पूरे टूर्नामेंट में एक भी हार नहीं मिली।

नेपाल ने शनिवार को पाकिस्तान विमेंस को दूसरे सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। मेजबान श्रीलंका टूर्नामेंट में कुछ खास नहीं कर सकी। टीम को 5 मुकाबलों में एक ही जीत मिली। यह जीत अमेरिका के खिलाफ आई थी।

पाकिस्तान की मेहरीन अली टॉप स्कोरर

6 टीमों के टूर्नामेंट में पाकिस्तान की मेहरीन अली टॉप रन स्कोरर रहीं। उन्होंने 6 मुकाबलों में 600 से ज्यादा रन बनाए। इनमें श्रीलंका के खिलाफ 78 बॉल पर 230 रन की पारी भी शामिल रही। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 130 रन बनाए थे। हालांकि, सेमीफाइनल में जल्दी आउट हो जाने के कारण उनकी टीम फाइनल में जगह नहीं बना सकी।

विमेंस ब्लाइंड वर्ल्ड कप 11 नवंबर को दिल्ली में शुरू हुआ था। टूर्नामेंट में भारत, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान और अमेरिका ने हिस्सा लिया। ग्रुप स्टेज में सभी टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ 5-5 मैच खेले। पॉइंट्स टेबल के टॉप-4 पोजिशन पर रहने वाली टीमों के बीच सेमीफाइनल हुआ। इन्हें जीतने वाली नेपाल और भारत ने फाइनल खेला।

9 राज्यों से खिलाड़ी चुनकर टीम बनाई

भारत की कप्तानी कर्नाटक की दीपिका टीसी ने की। टीम में देश के 9 अलग-अलग राज्यों से 16 प्लेयर्स को चुना गया। इनमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, दिल्ली, असम और बिहार की प्लेयर्स शामिल रहीं। खिलाड़ियों को क्रिकेट के बारे में स्कूल शिक्षकों, एनजीओ और कम्यूनिटी कैम्पस में बताया गया था।

स्मृति मंधाना और पलाश मुछाल की शादी टली

स्मृति के पिता की तबीयत बिगड़ने के बाद फैसला, क्रिकेटर के मैनेजर ने कन्फर्म किया

इंदौर, 23 नवंबर (एजेंसियां)। महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और म्यूजिक डायरेक्टर पलाश मुछाल की आज होने वाली शादी फिलहाल टल गई है। यह शादी महाराष्ट्र के सांगली में होनी थी, लेकिन स्मृति के पिता की तबीयत खराब होने के कारण अब यह समारोह स्थगित कर दिया गया है। यह जानकारी स्मृति के मैनेजर तुहिन मिश्रा ने दी है।

शनिवार रात सांगली के समडोली रोड पर मंधाना फार्म हाउस में मेहंदी और संगीत समारोह आयोजित किया गया था।

रविवार दोपहर शादी की रस्में शुरू होने वाली थीं। इससे पहले ही स्मृति के पिता की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें तुरंत इलाज के लिए सांगली के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है।

संगीत में पलाश के लिए किया स्पेशल डांस

स्मृति मंधाना के प्री-वेडिंग फंक्शन्स से कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। खासतौर पर उनकी संगीत सेरेमनी का एक वीडियो फैंस के बीच खूब चर्चा में है, जिसमें स्मृति ने पलाश मुछाल के लिए एक स्पेशल डांस परफॉर्मेंस दिया। उनका डांस देखकर परिवार और मेहमान ही नहीं, बल्कि फैंस भी आश्चर्यचकित रह गए।

परिवार, दोस्त और क्रिकेटर्स भी मौजूद रहे

शादी के आयोजनों में दोनों परिवारों के सदस्य, करीबी दोस्त और स्मृति की टीम इंडिया की साथी खिलाड़ी जुटे हुए हैं। सांगली में तैयार किए गए विशेष वेडिंग वेन्यू की तस्वीरें लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। स्मृति और पलाश की शादी को लेकर फैन्स में खासा उत्साह है और प्री-वेडिंग फंक्शन्स की तस्वीरें इंटरनेट पर महफिल जमा रही हैं।

2019 में हुई थी पलाश-स्मृति की मुलाकात

स्मृति मंधाना और पलाश मुछाल की मुलाकात साल 2019 में हुई थी। दोनों मुंबई में एक दोस्त के जरिए मिले थे। फिर दोनों के बीच दोस्ती हो गई, जो प्यार में बदल गई। दोनों ने अपनी रिलेशनशिप को चुपचाप आगे बढ़ाया।

करीब 5 साल बाद यानी 2024 में दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में फैंस को बताया। 6 साल लंबे इंतजार के बाद अब दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे थे।

राधाकृष्णन ने सत्य साईं बाबा को 'भगवान का महान दूत' बताया

पुट्टपर्थी, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप-राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने श्री सत्य साईं बाबा को शांति, प्यार और निस्वार्थ सेवा का भगवान का महान दूत बताया है, जिनका संदेश और मिशन जाति, धर्म, वर्ग और राष्ट्रीयता की सभी रुकावटों से ऊपर था।

रविवार को आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में सत्य साईं बाबा के शताब्दी समारोह में बोलते हुए, वाइस-प्रेसिडेंट ने कहा कि बाबा के गाइडिंग प्रिंसिपल्स (सभी से प्यार करो, सभी की सेवा करो और हमेशा मदद करो, कभी दुख मत दो) ने उनके हर काम और हर उस ज़िंदगी को आकार दिया जिसे उन्होंने छुआ। संत-कवि तिरुवल्लुवर के कुरल को कोट करते हुए, उप-राष्ट्रपति ने कहा कि श्री सत्य साईं बाबा ने अपनी पूरी ज़िंदगी इंसानियत से प्यार करने और उसकी सेवा करने में लगाकर इस हमेशा रहने वाले सच को दिखाया।

सत्य (सच्चाई), धर्म (सही काम), शांति (शांति), प्रेम (प्यार), और अहिंसा (नॉन-वायलेंस) पर आधारित बाबा की शिक्षाओं पर ज़ोर देते हुए, वाइस-प्रेसिडेंट ने कहा कि ये हमेशा रहने वाले मूल्य एक मेलजोल वाले और आगे बढ़ने वाले समाज को बनाने के लिए जरूरी हैं। उन्होंने बाबा के उस संदेश पर जोर दिया जिसमें इंसानियत से झगड़े की जगह मेलजोल और मतलबीपन की जगह त्याग लाने की अपील की गई थी- ये मूल्य आज की दुनिया में खास तौर पर काम के हैं, जहां अनिश्चितता और टकराव है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि पब्लिक लाइफ भी सत्य, ड्यूटी, हमदर्दी और नैतिक जिम्मेदारी से चलनी चाहिए- ये ऐसे गुण हैं जिन्हें श्री सत्य साईं बाबा ने बहुत गहराई से फैलाया था। श्री सत्य साईं सेंट्रल ट्रस्ट के दूरगामी असर पर ज़ोर देते हुए, उन्होंने हेल्थकेयर, एजुकेशन और सोशल वेलफेयर में इसके बड़े कामों की तारीफ की। राधाकृष्णन ने ट्रस्ट की मोबाइल रूरल हेल्थ सर्विसेज की दूर-दराज़ के इलाकों के लिए जरूरी लाइफलाइन के तौर पर तारीफ की और ट्रस्ट के एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स की वर्ल्ड-क्लास, वैल्यूज़ पर आधारित, बिना फीस वाली एजुकेशन देने के लिए तारीफ़ की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ट्रस्ट पीने के पानी के प्रोजेक्ट, आपदा राहत और कई मानवीय सेवाओं के ज़रिए समुदायों का उत्थान करता रहता है। उन्होंने तेलुगु गंगा नहर के जीर्णोद्धार में श्री सत्य साईं बाबा के अहम योगदान पर प्रकाश डाला, जिससे चेन्नई को पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित हुई- सेवा का यह काम तमिलनाडु के लोग हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि ये पहलें इस बात के स्थायी उदाहरण हैं कि सेवा के ज़रिए जताया गया प्यार कैसे समाज को बदल सकता है। इस शुभ अवसर पर, उपराष्ट्रपति ने सभी भक्तों और नागरिकों से जरूरतमंदों की मदद करके और परिवारों, समुदायों और देश में शांति कायम करके बाबा की विरासत का सम्मान करने का आह्वान किया।

श्री सत्य साई बाबा शत-जयंती उत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भगवान श्री सत्य साई बाबा की शत-जयंती के अवसर पर पुट्टापरती में आयोजित भव्य उत्सव में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि साई बाबा ने प्रेम, सेवा और मानवता के रास्ते से दुनिया को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में भाग लेना उनके लिए एक बड़ा सम्मान और दुर्लभ अवसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साई बाबा ने इंसानों में भगवान को देखा और प्रेम से लोगों का दिल जीता। शिक्षा, चिकित्सा और पेयजल जैसी मूलभूत सेवाओं को गरीबों तक मुफ्त पहुंचाकर वे देवतुल्य बने। उन्होंने बताया कि पालमूर जिले में साई बाबा ट्रस्ट ने पेयजल समस्याओं से लाखों लोगों को मुक्ति दिलाई। रेवंत रेड्डी ने कहा कि साई बाबा ट्रस्ट की सेवाएं न सिर्फ तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में, बल्कि दुनिया के 140 देशों में जारी हैं। उन्होंने कहा कि शत-जयंती कार्यक्रमों में विश्वभर से लोगों का आना इस भूमि की पवित्रता और साई बाबा की वैश्विक प्रभावशीलता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि तेलंगाना सरकार राज्यभर में भगवान श्री सत्य साई बाबा की शत-जयंती को आधिकारिक तौर पर आयोजित करेगी और भविष्य में भी साई बाबा ट्रस्ट की सेवाओं को विस्तार देने में सहयोग करती रहेगी।

उपराष्ट्रपति ने यूपीएससी को भर्ती का टॉप गार्डियन बताया

पलासमुद्रम, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के वाइस-प्रेसिडेंट सी.पी. राधाकृष्णन ने यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन की तारीफ़ की है, जो 2026 में अपनी सौवीं सालगिरह मनाएगा। उन्होंने इसे सिविल सर्विस भर्ती में मेरिट, ईमानदारी और निष्पक्षता का गार्डियन बताया। उप-राष्ट्रपति ने रविवार को आंध्र प्रदेश के पलासमुद्रम में नेशनल एकेडमी ऑफ़ कस्टम्स, इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड नारकोटिक्स (एनएसीआईएन) में अलग-अलग सिविल सर्विस के ऑफिसर ट्रेनी को संबोधित किया।

2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पलासमुद्रम में नए बने एनएसीआईएन परिसर के उद्घाटन को याद करते हुए, वाइस-प्रेसिडेंट ने कहा कि एनएसीआईएन भारत के कस्टम्स और जीएसटी एडमिनिस्ट्रेशन के लिए कैपेसिटी-बिल्डिंग के सेंटर में एक प्रमुख इंस्टीट्यूशन के रूप में उभरा है। प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने इस वर्ष के विशेष महत्व पर प्रकाश डाला क्योंकि राष्ट्र अखिल भारतीय सेवाओं के जनक सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मना रहा है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व ने औपनिवेशिक भारत को एक मजबूत, विकसित और आत्मनिर्भर भारत में बदलने की नींव रखी। उपराष्ट्रपति ने समावेशी विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि धन सृजन और धन वितरण दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, और इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय प्रगति के लिए धन सृजन और धन वितरण दोनों पर बहुत जोर दिया है। उपराष्ट्रपति ने जीएसटी को एक ऐतिहासिक सुधार बताया जिसने देश की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को सुव्यवस्थित किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कर चोरों पर अंकुश लगाया जाना चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि कानून समाज और राष्ट्र की बेहतरी के लिए बनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि देश के कानून को लागू किया जाना चाहिए, यह जिम्मेदारी अधिकारियों के हाथ में है। विकसित भारत @2047 के विज़न को पूरा करने में सिविल सर्वेंट्स की भूमिका पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा लास्ट-माइल डिलीवरी और इनक्लूसिव ग्रोथ के आस-पास रही है। उन्होंने प्रोबेशनर्स को इंडिविजुअल एक्सीलेंस के बजाय टीम एक्सीलेंस को प्रायोरिटी देने के लिए प्रोत्साहित किया, यह देखते हुए कि इंस्टीट्यूशन्स और नेशंस कलेक्टिव एफर्ट से बनते हैं। वाइस-प्रेसिडेंट ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है, और टेक्नोलॉजी हर दिन इवॉल्व हो रही है, और इसलिए ऑफिसर्स को नई जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद को अपस्किल करना होगा। राधाकृष्णन ने ऑफिसर्स को बेहतर ट्रांसपेरेंसी और गवर्नेंस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी नई टेक्नोलॉजीज़ को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उप-राष्ट्रपति ने प्रोबेशनर्स की बहुत ज़्यादा मेहनत को माना, यह देखते हुए कि लगभग 12 लाख यूपीएससी एस्पिरेंट्स में से, हर साल केवल लगभग 1,000 ही सेलेक्ट होते हैं। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोगों में से, अब उनके पास समाज में मीनिंगफुल बदलाव लाने का एक रेयर मौका है। उन्होंने उन्हें याद दिलाया, बड़ी ताकत के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है, और उनसे देश की सेवा में इस मौके का इस्तेमाल करने की अपील की।

बच्ची के अपहरण मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

एक संदिग्ध महिला ने बुर्के में बच्ची को उठाया और एक ऑटो चालक की मदद से ले गई।

मोहम्मद फैज, निवासी हकीमपेट, टोलीचौकी, तथा उसकी पूर्व पत्नी समरीन बेगम उर्फ सलमा बेगम को पकड़ा

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोलकोंडा पुलिस ने नाबालिग बच्ची के अपहरण मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दो दिन पूर्व नुजहत फातिमा, निवासी सालेह नगर कंचा, गोलकोंडा द्वारा पुलिस को शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि उनकी चार वर्षीय बेटी सफिया बेगम अपनी नानी नसीम बेगम के घर गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। शिकायतकर्ता द्वारा पूछताछ करने पर नानी ने बताया कि बच्ची घर से जा चुकी है। खोजबीन के बाद भी बच्ची नहीं मिलने पर शिकायत दर्ज की गई। शिकायत पर थाना गोलकोंडा में अपराध सं. 298/2025 धारा 139(1) बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

गोलकोंडा पुलिस ने तुरंत घटना स्थल और मार्ग में लगे कैमरों की जांच की, जिसमें पाया गया कि एक संदिग्ध महिला ने बुर्के में बच्ची को उठाया और एक ऑटो चालक की मदद से ले गई। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी विश्लेषण और मुखबिर नेटवर्क द्वारा नौ विशेष टीमें गठित कीं। जांच के दौरान पुलिस ने ऑटो चालक मोहम्मद फैज, निवासी हकीमपेट, टोलीचौकी, तथा उसकी पूर्व पत्नी समरीन बेगम उर्फ सलमा बेगम को पकड़ा। जांच में सामने आया कि फैज और सलमा पहले पति-पत्नी थे, तलाक के बाद सलमा गर्भवती हुई और बाद में उसका गर्भपात हो गया। तत्पश्चात फैज ने दूसरी शादी कर ली। हाल ही में सलमा फिर से फैज के संपर्क में आई और दोनों ने साथ रहने का निर्णय लिया, लेकिन फैज के माता-पिता ने इस संबंध को स्वीकार नहीं किया। दोनों आरोपियों ने परिवार की स्वीकृति पाने के लिए एक बच्ची का अपहरण कर उसे अपना बच्चा बताने की साजिश रची और इसी योजना के तहत उन्होंने सालेह नगर कंचा गोलकोंडा क्षेत्र से चार वर्षीय सफिया बेगम का अपहरण किया और ऑटो द्वारा फरार हो गए। अपहृत बच्ची को आरोपियों ने घर पर छिपाकर रखा गया था। गोलकोंडा पुलिस ने कई कैमरों की जांच करते हुए मात्र 24 घंटे में बच्ची का पता लगाकर उसे सुरक्षित माता-पिता को सौंप दिया।

पुलिस ने इस मामले में बच्ची के कपड़े, आटो और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह गिरफ्तारी एसआई के. रामू नायुडू, डीएसआई अंजनयुलु तथा स्टाफ ने इंस्पेक्टर पी. सईदुलु के मार्गदर्शन और एसीपी टोलीचौकी डिविजन, साउथ वेस्ट ज़ोन हैदराबाद श्री सैयद फैयाज़ के पर्यवेक्षण में हुई।

विमेन सेफ्टी विंग ने सेफ विलेज प्रोग्राम पर ट्रेनर्स की स्टेट-लेवल ट्रेनिंग शुरू की

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस की विमेन सेफ्टी विंग (डब्लूएसडब्लू) ने माय चॉइसेस फाउंडेशन (एमसीएफ) के साथ मिलकर, तेलंगाना में ह्यूमन ट्रैफिकिंग की कम्युनिटी-बेस्ड रोकथाम को मजबूत करने के लिए ट्रेनर्स की स्टेट-लेवल ट्रेनिंग (टीओटी) शुरू की है। इस प्रोग्राम का ऑफिशियल उद्घाटन बी. शिवधर रेड्डी डायरेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस, और सुश्री चारू सिन्हा, एडीजीपी, विमेन सेफ्टी विंग ने किया, जिन्होंने नई डेवलप की गई सेफ विलेज कॉमिक बुक भी रिलीज़ की, जिसका मकसद विमेन और चाइल्ड सेफ्टी पर लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। लॉन्च के मौके पर बोलते हुए, डीजीपी ने वॉयरिज्म, फ्लैशिंग, ग्रोपिंग, साइबर एक्स प्लॉइटेशन, चाइल्ड सेक्सुअल अब्यूज, डोमेस्टिक वायलेंस, फ्लैशिंग, ईव टीजिंग, अनसेफ माइग्रेशन और महिलाओं और बच्चों को प्रभावित करने वाले दूसरे ह्यूमन ट्रैफिकिंग रिस्क के बढ़ते खतरों पर जोर दिया।

टीओटी करिकुलम को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि फील्ड यूनिट्स को स्ट्रक्चर्ड कम्युनिटी एजुकेशन देने, स्टेकहोल्डर कोऑर्डिनेशन बढ़ाने और एएचटीयू, शी और भरोसा टीमों के जरिए जमीनी लेवल पर रिस्पॉन्स को बेहतर बनाने में मदद मिले। टीओटी में एएचटीयू ऑफिसर्स, भरोसा टीम्स, शी टीम्स, और एमसीएफ के रिप्रेजेंटेटिव्स और सात डिस्ट्रिक्ट-लेवल इम्प्लीमेंटिंग पार्टनर्स एक साथ आते हैं। पार्टिसिपेंट्स को सेफ विलेज प्रोग्राम (एवीएफ) मॉडल में ट्रेनिंग दी जाती है, जो फ्रंटलाइन टीमों को कमजोर कम्युनिटीज़ से जुड़ने, लोकल प्रोटेक्शन सिस्टम को मज़बूत करने और एक्स प्लॉइटेशन के उभरते तरीकों से निपटने के लिए तैयार करता है। एक पायलट इनिशिएटिव के तौर पर, सेफ विलेज प्रोग्राम वारंगल, खम्मम, मेदक, राचकोंडा, भद्राद्री कोतगुडेम, विकाराबाद और महबूबाबाद ज़िलों के चुने हुए ट्रैफिकिंग-प्रोन गांवों में लागू किया जाएगा।

अब सभी मेडिकल दुकानों पर दिखेगा पीवीपीआई क्यूआर कोड और टोल-फ्री नंबर

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अब तेलंगाना में सभी खुदरा और थोक मेडिकल दुकानों पर भारतीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम (पीवीपीआई) द्वारा निर्धारित क्यूआर कोड और टोल-फ्री नंबर प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि लोग दवाओं से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों की तुरंत जानकारी दे सकें। डीसीए के महानिदेशक शाहनवाज़ कासिम ने बताया कि सभी मेडिकल दुकानों को पीवीपीआई का क्यूआर कोड और टोल-फ्री नंबर 1800-180-3024 प्रमुख और साफ जगह पर लगाना होगा, जिससे लोग इसे आसानी से स्कैन कर सकें। उन्होंने कहा कि क्यूआर कोड स्कैन कर या टोल-फ्री नंबर पर कॉल करके कोई भी व्यक्ति दवा से हुई किसी भी समस्या की तुरंत रिपोर्ट कर सकता है। इससे दवा-संबंधित जोखिमों की पहचान और रोकथाम में मदद मिलेगी। कासिम ने जनता से अपील की कि वे इस प्रणाली में सक्रिय भागीदारी करके दवा सुरक्षा को मजबूत बनाने में सहयोग करें।

हाईवे पर भीषण सड़क दुर्घटना

दंपत्ति की मौत, 8 यात्री गंभीर रूप से घायल

जोगुलंबा गदवाल, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मूल निवासी जी. बद्रीनाथ और उनकी पत्नी हरिथा की रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-40 पर पेराइपल्ली मिट्टा, अल्लागड्डा में हुआ, जब एक तेज रफ्तार लॉरी ने निजी बस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, निजी बस हैदराबाद से पुडुचेरी जा रही थी, जिसमें लगभग 32 यात्री सवार थे। सफर के दौरान यात्रियों द्वारा शौच के लिए रुकने का अनुरोध करने पर बस चालक ने वाहन को सड़क किनारे रोक दिया। इसी दौरान पीछे से आ रही एक लॉरी ने तेज गति में बस को टक्कर मार दी, जिससे बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में बद्रीनाथ और हरिथा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत नंदयाल और अल्लागड्डा सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई, और पुलिस ने पहुंचकर राहत व बचाव कार्य कराया। वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने दिखाई दरियादिली, 11 एकड़ जमीन दान की

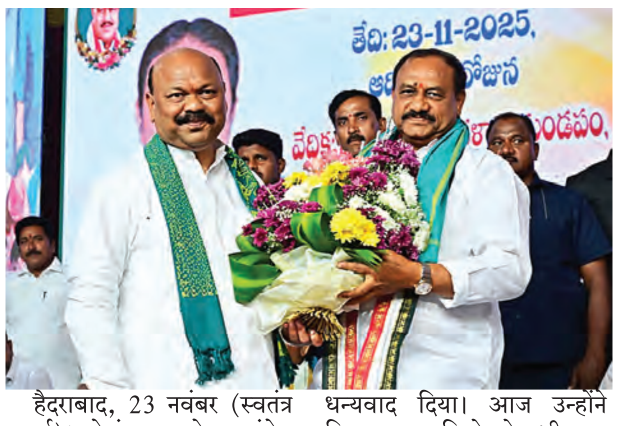

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने अपनी दरियादिली दिखाई। उन्होंने गांव के विकास के लिए 11 एकड़ जमीन दान कर दी। उनके होमटाउन राहतनगर में विकास का काम शुरू हुआ है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने एक इंटीग्रेटेड स्कूल के लिए दस एकड़ और सबस्टेशन के लिए अपनी एक एकड़ ज़मीन दान की। महेश कुमार गौड़ ने अपने गांव से होकर मंदिर कॉरिडोर को मंज़ूरी देने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सड़क और बिल्डिंग मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी को धन्यवाद दिया। आज उन्होंने निजामाबाद जिले के भीमगल मंडल में अपने होमटाउन राहतनगर में कई विकास के काम शुरू किए।

गांव के लोगों ने उन्हें सम्मानित किया। गांव में एंडोमेंट डिपार्टमेंट की मदद से 50 लाख की लागत से बन रहे नए दुर्गा देवी मंदिर के शिलान्यास समारोह में हिस्सा लिया। महेश कुमार गौड़ ने याद किया कि उनके पिता बोम्मा गंगाधर गौड़ ने पहले गांव में दुर्गा देवी का मंदिर बनवाया था। बाद में, उन्होंने एमएलए वेमुला प्रशांत रेड्डी, कॉर्पोरेशन चेयरमैन ईरावत्री अनिल, अन्वेश रेड्डी, बालकोंडा इंचार्ज सुनील रेड्डी आदि के साथ इंदिरा महिला शक्ति साड़ियों के डिस्ट्रीब्यूशन में हिस्सा लिया। उन्होंने सीएम रेवंत रेड्डी और मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी को उनके होमटाउन राहतनगर से होते हुए धर्मपुरी से बसारा तक एक मंदिर कॉरिडोर के उनके प्रपोजल के लिए फंड मंज़ूर करने के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि यह सड़क धर्मपुरी, कोंडागट्टू, वेमुलावाड़ा, लिम्बाद्रिगट्टा होते हुए बसारा जाएगी और उन्हें बहुत खुशी है कि उनके गांव राहत नगर से होकर सड़क को मंज़ूरी मिलने से उनकी कोशिशें रंग लाई हैं। उन्होंने कहा कि अगर 380 करोड़ रुपये की लागत से इस मंदिर कॉरिडोर रोड का कंस्ट्रक्शन पूरा हो जाता है, तो बहुत विकास होगा। उन्होंने कहा कि मैं अपने बचपन की मीठी यादें कभी नहीं भूलूंगा। मैं अपने माता-पिता की सेवाओं की वजह से ही इस स्तर पर पहुंचा हूं। मुझे पीसीसी प्रेसिडेंट बनने की उम्मीद नहीं थी। गांव से मेरा जुड़ाव मेरी आखिरी सांस तक रहेगा। मैं गांव के विकास के लिए लगातार काम करता रहूंगा।

कांग्रेस में नियुक्तियों को लेकर घमासान

कई नेताओं ने जताया असंतोष

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा नए जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा के एक दिन बाद ही पार्टी में भारी असंतोष सामने आया है। फैसले का विरोध करते हुए कई नेताओं ने नाराज़गी जताई, जबकि कुछ आकांक्षी नेताओं ने इस्तीफे भी दे दिए हैं। इससे पार्टी के अंदर तनाव और असंतोष खुलकर सामने आ गया है। दोर्नाकल के प्रभारी और टीपीसीसी के पूर्व आधिकारिक प्रवक्ता डीवाई गिरि ने नियुक्तियों का विरोध करते हुए एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। गिरि, जो पिछले 11 साल से कांग्रेस से जुड़े थे, ने आरोप लगाया कि मेहनती और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर पार्टी नेतृत्व कुछ व्यक्तियों को बढ़ावा दे रहा है।

गिरि ने कहा कि महबूबाबाद कांग्रेस इकाई लंबे समय से एक नेता द्वारा तानाशाही तरीके से चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के बावजूद वह नेता प्रभाव बनाए हुए हैं और महबूबाबाद तथा दोर्नाकल के विधायक मूकदर्शक बने हुए हैं। उन्होंने यह कहते हुए नाराजगी जताई कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विधायक की पत्नी को डीसीसी अध्यक्ष बनाया गया है। यह कांग्रेस के मूल्यों और नियमों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नलगोंडा में भी इसी तरह असंतोष उभरकर सामने आया, जहां सड़क एवं भवन मंत्री कोमटीरेड्डी वेंकट रेड्डी के समर्थक और जिला युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जी मोहन रेड्डी ने नई नियुक्तियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए कड़ी मेहनत करने के बावजूद, वफादार नेताओं को नजरअंदाज कर जातिगत समीकरणों को प्राथमिकता दी जा रही है। मोहन रेड्डी ने कहा कि पूर्ववर्ती नलगोंडा जिले के अधिकांश नेताओं ने उनके नाम का समर्थन किया था, लेकिन राज्य नेतृत्व ने विचार नहीं किया।

उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें डीसीसी अध्यक्ष या टीजीआरटीसी अध्यक्ष बनाया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिससे वे निराश हैं। कांग्रेस की इस आंतरिक उथल-पुथल से स्पष्ट है कि नए संगठनात्मक ढांचे के बाद पार्टी में असंतोष का माहौल बढ़ता जा रहा है।

माओवादी हिडमा को श्रद्धांजलि देने पर दो ग्रामीणों पर मामला दर्ज

वारंगल, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के एएसआर जिले के मारेदुमिल्ली जंगलों में माओवादी कमांडर मादिवी हिडमा की हाल की मुठभेड़ में मौत के बाद, कई आदिवासी संगठनों, छात्र संगठनों और युवाओं ने सोशल मीडिया पर शोक संदेश साझा किए हैं।

शनिवार को हनमकोंडा जिले के वेलेरु मंडल के शोडाशापल्ली गांव में ग्रामीणों ने हिडमा को श्रद्धांजलि देने के लिए एक फ्लेक्स बैनर लगाया। जानकारी मिलने पर पुलिस ने बैनर हटाया और कोय्यादा सुरेश तथा मायका बुचैया के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया, जिन पर बैनर लगाने का आरोप है। हिडमा को कई लोगों ने आदिवासी नेता बताते हुए अल्लूरी सीताराम राजू, कुमराम भीम और बिरसा मुंडा जैसे ऐतिहासिक आदिवासी नायकों से तुलना की है। वारंगल के पत्रकार वेलागंडुला अजय ने कहा कि आदिवासी हिडमा को प्रेरणा मानते थे और उनकी मौत पर संवेदना व्यक्त करना सबका अधिकार है, भले ही पुलिस उनके विचारों से सहमत न हो।

रसोई गैस सिलेंडर विस्फोट में महिला की मौत, दो घायल

हैदराबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के मधुरानगर में रविवार को रसोई गैस सिलेंडर विस्फोट में एक 40 वर्षीय महिला सोनू बाई की मौत हो गई। यह घटना अमीरपेट स्थित एक आवासीय इमारत की पहली मंजिल पर गैस लीक होने से हुई। विस्फोट में सोनू बाई गंभीर रूप से घायल हुई थीं और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उनके माता-पिता गोपाल सिंह और ललिता बाई भी इस हादसे में मामूली रूप से घायल हुए, जिन्हें प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया।

सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंचे और आग पर नियंत्रण पाया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

कृषि बाजार में मार्कफेड सीईओ द्वारा किसान पर हमला, किसानों में आक्रोश

आदिलाबाद, 23 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि बाजार प्रांगण में रविवार शाम बड़ा विवाद हो गया, जब मार्कफेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पंडारी और उनके दो साथियों ने शराब के नशे में एक कपास किसान पर कथित रूप से हमला कर दिया। इस घटना से वहां मौजूद किसानों में भारी आक्रोश फैल गया और माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूत्रों के अनुसार, किसान जब देर शाम अपनी कपास की फसल लेकर बाजार पहुंचा तो सीईओ पंडारी ने उसे फसल देर से लाने पर आपत्ति जताई। बताया जाता है कि उन्होंने किसान को यार्ड से बाहर जाने को कहा और इसी दौरान तीनों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी। घटना के तुरंत बाद मौजूद किसानों ने इस व्यवहार की तीखी निंदा की और इसे किसानों का अपमान बताया।

मारपीट से आहत किसान ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर जिलाधिकारी (कलेक्टर) राजर्षि शाह ने पुलिस को निर्देश दिया कि सीईओ पंडारी के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए और यह भी जांच की जाए कि घटना के समय वह शराब के नशे में था या नहीं। सूत्र बताते हैं कि कलेक्टर ने अधिकारियों को सीईओ के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने का आदेश भी दिया है। उन्होंने घटना पर गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों के साथ बदसलूकी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.